23 June Page 1_Page 3.qxd 6/22/2025 10:01 PM Page 1

धनबाद, सोमवार
23 जून 2025
वर्ष : 11 अंक : 28
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

ब्रीफ न्यूज

एयरपोर्ट पर 16 करोड़ का सोना बरामद

मुंबई(एजेंसी) : मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16 करोड़ की कीमत का हाइड्रोपोनिक वीड और गोल्ड डस्ट (चूरा) जब्त किया। 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, इनमें दो लोग एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट कर्मचारियों के तस्करी में शामिल होने गुप्त सूचना मिली थी। दोनों की जांच की गई। इस दौरान उनकी जेब और मोजे में छिपाई मोमबत्ती मिली। जिसके अंदर 24 कैरेट सोने का चूरा छिपाया गया था।

नक्सलियों ने 2 ग्रामीणों को मार डाला

बीजापुर (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने शनिवार देर रात 2 ग्रामीणों की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि इनमें एक सरेंडर नक्सली भी शामिल है। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक पर इनकी जान ली है। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम समैय्या और वेको देवा है। समैय्या पहले नक्सली था। उसने 2025 में आत्मसमर्पण किया है। वहीं वेको देवा ग्रामीण है। दोनों नक्सल प्रभावित गांव सेंड्राबोर और एमपुर के रहने वाले थे। इन्हें मिलाकर बीजापुर में 7 दिन में ये 5वीं हत्या है।

फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसका

चेन्नई(एजेंसी) : तमिलनाडु के होसुर में एक फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसक गया। इससे सडक पर करीब तीन किमी लंबा जाम लग गया। वाहनों को सर्विस रोड का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। यह फ्लाईओवर बेंगलुरु-चेन्नई नेशनल हाईवे पर बना है और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से सिर्फ 40 किमी दूर है। सुरक्षा कारणों से फ्लाईओवर पर बेंगलुरु जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया। पुलिस ने बताया कि एक्सपर्ट्स का एक पैनल होसुर फ्लाईओवर की जांच करेगा।

आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर(एजेंसी) : पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे।

एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराईं थी। हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी रखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की बात, पश्चिम एशिया के हालात पर जताई चिंता

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का हल कूटनीति और संवाद से ही निकाला जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है। साथ ही, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यह बातचीत क्यों मानी जा रही अहम पश्चिम एशिया में ईरान और इजराइल के बीच लंबे समय से

तनावपूर्ण हालात चल रहे हैं, ऐसे में अमेरिका का ईरान के परमाणु क्षेत्रों में हमला मामले को और गंभीर बनाता प्रतीत हुआ है। वैसे भी दोनों देशों में हाल के दिनों में हमलों और जवाबी कार्रवाइयों से हालात और बिगड़े हैं। भारत के लिए पश्चिम एशिया रणनीतिक, ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतियों की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में भारत की शांति और स्थिरता की अपील अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक संतुलित और जिम्मेदार रुख के तौर पर देखी जा रही है।

झारखंड में पर्यटन के साथ फिल्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं: राज्यपाल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

नेतरहाटः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में चल रही हिंदी फीचर फिल्म ₹सहिया₹ की शूटिंग स्थल का अवलोकन किया। फिल्म के सेट पर पहुँचकर राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति की अनुपम देन है, जहाँ घाटियाँ, जलप्रपात और हरियाली एक अद्भुत सिनेमाई पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि फिल्म निर्माण के लिए भी अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण हेतु अधिक से अधिक निमार्ता-निर्देशक झारखंड आएँ।

विदित हो कि फिल्म सहिया के निमार्ता संजय शर्मा हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में लोकप्रिय युवा अभिनेता शांतनु महेश्वरी, वरिष्ठ कलाकार नीरज काबी, रमन गुप्ता और अभिनेत्री रिंकू राजू शामिल हैं।

राज्यपाल महोदय को फिल्म की विषयवस्तु, लोकेशन चयन, तकनीकी पक्ष तथा स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि फिल्म में झारखंड के स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को भी अवसर दिया जा रहा है। यह राज्य की प्रतिभा के लिए एक प्रेरणादायक अवसर है।राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण दल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण फिल्म उद्योग को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। आशा है कि झारखंड आने वाले वर्षों में एक प्रमुख फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में उभरेगा।

नेतरहाट पहुंचने पर उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने स्वागत किया तथा इस क्षेत्र की विशेषताओं से अवगत कराया।

शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला है: राज्यपाल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गुमला : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड स्थित ज्ञान निकेतन विद्यालय परिसर में विकास भारती संस्था की ओर से आयोजित पौधारोपण महोत्सव और बाल संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला है और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में सजगता और गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी भारत का भविष्य हैं। नियमित रूप से पढ़ाई करें, मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ें। यही मार्ग आपको तरक्की की ओर ले जाएगा।

राज्यपाल ने पद्मश्री अशोक भगत के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास समाज के लिए अत्यंत आवश्यक, अनुकरणीय और प्रेरणादायक हैं।

उन्होंने विकास भारती संस्था की ओर शिक्षा, स्वावलंबन और जनजातीय उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया।

जनता को गुमराह करने की कोशिश, असली मुद्दों से भटका रही भाजपा : विनोद कुमार पांडेय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आगामी 24 जून को भाजपा द्वारा घोषित आक्रोश प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी करार देते हुए तीखा हमला बोला है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा राज्य की स्थिर सरकार को अस्थिर करने और जनता को भ्रमित करने की नाकाम कोशिश में एक बार भी जुटती दिख रही है। दिशाहीन भाजपा अपनी ताबूत में अंतिम कील ठोकने की दिशा में अग्रसर है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा को जनता ने 2019 में पूरी तरह नकार दिया था। सत्ता से बाहर होते ही भाजपा को राज्य में हर जगह अव्यवस्था नजर आने लगी, जबकि सच्चाई यह है कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के हर वर्ग के लिए काम किया है – चाहे वह किसानों की कर्ज माफी हो, स्थानीय युवाओं के लिए नियोजन नीति हो, या महिला सुरक्षा की दिशा में उठाए गए सख्त कदम।

उन्होंने कहा कि भाजपा वही पार्टी है जिसने अपने शासनकाल में न तो पेसा कानून लागू किया और न ही स्थानीय नीति बनाई। आज जब राज्य सरकार जनसरोकार से जुड़ी योजनाओं को जमीन पर उतार रही है, तब भाजपा सकारात्मक विपक्ष की भूमिका में नजर आने की बजाए दो तिहाही बहुमत से सत्ता में काबिज हुई सरकार पर झूठे आरोप लगाकर न सिर्फ जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है बल्कि जनादेश का अपमान करने से भी बाज नहीं आ रही। दरअसल सत्ता से बाहर भाजपा के प्रदेश नेताओं को दिल्ली में बैठे अपने आकाओं की ताकत का गुमान है। उसी ताकत का दुरुपयोग पिछली हेमंत सरकार को परेशान करने के लिए किया और अब एक बार फिर से भाजपा अपने पतन के उसी रास्ते पर चलने जा रही है।

झामुमो ने भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि वे अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए प्रदर्शन की राजनीति करने वाले हैं। जहां तक बात भ्रष्टाचार की ही बात है तो भाजपा शासनकाल में नियुक्ति घोटाला, भूमि लूट की घटनाओं को राज्य की जनता भूल नहीं पाई है। और यही कारण है लगातार दो बार भाजपा को सत्ता से बेदखल रखने का जनादेश दिया है झारखंडवासियों ने।

भाजपा के नेताओं को पहले अपने गिरेबां में झांककर देखना चाहिए। जनता को अब भाषण नहीं, काम चाहिए और हेमंत सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। झामुमो ने स्पष्ट किया कि सरकार जनता के बीच है और हर सवाल का जवाब मैदान में दे रही है। भाजपा चाहे जितने प्रदर्शन कर ले, राज्य की जनता अब उनके छलावे में नहीं आने वाली। जनता जानती है कि असली जनसेवा कौन कर रहा है और झूठा हो-हल्ला कौन मचा रहा है।

मार्च 2026 तक नक्सलवादमुक्त होगा देश : अमित शाह

रायपुर (एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डीजीपी/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रायपुर में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में विष्णुदेव की सरकार और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने एक रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और राज्य को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। कहा कि विष्णुदेव और विजय शर्मा ने नक्सलविरोधी अभियानों को न सिर्फ धार दी, बल्कि समय-समय पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया, सुरक्षाबलों का हौंसला भी बढ़ाया और संपूर्णता के साथ इस लड़ाई में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह से मुक्त हो जाएगा। जिस तरह से हमारे सुरक्षाबलों ने पराक्रम दिखाया है और सूचना एजेंसियों ने

आजसू पार्टी ने स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाया

✦समारोह में उमड़े कार्यकर्ता, बंगाल ओडिशा से भी पहुंचे ✦नए तेवर में दिख रही आजसू , राज्य के नवनिर्माण का लें संकल्पः सुदेश महतो

अनस रहनुमा

रांची। आजसू पार्टी ने अपना स्थापना दिवस आज बलिदान दिवस के रूप में मनाया। केंद्रीय स्तर पर मुख्य समारोह खेलगांव के हरिवंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने संघर्ष किया। आजसू ने 1986 से 2000 तक सांसदझविधायक बनाए बिना संघर्ष किया।सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार चोरी और लूट नहीं, जनता के अधिकारों की डकैती में जुटी है। जनता इस सरकार से मात्र छह माह में ही त्रस्त हो चुकी है। आजसू कार्यकर्ता हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी करें। श्री महतो ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की घोषणा का

आजसू स्वागत करती है। हमारी मांग है कि जाति के आधार पर आरक्षण दिया जाए। श्री महतो ने कहा कि झारखंड निर्माण में बंगाल और ओडिशा के साथियों की भी भूमिका रही है। राज्य के अंदर चलने वाली सबसे लम्बी लड़ाई है झारखंड आंदोलन। उन्होंने कहा कि आजसू ने झारखंड के लिए संघर्ष किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपाई ने अलग राज्य निर्माण किया। श्री महतो ने कहा कि आज से आजसू एक नए तेवर में दिख रही है। अब राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लेकर यहां से हमलोग जाएंगे। श्री महतो ने कहा कि राज्य को एक नई सोच के साथ आगे लेकर जाने की आवश्यकता है। वर्तमान हेमंत सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है। महिलाओं को सत्ता हासिल करने का आधार बनाया गया और अब छह लाख महिलाओं का नाम मइया योजना से काटा जा रहा है। इसका जवाबदेह कौन होगा? श्री महतो ने कहा कि सारा तंत्र जनता को धमकाने में लगा है। जमीन के नाम पर सारा अपराध हो रहा है। एक जमीन की छह बार रजिस्ट्री हो रही है और सीओ तथा थाना फर्जी करने वालों के पक्ष में वास्तविक मालिक को प्रताड़ित करते हैं। श्री महतो ने कह की न तो नियोजन नीति बनी, न विस्थापन नीति और न ही स्थानीय नीति। इस सरकार को जनता की कोई चिंता नहीं। पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि आजसू के आंदोलनकारियों ने संघर्ष कर अलग राज्य बनवाया लेकिन यह सरकार आंदोलनकारियों का न तो सम्मान कर रही है और न ही पेंशन दे रही है। मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि आज आजसू स्थापना दिवस पर झारखंड के शहीदों को याद कर रही है क्योंकि उनकी कुबार्नी पर अलग राज्य बना है। झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि आजसू की स्थापना के बाद नए तेवर में उग्र संघर्ष शुरू हुआ जिसके बाद केंद्र सरकार को वार्ता के लिए मजबूर

विस्थापित परिवार के युवाओं को मिलेगा सभी क्षेत्रों में रोजगार: उपायुक्त

20 गांवों को पंचायत से जोड़ने, उन्हें बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर उपायुक्त ने की चर्चा

सभी मिलकर खुशहाल बोकारो की करें परिकल्पना, ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले रोजगार, जिला प्रशासन बीएसएल और अन्य सभी पीएसयू मिलकर करें आजीविका के लिए एकीकृत योजना तैयार

गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बीएसएल प्रबंधन डीपीएलआर, पंचायती राज पदाधिकारी आदि के साथ की बैठक, विभिन्न बिंदुओं पर की विस्तार से चर्चा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : विस्थापित परिवार के युवाओं को रोजगार और आजीविका से जोड़े जाने हेतु जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन मिलकर संयुक्त रूप से एक वृहत अभियान चलाएं। इसके लिए सभी पक्ष खुले मन से मिलकर प्रयास करें। उक्त बातें उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहीं। वह जिले के विकास और स्थानीय लोगों, विस्थापितों के उत्थान के लिए शनिवार को गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में एक अहम बैठक कर रहे थे। बैठक में बीएसएल प्रबंधन, डीपीएलआर, पंचायती राज पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक मे जिले के 20 गांवों (वैद्यमारा, कुण्डौरी, महेशपुर, शिबुटांड, पंचौरा, कनफट्टा, महुआर, बदरोटांड, पिपराटांड, धनडबरा, उकरीद, बनसिमली, जरीडीह, कनारी, मानगो, रानीपोखर, करहरिया, नरकरा, धरमपुरा एवं भतुआ) को पंचायत से जोड़, वहां रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त कराना, रोजगार उपलब्ध कराना रहा।

उपायुक्त ने कहा कि जिला मुख्यालय से सटे 20 गांवों को पंचायत से जोड़ने की प्रक्रिया तेज की जाए, ताकि इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और लोगों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने इस मामले में विस्तार से बीएसएल प्रबंधन, परियोजना भूमि एवं पुनर्वास निदेशक (डीपीएलआर), जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी आदि से जानकारी ली। वर्तमान समस्या और उसके निदान पर गहन विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि चर्चा से सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

स्थानीय युवाओं को मिलेगा सभी क्षेत्रों में रोजगार: बैठक में उपायुक्त ने साफ तौर पर कहा कि स्थानीय लोगों, विस्थापितों को हर क्षेत्र में रोजगार मिलना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में सभी संबंधित विभागों एवं बीएसएल प्रबंधन से तालमेल कर रोजगारपरक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा- हमारा प्रयास होना चाहिए कि स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध हो। इसके लिए बीएसएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के संयुक्त प्रयासों से आजिविका के दिशा में वृहद एकीकृत योजना तैयार करने को कहा।

बीएसएल प्रबंधन जनता को विश्वास में ले: उपायुक्त ने बीएसएल प्रबंधन से कहा कि आम लोगों के साथ खुले मन से संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और समाधान निकालने की दिशा में सकारात्मक पहल करें। उन्होंने कहा- एक कदम बीएसएल बढ़े, एक कदम प्रशासनझहर समस्या का समाधान मिलकर निकलेगा।

15 मई 2025 को हुई बैठक का अनुपालन करें बीएसएल प्रबंधन: उपायुक्त ने पिछले 15 मई 2025 को जिला प्रशासन - बीएसएल एवं विस्थापित अप्रेंटिस संघ के साथ हुई बैठक में जो निर्णय लिया गया था। उसका अनुपालन शत प्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक माह 50 अप्रेंटिस व्यक्तियों की नियुक्ति तय अनुपात के तहत करने की बात कहीं। उन्होंने अगले माह के प्रथम सप्ताह में होने वाली बैठक में इन सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा, समीक्षा करने और बैठक में पूरी तैयारी, संबंधित दस्तावेज के साथ उपस्थित होने की बात कहीं।

खुशहाल बोकारो के लिए एकजुट प्रयास जरूरी: बैठक में खुशहाल बोकारो की परिकल्पना को साकार करने पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग और कंपनियां आपसी समन्वय और सहयोग से विकास के कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब रोजगार बढ़ेगा, सुविधाएं मिलेंगी और योजनाएं जमीन पर उतरेंगी तो बोकारो एक मॉडल जिला के रूप में उभरेगा।

बोकारो को एजुकेशनल हब हैं बनाना: बैठक में उपायुक्त ने कहा कि बोकारो को केवल औद्योगिक नगर ही नहीं, बल्कि शैक्षणिक हब के रूप में भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और संस्कार पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि यहां के युवा न केवल रोजगार के लिए तैयार हों, बल्कि समाज के जिम्मेदार नागरिक भी बनें।

समन्वय और पारदर्शिता से बनेगा विकास मॉडल: बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि विकास तभी संभव है जब सभी हितधारक आपस में समन्वय बनाकर पारदर्शी तरीके से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक स्तर पर संवाद मजबूत हो और योजनाओं को गति एवं गुणवत्ता के साथ धरातल पर उतारा जाए।

बैठक में डीपीएलआर मेनका, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, बीएसएल प्रबंधन की ओर से ए के अविनाश, ए के सिंह समेत अन्य अधिकारी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबर

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल बर्मन को सम्मानित किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : लॉयंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलीट की एक बैठक ऑर्बिट रिट्रीट में आहूत की गई। इस बैठक में चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज गिरिडीह के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल बर्मन को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की शुरूआत क्लब के पदाधकारियों के द्वारा राहुल बर्मन को बुके देकर सम्मानित किया गया समारोह को सम्बोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष दशरथ प्रसाद ने कहा कि यह गर्व की बात है कि हमारे क्लब के सदस्य राहुल बर्मन को सीसीआई गिरिडीह का अध्यक्ष चुना गया । नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि मेरे ऊपर सीसीआई के सदस्यों ने दूसरी बार भरोसा जताया है इसलिए मेरी जवाबदेही बढ़ गई है। मै लोगों के विश्वास पर खरे उतरने का प्रयास करूंगा। समारोह में क्लब अध्यक्ष दशरथ प्रसाद जोन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन संजय कुमार सिंह डिस्ट्रिक्ट एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर लायन राजेश गुप्ता क्लब सचिव लायन सुदीप गुप्ता, लायन राहुल कुमार, लायन सौरभ महासेठ, लायन शत्रुघ्न सिंह, लायन अवनीश अंशु, लायन गुंजन कुमार शर्मा, लायन मसरूर आलम सिद्दीकी, लायन अमरनाथ मंडल, लायन रवि राज सहित क्लब के कई सदस्य उपस्थित रहे.

स्मार्ट ड्रीम एकेडमी द्वारा आयोजित भरतनाट्यम वार्षिक परीक्षा संपन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह: स्मार्ट ड्रीम एकेडमी के तत्वावधान में संचालित भरतनाट्यम पाठशाला के प्रशिक्षणरत विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा आज द सिटी क्राउन रिसोर्ट, सिहोडीह में भव्य रूप से आयोजित की गई। इस परीक्षा का संचालन सुरों भारती संगीत कला केंद्र, कोलकाता से आईं परीक्षिका सौंपा मुखर्जी द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों की नृत्य प्रतिभा का सूक्ष्म मूल्यांकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर गिरिडीह सदर के एसडीपीओ जीतवाहन ऊरांव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन से बच्चों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाते हुए एप्टा के संरक्षक राजेश सिन्हा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता समीर चौधरी, शिक्षा निकेतन विद्यालय पीरटांड़ के डायरेक्टर अमित, ऐप्टा के आलोक,चंचल मिश्रा, संगीता सिन्हा, पिकलबॉल एसोसिएशन के झारखंड के सचिव प्रभात कुमार, आंनद सिंह, मृदुला शर्मा, विनज्ज एंटरटेनमेंट फिल्म्स के सभी सदस्य, राजेश कुमार, गिरिडीह कोर्ट में पेशकार संजीव, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक बुधन महतो विद्यार्थी एवं अनेक विशिष्ट अतिथि, अभिभावकगण तथा दर्शक भी उपस्थित रहे। संस्थान की ओर से डायरेक्टर प्रीति भास्कर एवं निशांत भास्कर ने सभी मेहमानों, अभिभावकों, परीक्षिका एवं दर्शकों का हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें एक सशक्त मंच प्रदान करना है। ताकि वे कला के क्षेत्र में नित्य निखरते रहें।कार्यक्रम की सफलता में संस्थान से जुड़े सभी सहयोगियों की भूमिका उल्लेखनीय रही। यह आयोजन बच्चों के लिए न सिर्फ एक परीक्षा बल्कि आत्मविश्वास और प्रदर्शन कौशल को निखारने का एक सशक्त माध्यम भी बना।

नए श्रम संहिताओं पर बीएसएल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट द्वारा भारतीय श्रम संहिताओं के तहत चार नए श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन, व्यापार सुगमता तथा विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से जुड़े पहलुओं की स्पष्टता सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बोकारो निवास में किया गया। इस कार्यशाला में सेल की प्रमुख उत्पादन इकाइयों, झारखण्ड ग्रुप ऑफ माइंस, कोलियरीज तथा मैनजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट समेत विभिन्न संयंत्रों के मानव संसाधन, औद्योगिक संबंध, श्रम कानून एवं संबंधित कार्यों से जुड़े फ्रंटलाइन अधिकारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट एवं दिल्ली उच्च न्यायालय में वरीय अधिवक्ता एवं सेल के पैनल अधिवक्ता रूपेश कुमार, अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक लक्ष्मी दास, मुख्य महाप्रबंधक एके शरण, मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार, तथा मुख्य महाप्रबंधक नीता बा उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शरुआत में मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं कार्यशाला की रुपरेखा प्रस्तुत की। निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला भारतीय श्रम संहिताओं के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक समरसता तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगी। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला के प्रत्येक सत्र का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया कार्यशाला के दौरान विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों के द्वारा श्रम संहिताओं के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से श्रम कानूनों के अनुपालन हेतु अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी साझा की गई। मुख्य वक्ता रूपेश कुमार ने भारतीय श्रम संहिताओं के तहत चार नए श्रम संहिताओं के प्रावधानों, प्रभाव और व्यावहारिक पक्षों की विस्तृत जानकारी साझा की। यह कार्यशाला बीएसएल द्वारा श्रमिक हित संरक्षण, विधिक अनुपालन सुनिश्चित करने तथा मजबूत औद्योगिक संबंधों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम का समापन मुख्य महाप्रबंधक एके शरण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

झामुमो के विचारधारा को मानने वाले लोगों को ही पार्टी से जोडें : संजय सिंह

झामुमो के वर्ग संगठन का गठन और विस्तार जल्द

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड मुक्ति मोर्चा महानगर समिति गिरिडीह की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को झामुमो जिला कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महानगर समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह (रॉकी) ने की। बैठक का संचालन महानगर सचिव सन्नी रैन ने की ।

बैठक में संगठन के विस्तार पर व्यापक चर्चा हुई। विशेष रूप से यह निर्णय लिया गया कि संगठन को वार्ड स्तर तक मजबूत किया जाएगा और सभी सक्रिय पुराने तथा नए कार्यकताओं को उचित जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। संगठन का उद्देश्य आने वाले दिनों में प्रत्येक वार्ड में कैंप लगाकर जनता की समस्याओं का समाधान करना है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि पार्टी या दल विचारों से चलता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की विचारधारा को पसंद करने वाले लोगों को पार्टी से जोडने का अभियान चलायें । जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पप्पू ने बताया कि केन्द्रीय कमेटी के निर्देश पर जिस वर्ग संगठन का गठन किया जाना है। उसमें युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, मजदूर मोर्चा, बुद्धिजीवी मोर्चा, पिछड़ा अनुसूचित जाति मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, व्यवसाय मोर्चा, क्रीडा मोर्चा आदि का गठन किया जाना है। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने अपने विचार साझा किए और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया। संगठन द्वारा आगामी दिनों में जनसम्पर्क अभियान चलाकर वार्ड स्तर पर जनता से सीधा संवाद स्थापित करने की योजना बनाई गई। बैठक में झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा, जाकिर हुसैन, सुमित कुमार, लोकनाथ सहाय, संजय वर्मा, विजय बेसरा, सोमर मरांडी, मोहम्मद नदीम, चांद अहमद, शेखर यादव, अनुभव सिंह, अल्कामा सहित पार्टी के गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएसएल टाउनशिप क्षेत्र के टेलीफोन बूथ संचालकों के लिए गाइडलाइन जारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो इस्पात सयंत्र ने बोकारो इस्पात टाउनशिप क्षेत्र में टेलीफोन बूथ के संचालन के लिए कुल 201 टेलीफोन बूथ आवंटित किया था, जिसका स्थानीय जांच का सर्वे 2025 में किया गया। तदुपरांत, सभी टेलीफोन बूथ लाइसेंस धारियों को टेलीफोन बूथ को संचालित करने के लिए नये नियम एवं शर्तों के साथ पत्रों के माध्यम से सूचना दी गयी जिसके तहत लाईसेंसी को अपने-अपने टेलीफोन बूथ का रिन्यूअल, रेगुलराइजेशन की प्रक्रिया के लिए दिए गए प्रारूप (फोर्मेट) में अपने-अपने स्व-अभिप्रमाणित दस्तावेज के साथ नगर सेवा विभाग के टीए-एलआरए विभाग से तुरंत संपर्क करना है। टेलीफोन बूथ संचालन के लिए मासिक किराया 1350 रुपये निर्धारित किया गया है जो 01 नवम्बर 2024 से लागू होगा। नियम एवं शर्तों के साथ छेड़-छाड़ करने वालों पर 5000 रुपये का जुमार्ना भी लगाने का प्रावधान है। सभी टेलीफोन बूथ संचालकों को अपने टेलीफोन बूथ को पिंक कलर से पेंट करने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि वो अन्य दुकानों से अलग दिखे। ऐसा देखा गया है कि कई टेलीफोन बूथ संचालकों ने इसका अनुपालन कर लिया है, परंतु जिन बूथ संचालकों ने अभी तक पिंक कलर पेंटिंग नहीं कराई है, उन्हें यह यथाशीघ्र सुनिश्चित करना है। टेलीफोन बूथ को सड़क से एक निश्चित दूरी बनाये रखना है जिससे आवागमन बाधित न हो, जिसकी समय-समय पर जांच नगर सेवा विभाग के प्रतिनिधि करेंगे। इसके अलावा टेलीफोन बूथ को अपने आवंटित स्थान से दूसरे स्थान में लगाने की अनुमति नहीं है, ऐसा पाए जाने पर उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। जिन टेलीफोन बूथ संचालकों ने अभी तक अपना आवेदन जमा नहीं किया है, वो जल्द अपना आवेदन नगर सेवा विभाग के टीए-एलआरए सेक्शन में जमा कर दे, अन्यथा उन पर कंपनी नियमानुसार कार्यवाई की जाएगी जिसके तहत उनका बिजली कनेक्शन काटा जा सकता है तथा उनका टेलीफोन बूथ का लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है।

बोकारो जिला सॉफ्टबॉल संघ की कार्यकारिणी गठित

प्रकाश कुमार को अध्यक्ष तथा पुतुल कुमारी को सचिव का दायित्व मिला

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : रविवार को सेक्टर 11 सी के सभागार मे बोकारो जिला सॉफ्टबॉल संघ के गठन की प्रक्रिया को लेकर आम सभा आयोजित हुई। झारखंड राज्य सॉफ्टबॉल संघ के पर्यवेक्षक अमलेश कुमार उपस्थित रहे बैठक में सभी की सहमति से प्रकाश कुमार को बोकारो जिला सॉफ्टबॉल संघ का अध्यक्ष चुना गया तथा पुतुल कुमारी को सचिव चुना गया, साथ ही दीपक कुमार को बोकारो जिला सॉफ्टबॉल संघ के संयुक्त सचिव एवं अमित कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके बाद अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव हुआ जिसमें मुख्य रूप से राकेश कुमार सिंह, राहुल कपरदार, प्रवीण कुमार, चंदा कुमारी, अनुज कुमार, अजय कुमार के नाम शामिल हैं। अध्यक्ष प्रकाश कुमार ने कार्यकारिणी के विस्तार हेतु अगली बैठक जुलाई के प्रथम सप्ताह में करने की बात कही। सचिव पुतुल कुमारी ने अध्यक्ष को यह विश्वास दिलाया कि उनके दिशा निर्देश के अनुरूप जिला सॉफ्टबॉल संघ खिलाड़ियों को अच्छा से अच्छा प्रशिक्षण देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि अधिक से अधिक संख्या में बोकारो जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी सिद्ध करेंगे। दीपक कुमार संयुक्त सचिव ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि इतनी बड़ी जिम्मेवारी उन्हें दी गई है यकीनन हम इस खेल को सभी बोकारो जिला के स्कूलों के साथ मिलकर बच्चों का चयन कर एक अच्छी टीम बनाएंगे और बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करेंगे। अंत में पर्यवेक्षक अमलेश कुमार ने बोकारो जिला सॉफ्टबॉल संघ की कार्यकारिणी के अध्यक्ष एवं अन्य सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व सदस्यों को बधाई दी।

जमुआ प्रखंड में मेघा विधिक सह शक्ति शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के अध्यक्ष प्रधान जिला न्यायाधीश के आदेश अनुसार जमुआ प्रखंड में मेघा विधिक सह शक्ति शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद सम्मान समारोह किया गया मुख्य अतिथि के तौर पर स्मृति त्रिपाठी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी व्यवहार न्यायालय गिरिडीह की उपस्थिति रही साथ ही डालसा के सीएस अधिवक्ता पुरुषोत्तम कुमार, शिवम केडिया, डालसा के पैनल अधिवक्ता भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनिल गोस्वामी नोडल पदाधिकारी ने किया कार्यक्रम के दौरान शिवम केडिया ने संक्षिप्त में उन्होंने मौलिक अधिकारो विधायिका , कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के बारे में बताया।शक्ति शिविर के तौर पर मानव जीवन से जुड़े तमाम कैंप का भी आयोजन किया गया था।

जिसमें शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास विभाग कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग जसलपीएस के द्वारा भी स्टॉल लगाया गया था। तत्पश्चात न्यायिक दंडाधिकारी स्मृति त्रिपाठी ने बारी-बारी से सभी स्टॉल का निरीक्षण किया। संबंधित लोगों को परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी अमलज, अंचलाधिकारी संजय पाण्डेय, चिकित्सा प्रभारी कुलदीप तिर्की जिला परिषद कुमारी प्रभा,उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी,विशुत्री अध्यक्ष जुनेद आलम, भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर यादव, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सिंह,गोपाल कृष्ण पांडे,जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार एवं पुलिस अवर निरीक्षक सोमा मुंडा अधिकार मित्र के तौर पर सुबोध कुमार साहू, हीरा देवी, सर्वजीत कुमार, रमेश कुमार, सीता देवी, साजिद अंसारी, प्रमोद कुमार के अलावा सैकड़ो ग्रामीणों की उपस्थितिरही। कार्यक्रम के दौरान शराब मुक्ति पर भी शपथ दिलाई गई।

अपने ही राज्य में पहचान के लिए जूझ रहे झारखंड आंदोलनकारी: सुदेश महतो

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : आजसू ने बलिदान की बुनियाद पर झारखंड को हासिल किया है। झारखंड अलग राज्य गठन के संघर्षों के हम जनक हैं। हमारे इतिहास के पन्नों में संघर्ष का इतिहास है। जेल, पुलिस की लाठियाँ, केस, मुकदमे, शहादत के बाद हमने राज्य को हासिल किया है। झारखंड की पीड़ा और वेदना को आजसू समझती है। आजसू झारखंडी जनभावनाओं की आवाज है। हम सिर्फ जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करते बल्कि उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप समाधान का रास्ता भी देते हैं। राजनीति हमारे लिए सत्ता नहीं बल्कि वैचारिक क्रांति का मिशन है। हमारी वैचारिक प्रतिबद्धता झारखंड और झारखंडी जनमानस को लेकर है। हमारे राजनीति के लक्ष्यों में झारखंड का कल्याण निहित है हम अपने शहीदों और क्रांतिकारियों को याद करते हुए झारखंड के भविष्य को संवारने का सपना साकार करेंगे। उक्त बातें आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने खेलगांव में बलिदान दिवस के अवसर पर कही। सुदेश महतो आजसू के स्थापना दिवस के अवसर पर मनाये जाने वाले बलिदान दिवस कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में झारखंड आंदोलनकारी अपनी पहचान के लिए जूझ रहे हैं। आंदोलनकारी की पहचान को बेचा जा रहा है आजसू पार्टी ने रांची के खेलगांव के हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में बलिदान दिवस आयोजित किया। जिसमे झारखंड, उड़ीसा, बंगाल के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। पार्टी के गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता का दमन कर रही है। प्रखंड स्तर पर अफसरों की मनमानी बढ़ी है। आजसू आंदोलन को तेज करेगी।

इस अवसर पर पार्टी के वरीय नेता और हजारीबाग लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी संजय मेहता ने कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा की झारखंड नवनिर्माण का संकल्प आज की पीढ़ी को लेना होगा। झारखंड में जनमुद्दों पर आवाज बुलंद करने की जरूरत है। आजसू मुख्य विपक्ष के तौर अपनी भूमिका को सुनिश्चित करेगी झारखंड में। स्थानीयता, नियोजन, पुनर्वास, नियुक्ति, परीक्षा, परिणाम, नियुक्ति कैलेंडर, ओबीसी आरक्षण, निजी क्षेत्र में आरक्षण, आउटसोर्सिंग में आरक्षण, आउटसोर्सिंग नियुक्ति से सरकारी नियुक्तियों का मारा जाना, पेसा कानून, सरना धर्म कोड, जमीन अधिग्रहण, मुआवजा, सीएनटी, एसपीटी, नौकर शाही का निचला स्तर, करप्शन, कंपनियों की मनमानी, कानून व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति से स्पष्ट है कि सरकार जनमुद्दों का समाधान नहीं कर पायी है। राज्य में लगातार हत्या और गोलीबारी की घटनाओं से आम जनमानस में भय व्यापत हुआ है। स्थानीयता और नियोजन का मसला लटका पड़ा है। ऐसे में राज्य को एक गंभीर राजनीतिक चिंतन की जरूरत है। राज्य को सिर्फ घोषणाओं से नहीं चलाया जा सकता बल्कि मजबूत संकल्पों के साथ आगे बढ़ना होगा।इस अवसर पर आजसू के राज्य भर के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। लगभग 20 हजार की संख्या में कार्यकर्ता रांची के खेलगांव पहुंचे। सभी पदाधिकारी, पूर्व विधायक, विद्यायक, सभी जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

Page 3_Page 3.qxd 6/22/2025 10:21 PM Page 1

जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ बैठक

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची, मंजूनाथ भजंत्री ने लिया जायजा

जगन्नाथपुर मंदिर से मौसी बाड़ी तक रथ यात्रा रूट का भी निरीक्षण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। रविवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची, श्री मंजूनाथ भजंत्री ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ बैठक किया।

इस दौरान डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, श्री चंदन कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची, श्री उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक, जिला जन संपर्क पदाधिकारी राँची, श्रीमती उर्वशी पांडेय, ऊरढ हटिया, अंचल अधिकारी नामकुम/नगड़ी, स्थानीय थाना प्रभारी एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

◆ मेला परिसर में व्यवस्था का जायजा

उपायुक्त ने मेला परिसर में व्यवस्था का जायजा लेते हुए वरीय अधिकारियों द्वारा मंदिर समिति के पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जगन्नाथपुर मंदिर से मौसी बाड़ी तक रथ यात्रा रूट का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त द्वारा श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने का निदेर्शा दिया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक श्री चंदन सिन्हा ने दुकानदारों को निर्धारित स्थान तक ही अपने दुकान लगाने का निर्देश दिया गया ताकि रथ यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची, श्री मंजूनाथ भजंत्री ने कहा की पूरे विधि-विधान से रथ यात्रा की शुरूआत होगी इसके लिए विधि-व्यवस्था के सभी इंतजाम किये गये हैं। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसका पूरा ध्यान रखते हुए 24 घंटे बिजली, चलंत शौचालय, पानी, अग्निशमन एवं एंबुलेंस की व्यवस्था की गयी है।

डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक श्री चंदन सिन्हा ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किये गये हैं, मेला परिसर में वॉच टावर और सीसीटीवी लगाये गये हैं। उन्होंने बताया कि सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है, इसके लिए संयुक्त आदेश भी निर्गत किया जाएगा। बड़े वाहन प्रवेश न करें, इसको लेकर जगह-जगह बैरिकेडिंग भी की जा रही है।

◆ साफ सफाई के विशेष इंतजाम करने के निर्देश

उपायुक्त ने कहा की जगन्नाथपुर रथ यात्रा के दौरान साफ- सफाई के विशेष इंतजाम रखने के निर्देश दिए है, साथ ही उन्होंने कहा की मेला परिसर में प्लास्टिक की थैलियों, डिस्पोजेबल ग्लास, प्लेट्स, चम्मच और अन्य सामग्रियों का उपयोग ना करें । हर स्टॉल के बाहर डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखना होगा।

◆ जिला प्रशासन आगामी रथ मेले के आयोजन को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध

जिला प्रशासन आगामी रथ मेले के आयोजन को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में, प्रशासन सभी दुकानदारों, खाद्य स्टॉल संचालकों, और आयोजकों से अपील करता है कि वे मेले के दौरान दोना, पत्तल, और अन्य बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों का उपयोग करें। यह कदम न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा, बल्कि मेले में स्वच्छता बनाए रखने में भी सहायक होगा। प्लास्टिक और अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों के उपयोग से पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है, जो मिट्टी, जल और वायु प्रदूषण का कारण बनता है। इसे ध्यान में रखते

हुए, जिला प्रशासन ने मेले में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। सभी स्टॉल संचालकों और दुकानदारों से अनुरोध है कि वे इस नियम का कड़ाई से पालन करें और बायोडिग्रेडेबल विकल्पों जैसे कि पत्तल, दोना, बांस की टोकरियाँ, और कागज से बने उत्पादों का उपयोग करें।

◆ मेला के दौरान वॉलिंटियर भी श्रद्धालुओं के लिए तैनात रहेंगे

उपायुक्त ने कहा की जिला प्रशासन की पूरी टीम के साथ मेला के दौरान वॉलिंटियर भी श्रद्धालुओं के लिए तैनात रहेंगे ताकि भक्तों को अपने आराध्य के दर्शन में कोई परेशानी ना हो, साथ ही एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाने के निर्देश दिए गए जिसमें जिला प्रशासन के साथ मंदिर कमिटी के भी पदाधिकारी जुड़े रहेंगे साथ वॉलिंटियर भी जुड़ेंगे जो हर जानकारी से जिला प्रशासन को अवगत करायेंगे।

◆ सूचना जन संपर्क विभाग के स्टॉल पर खोया पाया की सूचना दी जाएगी

उपायुक्त ने कहा की सूचना जन संपर्क विभाग के स्टॉल में ही मेले में खोये हुए लोग/ बच्चों के लिए खोया/पाया केंद्र की सूचना दी जाएगी।

◆ पुरे जगन्नाथपुर रथ यात्रा को बेहतर संपादन कराने में सभी की भूमिका अहम

उपायुक्त ने विशेष रूप से कहा की जगन्नाथपुर रथ यात्रा न केवल रांची बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। सभी विभाग एवं मेला न्यास समिति टीमवर्क की तरह कार्य करें। सभी सामूहिक जिम्मेवारी के तहत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कार्यों को संपादित करना सुनिश्चित करें। सुरक्षा और स्वच्छता की दृष्टि से मेला क्षेत्र में बेहतरीन मानकों को सुस्थापित करने की दिशा में दृढ़ता के साथ कार्य करें।

जानकारी हो की उपायुक्त रांची श्री मंजुनाथ भजन्त्री आज जगन्नाथपुर रथ यात्रा एवं मेला क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण करने के लिए डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया।

◆ जगन्नाथपुर रथ मेला 2025 के दौरान लगने वाले झूलों की सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश जारी

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी ने जगन्नाथपुर रथ मेला 2025 के दौरान लगने वाले झूलों की सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि मेला के दौरान कोई दुर्घटना न हो। इसके लिए सभी झूला संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है।

इन मानकों में झूलों की तकनीकी जांच, नियमित रखरखाव, और संचालन के दौरान सुरक्षा उपायों का अनुपालन शामिल है। साथ ही, संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी आवश्यक प्रमाण पत्र, जैसे कि झूलों की सुरक्षा जांच और लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज, उपलब्ध रखें।

यह कदम मेला में आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

भाजपा आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही : विनोद कुमार पांडेय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आधी-अधूरी जानकारी पर आधारित आरोप मढ़ रही है। यह जनता को भ्रमित करने वाला भाजपा का राजनीतिक स्टंट है। उन्होंने कहा कि ह्लभाजपा को अगर वाकई राज्य की जनता की चिंता है, तो उन्हें जमीनी स्तर पर हो रहे सुधारों को देखना चाहिए, न कि केवल त्रासदी को राजनीतिक हथियार बनाना चाहिए। महासचिव श्री पांडेय ने कहा, सरकार ने बीते वर्षों में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। एंबुलेंस सेवाओं के विस्तार और मरम्मत के लिए बजट आवंटित किया जा चुका है और यह प्रक्रिया प्रगति पर है। लेकिन यह भी समझना होगा कि एक पुरानी और उपेक्षित व्यवस्था को दुरुस्त करने में थोड़ा वक्त लगता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिम्स पार्ट-2 की योजना भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए बनाई गई है और यह किसी एक सेवा की अनदेखी नहीं, बल्कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार का हिस्सा है। विकास की योजना बनाना और वर्तमान समस्याओं का समाधान साथ-साथ चल सकते हैं। यह कहना कि सरकार एंबुलेंस नहीं दे सकती लेकिन रिम्स-2 बना रही है, एक निराधार तर्क है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति ने ओल्ड ऐज होम के लोगों को कराया स्वादिष्ट भोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्यामनगर भूली के द्वारा जरूरतमंदों का मदद करने के साथ भोजन भी लोगों को करवा रही है. पिछले रविवार को संस्था द्वारा लालमणि वृद्धा आश्रम में वह रह रहे बुजुर्ग माता पिता के बीच भोजन बांटने का कार्य किया.आज पुनः संस्था द्वारा ओल्ड ऐज होम सबलपुर में बुजुर्ग माता पिता के बीच भोजन वितरण का कार्य किया. संस्था के अध्यक्ष राकेश कांति विस्वास और रोटी बैंक युथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर दोनों टीम ने यह प्रण लिया है कि धनबाद में उपस्थित दो वृद्धा आश्रम में लगातार अपना योगदान दिया करेंगे. साथ ही वहां रह रहे बुजुर्ग माता पिता को हर वो मदद किया करेंगे जो उनके नालायक बच्चे नही किया करते हैं. आज का भोजन श्यामनगर निवासी राजेन्द्र प्रसाद साव के शादी के सालगिरह के तरफ से प्राप्त हुआ है.जिसे संस्था द्वारा ओल्ड ऐज होम में बांटा गया. मौके पर नीलकमल खवास,सरोज देवी,नीलम शर्मा,मंजू सिंह,रिया दे,अंकित कुमारी,अर्पिता कुमारी,पूर्णिमा विस्वास,सुजॉय सरकार,मिहिर विद,आरके वर्मा,प्रदीप कुमार,सोनू कुमार और विश्वजीत बनर्जी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया.

बीसीसीएल के अतिथि गृह कोयला नगर में साहित्यकार राजपाल यादव ने बांधा समां

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के कोयला नगर, बीसीसीएल अतिथि गृह में रविवार शाम को देश के जाने माने गजलकार व लोकप्रिय साहित्यकार राजपाल यादव 'राज ' जी भव्य काव्य गोष्ठी मे मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा (गुड़गांव) से आमंत्रित थे.काव्य गोष्ठी का आयोजन ₹ साहित्योदय ₹ संस्था की जिला अध्यक्ष रिंकू दुबे ' वैष्णवी ' ने किया.कार्य क्रम की अध्यक्षता प्रमिला श्री तिवारी एवं आचार्य संजय सिंह ' चंदन ' ने संयुक्त रूप से किया. मुख्य अतिथि को साहित्योदय संस्था जिलाध्यक्षा रिंकू दुबे ' वैष्णवी ' ने अंग वस्त्र प्रदान कर एवं आचार्य संजय सिंह चंदन ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया. साथ ही विशेष अतिथि बीसीसीएल हेड ऑफिस के जन संपर्क व राज भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष व प्रबंधक उदय वीर सिंह को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया.शानदार व बेहतरीन संचालन युवा लोकप्रिय गजलकार अनंत महेंद्र ने किया. सरस्वती वंदना से लोकप्रिय साहित्यकारा डॉ. संगीता नाथ ने आगाज किया, सभी कवियों ने अपनी धमाकेदार गजल और काव्य से शमा को बांधे रखा.

अन्य कवियों व गजलकारों मे मुख्य अतिथि राजपाल यादव ' राज' जी के गजलों को खूब सराहा गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने रिंकू दुबे ' वैष्णवी ',सरिता पांडेय व डॉ संगीता नाथ के पुस्तक का विमोचन भी किया ! गोष्ठी में प्रमिला श्री तिवारी, आचार्य संजय सिंह ' चंदन', गजलकारा डॉ. संगीता नाथ, उदय वीर सिंह, साहित्यकारा रिंकू दुबे 'वैष्णवी ' , खोरठा कवि विश्वजीत विश्वकिरण, स्नेह प्रभा पांडेय, गजलकारा प्रीति कर्ण, शालिनी झा, सरिता पांडेय, युवा गजलकार अनंत महेंद्र, युवा कवि तुषार, निशा नयन,भोजपुरी कवयित्री सुमन मिश्रा, बांग्ला कवयित्री नीरजा पप्पी आदि ने एक से बढ़कर एक काव्य और गजलों से शाम को रंगीन, देश भक्ति, बरसात की रचनाएँ परोस कर बेहतरीन प्रस्तुति की. अंत में सभी साहित्यकारों व अतिथि का आभार व्यक्त किया डॉ संगीता नाथ जी ने.

मारवाड़ी युवा मंच कतरास शाखा ने लगाया रक्तदान शिविर

हर स्वस्थ आदमी को रक्तदान करना चाहिए : डॉ. बी एन चौधरी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : रानी सती दादी मंदिर प्रांगण में मारवाड़ी युवा मंच कतरास शाखा के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन डॉ बी एन चौधरी ने किया. शरीर में कुल 40 लोगों ने रक्तदान किया. समारोह को संबोधित करते हुए डा. चौधरी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है. आपके द्वारा दिए गए रक्त से किसी की जान बच सकती है.रक्तदान करने से नया रक्त का संचार होता है.

हर स्वस्थ आदमी को रक्तदान करना चाहिए.मौके पर राजेश केडिया, प्रदीप सोनी, सुनील चौधरी, सुरेश शर्मा, बुलबुल राजगढ़िया, महेंद्र चौधरी, विजय राजगढ़िया, शाखा के अध्यक्ष मणी शर्मा, सचिव उमंग चौधरी, सह सचिव कर्ण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेश शर्मा, सह कोषाध्यक्ष सचिन खंडेलवाल, कार्यक्रम संयोजक पियूष कुमार शाह, दीपक केडिया, विकास चौधरी, केशव अग्रवाल, आदित्य धानुका, ऋतिक केडिया, अंकित बंसल, किशन खंडेलवाल आदि उपस्थित थे.

संघ के संस्थापक स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

झरिया : विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 23 जून को संघ के संस्थापक स्वर्गीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में झरिया विधानसभा क्षेत्र के हर एक बूथ पर मनाए जाने व अन्य निर्धारित कार्यक्रमों को लेकर रविवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह के नेतृत्व में झरिया बिहार बिल्डिंग कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने की।मौके पर जिला महामंत्री मानस प्रसुन्न,उपाध्यक्ष विष्णु त्रिपाठी, भाजयुमो जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, ध्रुव हरि, राज किशोर जेना, अवधेश साव, रवि वर्मा,संजू वर्मा,प्रियंका देवी थे।

रामगढ़ जिले के उर्दू विद्यार्थियों का हुआ सम्मान समारोह और करियर काउंसलिंग

उचित समय और उचित दिशा में परिश्रम करें : डॉ. सरफराज

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिला स्तरीय सम्मान समारोह सह मार्गदर्शन कार्यशाला उर्दू विद्यार्थियों के लिए आयोजित उर्दू गर्ल्स हाई स्कूल चितरपुर में कार्यक्रम मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चितरपुर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह ने कहा कि अपना गोल निश्चित करने में देर नहीं करना चाहिए। गोल सुनिश्चित करते समय हम इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि हमारी अपनी रूचि किस चीज में है। उसी के अनुसार अपना गोल बनाए ऐं। सबसे पहले इस बात को समझने कि जरूरत है कि अगर हम संकल्पित हैं तो किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त किया जा सकता है।

यह कार्यक्रम अंजुमन फरोग ए उर्दू और ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन किया गया। इस समारोह में इस वर्ष मैट्रिक, इंटर, बी ए और एम ए के उर्दू विषय में उत्कृष्ट अंक अर्थात 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वालों को प्रशस्ति पत्र और मेडल से सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए व्याख्यान भी दिए गए। व्याख्यान का लाभ उठाकर विद्यार्थी बेहतर कैरियर के लिए उचित फ्यूचर प्लान कर सकेंगे। इसमें शामिल होने के लिए उर्दू के विद्यार्थी द्वारा फॉर्म भर कर जमा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटा के प्रदेश सचिव डॉ सरफराज आलम ने किया और

संचालन अंजुमन फरोग ए उर्दू के उतरी छोटानागपुर प्रभारी डॉ शाहनवाज खान ने किया। अध्यक्षता करते हुए डॉ सरफराज आलम ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में लिए गए निर्णय और परिश्रम पर ही पूरी जिंदगी का सुख दुख निर्भर है अतः समय पर सही निर्णय लेते हुए उचित दिशा में परिश्रम करने की आवश्यकता है। डॉ शाहनवाज खान ने कहा कि उर्दू पढ़ने से रोजगार के अवसर कम नहीं होते हैं बल्कि रोजगार के अवसर में वृद्धि हो जाती है क्योंकि उर्दू पढ़ने वाले सामान्य नौकरियों के उम्मीदवार तो हो सकते हैं प्रशासनिक सेवा, रेलवे, बैंक, सरकारी विभागों के कर्मचारी की नौकरी आदि के साथ ही उर्दू के लिए विशेष पदों की उम्मीदवारी बढ़ जाती है जैसे उर्दू प्रोफेसर, शिक्षक, अनुवादक, उर्दू मीडिया के लिए भी अलग से दरवाजे खुल जाते हैं।

बतौर विशिष्ट अतिथि अंजुमन फरोग ए उर्दू के केन्द्रीय सचिव डॉ मो गालिब नश्तर ने कहा कि उर्दू गंगा जमुनी तहजीब की वास्तविक प्रमाण है यह गंगा-जमुनी तहजीब का बेहतरीन नमूना है। हाजी रईस खान ने कहा कि कहा कि उर्दू इसी धरती पर पैदा हुई है ये हमारी मादरी जुबान है।

जबकि मुनवर हुसैन और डॉ हैदर अली मार्गदर्शन व्याख्यान दिए। अन्य वक्ताओं जिला परिषद सदस्य शहला परवीन, पूर्व मुखिया यूसुफ मजहर, दानिश अयाज, मोकर्राम हयात, कारी आरिफ, सरफराज आलम का नाम शामिल है।

कार्यक्रम में गोला प्रखंड के आदिल अंसारी, तसनीम फैजी, मो सज्जाद,असलम परवेज, असलम अंसारी, मांडू प्रखंड के रमीजुर रहमान, फरीद अंसारी, पतरातु प्रखण्ड के दिलदार हुसैन, मो असलम, जलील अंसारी, मो सलीम आफताब आलम, मो इमरान, विक्की खान, राजा खान, चितरपुर प्रखंड के रफिकुल्ला, दिलावर अहमद, शबाना अंजुम, शफकत जहां, दुलमी प्रखंड के शाहिद अंसारी, तौफीक आलम, अकदस नदीम, सोहेल अख्तर और रामगढ़ प्रखंड के अलीमुद्दीन, हीना परवीन, जोया, मुस्कान आदि उपस्थित थे।

झाकोश्रयू की बैठक में यूनियन को मजबूत बनाने को लेकर केंद्रीय सचिव ने किया आह्वान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : राष्ट्रवादी कांग्रेसी पार्टी एवं झारखंड कोलियरी श्रमिक यूनियन का एक आवश्यक बैठक यूनियन के केंद्रीय सचिव उमेश गोस्वामी के आवासीय कार्यालय में संपन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से यूनियन को मजबूत बनाने के लिए तथा श्रमिकों को हो रहे शोषण के खिलाफ एरिया ऑफिस मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करने का विचार विमर्श किया गया. इसके साथ ही यूनियन का क्षेत्रीय कमेटी का चुनाव करने ताकि संगठन मजबूत हो इस बैठक में मुख्य रूप से पतित पवन तिवारी, प्रकाश तिवारी, विमल गोराई, निमाई सिंह, पप्पू राय, प्रदीप कुमार राय, राजेंद्र सिंह, माता फिर कैरी,फटिक महतो, गणेश , सत्यदेव शाह, सुशील गोराई, शेख सोहराब, कन्हाई महतो अमर प्रवीर महतो, उचित बाउरी, मोहम्मद हबीब एवं दर्जनों यूनियन एवं पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित हुए.बहुत जल्द यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो से मिलकर मुगमा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराई जाएगी.उनका कार्यक्रम एरिया मुख्यालय में करने का विचार विमर्श किया जाएगा.

जीआरपी प्रमुखों का छठा अखिल भारतीय सम्मेलन

भारतीय रेलवे में अपराध नियंत्रण और यात्री सुरक्षा पर फिर से ध्यान केंद्रित किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

नई दिल्ली : रेलवे सुरक्षा बल के तत्वावधान में आयोजित सरकारी रेलवे पुलिस प्रमुखों का छठा अखिल भारतीय सम्मेलन नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय सम्मेलन में रेल मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जीआरपी के डीजीपी, एडीजीपी और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

यह महत्वपूर्ण सम्मेलन भारतीय रेलवे पर अपराध नियंत्रण की बढ़ती चुनौतियों का समाधान करने और इसके विशाल नेटवर्क के माध्यम से प्रतिदिन यात्रा करने वाले लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक तंत्र को मजबूत करने के लिए एक ठोस प्रयास था। सम्मेलन का मुख्य विषय खुफिया जानकारी साझा करने को बढ़ाना, संयुक्त परिचालन रणनीति तैयार करना और विशाल रेलवे नेटवर्क का शोषण करने वाले आपराधिक तत्वों की उभरती कार्यप्रणाली का मुकाबला करने के लिए अंतर-एजेंसी समन्वय को ठीक करना था।

मुख्य फोकस क्षेत्र यात्रियों को चोरों और धोखेबाजों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली आम चालों और जाल के बारे में शिक्षित करने के लिए यात्री जागरूकता अभियान को तेज करना था। सम्मेलन में रेल मदद पोर्टल पर दर्ज यात्री संपत्ति चोरी की शिकायतों को औपचारिक एफआईआर में निर्बाध रूप से परिवर्तित करने पर जोर देने का संकल्प लिया गया, जिससे पता लगाने की दर में वृद्धि होगी और बार-बार अपराध होने से रोका जा सकेगा।

उच्च मूल्य के यात्री सामानों को लक्षित करने वाले संगठित अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क

को खत्म करने के लिए, सक्रिय निगरानी, राज्यों में समन्वित संचालन और चेहरे की पहचान प्रणाली सहित प्रौद्योगिकी समर्थित समाधानों का लाभ उठाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्राधिकार संबंधी अंतराल को रोकने के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जीआरपी इकाइयों के बीच एकीकृत प्रतिक्रिया प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसका अक्सर अपराधियों द्वारा फायदा उठाया जाता है।

महिला यात्रियों के खिलाफ अपराधों की चिंताजनक प्रवृत्तियों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने लक्षित गश्त, स्टेशनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे और महिला यात्रियों के बीच सुरक्षा की भावना को बढ़ाने के लिए मेरी सहेली टीमों की तैनाती सहित मजबूत निवारक उपायों पर सहमति व्यक्त की।

नशीली दवाओं के तस्करों और तस्करों द्वारा रेलवे परिसरों के दुरुपयोग पर भी चर्चा की गई, जिसमें गहन जांच और वास्तविक समय की खुफिया सूचनाओं के माध्यम से ऐसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। खुफिया ब्यूरो द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति में संवेदनशील रेलवे प्रतिष्ठानों के लिए संभावित आतंकवादी खतरों और भेद्यता आकलन और सुदृढ़ सुरक्षा प्रोटोकॉल की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, रेलवे परिसरों में बाल सुरक्षा के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें तस्करी और शोषण के जोखिम से बचाए जा रहे कमजोर बच्चों की समय पर पहचान और पुनर्वास के लिए तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया। सम्मेलन के समापन पर बोलते हुए, डीजी आरपीएफ श्री मनोज यादव ने टिप्पणी की, विशाल भारतीय रेलवे पर अपराध नियंत्रण किसी एक एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक सामूहिक मिशन है जिसके लिए तालमेल, समन्वय और साझा खुफिया जानकारी की आवश्यकता है। आज पूरे देश में जीआरपी और आरपीएफ नेतृत्व द्वारा दिखाया गया संकल्प रेलवे यात्रा को अधिक सुरक्षित और आपराधिक तत्वों के खतरे से मुक्त बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को आश्वस्त करता है। हम हर यात्री, हर बच्चे और हमारे रेलवे नेटवर्क के हर कोने को नुकसान से बचाने के अपने प्रयास में एकजुट हैं।₹ सम्मेलन में भारतीय रेलवे को अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता वाले क्षेत्र में बदलने तथा राष्ट्र की जीवन रेखा के रूप में इसकी स्थिति की रक्षा करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी बलों की संयुक्त प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

फतेहपुर की धरती से हम पार्टी ने फूंक दिया परिवर्तन का विगुल : मांझी

मंत्री संतोष मांझी ने कहा काम कर रहे है मोदी-नीतीश बड़ाई लूट रहा कोई दूसरा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी):

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने परिवारवाद पर जमकर बरसते हुए कहा कि बिहार की जनता सब जानती है। परिवारवाद कौन कर रहा है। इसका जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में जनता देगी। फतेहपुर की धरती से हम पार्टी ने परिवर्तन का विगुल फूंक दिया है। फतेहपुर की धरती हमारी कर्म भूमि है। यहां से मेरा गहरा लगाव है। आपकी तमाम समस्या को मैं निवारण जरूर करूंगा। इसके लिए हम हमेशा प्रयासरत हूं। उन्होंने फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू राम सहाय हाई स्कूल के खेल मैदान में रविवार को आयोजित परिवर्तन जनसभा को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

केंद्रीय मंत्री मांझी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में विपक्ष थेथरई का राजनीत कर रहा है। विकास का काम मोदी और नीतीश की सरकार कर रही है। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी और उनके सहयोगी विकास करने का बड़ाई लुटले चल रहे हैं। अब ये सब चलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि बोधगया विधानसभा में कई योजनाएं हैं जो अभी अधूरी है और जिसको मैं पूरा नहीं कर पाया था वह आज भी जस के तस है। कई योजनाएं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा घोषित है। क्षेत्र की सभी प्रमुख सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है और वैसे जगह जहां पर विकास की धारा नहीं पहुंची है वहां के लिए भी सतत प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल में घोषित पेंशन की राशि को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लागू कर पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 कर ऐतिहासिक कार्य किया है। फतेहपुर में बहुत जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा डिग्री कॉलेज की स्थापना भी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज जितने गरीब लोगों को सरकारी जमीन का परवाना मिला है उस पर दबंगों का कब्जा है जो बेहद गंभीर है। बिहार में अब जंगल राज को खत्म कर मंगल राज की स्थापना कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री ने परिवारवाद पर जमकर बरसे और बोले कि बिहार की जनता सब जानती है। परिवारवाद कौन कर रहा है। इसका जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में जनता देगी।

काम कर रहे है मोदी-नीतीश बड़ाई लूट रहा कोई दूसरा :-

बिहार के लघु सिंचाई मंत्री संतोष कुमार मांझी ने कहा कि जिस तरह से गरीबों के विकास व कल्याण के लिए काम किया जा रहा है यह एनडीए सरकार लिंडन है। यह सरकार जनता के विश्वास और भरोसा पर चल रही है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव विकास का काम कराने का घोषणा करले चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि फतेहपुर में 110 करोड़ का 84 सिंचाई की योजना चल रही है। इसे हमने स्वीकृति का आदेश देकर जल संचय और सिंचाई की सुविधा प्रदान किया है। लेकिन नाम वे ले रहे हैं। वे दूसरे के काम को अपना दिखाते चल रहे हैं। गाड़ी में शिलापट्ट लेकर घूम रहे हैं और जहां मौका मिला उसे गाड़ दे रहे हैं। लेकिन हमारी सरकार काम पर विश्वास करती है जुमलेबाजी पर नहीं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी वे कुछ बने भी नहीं है और जनता से कहते हैं कि दे देंगे। अब बोलते हैं कि हमने बोला था इसलिए नीतीश कुमार ने दिया है। जबकि देने का काम तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। कार्यक्रम समाप्त होने के उपरांत दोनों मंत्री फतेहपुर के अतिप्राचीन संडेश्वरनाथ धाम पहुंचे और भोलेनाथ पर मत्था टेका। इस बीच प्रखंड की जनता ने मूलभूत समस्या को लेकर उन्हें मांग पत्र सौंपा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ई नंदलाल मांझी और संचालन पार्टी के जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी व प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर पार्टी के अतिपिछड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर राधे श्याम, राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद प्रतिनिधि रोमित सिंह, शंकर मांझी, पूर्व जिलाध्यक्ष टूटू खान, कृष्णा सिंह, सुषमा दांगी, रूबी देवी, अंजू कुमारी कमलेश मांझी, नागेश, सुबोध सिंह, संतोष सागर आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मेगा ड्राइवः 533 बेटिकट यात्रियों से वसूला गया 2 लाख 53 हजार जुमार्ना

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी :गया जी जंक्शन पर मेगा ड्राइव के तहत टिकट चेकिंग सह जागरूकता अभियान चलाया गया। गया जी जंक्शन पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक चलाये गए अभियान में पकड़े गए 533 बेटिकट यात्रियों से करीब 2 लाख 53 हजार रुपये जुमार्ने की राशि की वसूल की गई। टिकट चेकिंग सह जागरूकता अभियान का नेतृत्व डीडीयू रेल मंडल के सीनियर डीसीएम राजीव रंजन ने किया। अभियान में सीआईटी आर आर सिन्हा, मुख्य टिकट पर्यवेक्षक रंजीत कुमार सहित टीटीई,टीसी व चेकिंग स्टाफ आदि शामिल थे।

दीवार बनाने को लेकर दो पड़ोसी आपस में भिड़े, मारपीट में दो घायल हुए

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

झरिया : झरिया थाना क्षेत्र के केसी गर्ल स्कूल के सामने दीवार निर्माण को लेकर दो पड़ोसियों में कहा सुनी होने के बाद देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से मारपीट होने लगी और मारपीट खूनी संघर्ष में बदल गया।दोनों तरफ से एक दूसरे ने हथौड़ों से वार कर घायल कर दिया।वहीं एक पक्ष के विक्की शर्मा ने बताया कि हमारा घर का दीवार गिर गया था उसकी रिपेयरिंग कर रहे थे, इसी क्रम में बगल के रहने वाले पिंटू शर्मा और राम जन्म शर्मा ने हम पर हथौड़े से हमला कर दिया, वहीं दूसरी ओर के राम जन्म शर्मा ने बताया कि विक्की शर्मा हमारे दीवार पर चढ़कर दीवार दे रहा था। मना करने पर उलझ गया और हम पर हथौड़े से हमला कर दिया। फिलहाल दोनों घायल झरिया थाना पहुंचे और झरिया थाना से दोनों पक्षों को नजदीकी चिकित्सालय भेजा गया है।जहां उन लोगों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।समाचार लिखे जाने तक पुलिस की कार्रवाई की जा रही है।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से किसान की मौत,एक घायल

अररिया,(एजेंसी) : अररिया में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 35 वर्षीय रमन कुमार यादव के रूप में हुई है।वहीं हादसे में 40 वर्षीय पंकज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे इलाज के लिए भरगामा पीएचसी के बाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना भरगामा थाना क्षेत्र के भटगामा चकला वार्ड नंबर 04 की है।

जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्ति खेत में भैंस चरा रहा था, तभी अचानक तेज बारिश होने लगी और इसी दौरान आकाशीय बिजली के गिरने से रमन कुमार यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बगल में ही खड़े पंकज चपेट में आने के कारण झुलसकर घायल हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलते ही भरगामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मृतक रमन कुमार यादव, नंददेव यादव के पुत्र थे। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। घायल पंकज कुमार राजेंद्र यादव का पुत्र है और उनका इलाज जारी है।

प्रशासन ने लोगों से बिजली गिरने के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में लोगों को खुले मैदान, पेड़ के नीचे या जल स्त्रोतों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है।

कुख्यात शराब तस्कर राजीव साह का पुत्र सुजीत कुमार अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

पूर्णिया, (एजेंसी) : भवानीपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर कुख्यात शराब तस्कर राजीव साह के पुत्र सुजीत कुमार को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। सुजीत अपने पिता के साथ मिलकर लंबे समय से अवैध शराब कारोबार में संलिप्त था।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सोनदीप पंचायत के धत्ताटोला स्थित राजीव साह के घर में अवैध शराब भंडारण की सूचना मिलने पर अवर निरीक्षक विकास कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देख दो लोग भागने लगे, जिनमें से एक झ राजीव साह का पुत्र सुजीत कुमार झ को पकड़ लिया गया।गिरफ्तारी के बाद जब घर की तलाशी ली गई, तो विभिन्न ब्रांडों की भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। सुजीत कुमार के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पूर्व में भी भवानीपुर थाना पुलिस ने सुजीत कुमार और उसके भाई अजीत कुमार के घर से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की थी।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाया जाना वक्त

बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाई जाने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी :बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में इजाफा किए जाने के राज्य सरकार के फैसले का केंद्रीय मंत्री जीतम राम मांझी ने स्वागत किया है। उन्होंने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में वृद्धि किया जाना वक्त की मांग थी। सरकार ने महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को समझते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि उन्होंने खुद कई बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि बढ़ाए जाने की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री जी ने इस संबंध में उपयुक्त कदम उठाने का भरोसा भी दिया था। अब उनके नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने बिहार में महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के हित में जो कदम उठाया है उससे राज्य के एक करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को सीधे तौर पर राहत मिलेगी। एनडीए सरकार के इस कदम ने यह साबित कर दिया है कि सामाजिक तौर पर पिछड़े और कमजोर तबके को आर्थिक तौर पर सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जब वे बिहार के मुख्यमंत्री थे तब उनकी नेतृत्व वाली सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली 200 रुपए प्रतिमाह की राशि को बढ़ाकर 400 रुपए किया था और अब लंबा वक्त निकलने के बाद इसमें वृद्धि दरकार थी जिसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की सरकार में पूरा किया है।

जल जमाव वाले गांव की समस्याओं का जल्द किया जायेगा समाधान :डॉ प्रेम

बारिश के बाद पानी निकासी की समस्या के कारण गांवों में जल जमाव से बढ़ी समस्या से मंत्री हुए अवगत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी):

गया जी जिले के बोधगया विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा से कई गांवों में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। इन समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाएगा। इस सम्बंध में गया जी के डीएम को अवगत कराते हुए समस्याओं का समाधान कराने पर जोर दिया गया है। बोधगया विधानसभा स्थित जलजमाव से ग्रसित बतसपुर व आसपास के गांव सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने भ्रमण किया और स्थिति का जायजा लेते हुए समस्या से अवगत हुए।

मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि गया जी बोधगया विधानसभा के में भारी बारिश के कारण बतसपुर छाछ एवं घोघड़ीया गांव में बाढ़ जैसी समस्या उत्पन्न हो गई है। बतसपुर मुख्य पथ टूट जाने की भी सूचना मिली। भाजपा कार्यकताओं के साथ स्थल पर पहुंचकर बतसपुर गांव के ग्रामीण बंधुओं के समस्याओं को सुना।साथ ही डीएम से मोबाइल बात कर जल जमाव की समस्याओं के निदान के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा। बतसपुर छाछ मुख्य मार्ग जो टूटा हुआ है उसको त्वरित मरम्मतीकरण के लिए ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी से बात की गई। मुख्य मार्ग को जल्द बनाने के लिए दिशा निर्देश दिया है।

नेपाल में मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे बिहार के वाल्मीकि नगर

पश्चिम चम्पारण(हि.स.),(एजेंसी) : भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकि नगर के वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष में कराए गए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास के कार्यों से प्रभावित होकर उसके अवलोकन के लिए अपने काफिले के साथ नेपाल देश के मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश सिंह दो दिवसीय दौरे पर वाल्मीक नगर पहुंचे।

रविवार को मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री ने नरदेवी मंदिर, जटाशंकर मंदिर तथा महाकालेश्वर मंदिर का दर्शन करते हुए वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। नेपाल के चितवन जिला के घनघोर जंगल में स्थित लव कुश के जन्मस्थली को देख मुख्यमंत्री भाव विभोर हो गए। जनकपुर की दुलारी के द्वारा घनघोर जंगल में बिताया हुआ त्रेता युग के ऐतिहासिक निशानियों को उन्होंने अवलोकन किया तथा इसे अपने कैमरे मे सहेजा। मुख्यमंत्री लव कुश के जन्मस्थली तथा महर्षि वाल्मीकि के तपोस्थली के दुर्दशा को देख थोड़ा दुखी भी हुए और वाल्मीकि आश्रम के विकास को लेकर उन्होंने वन विभाग के वाल्मीकि होटल में वाल्मीकि नगर के सांसद सुनील कुमार से चर्चा कर इसे रामायण सर्किट से जोड़ने की बात को रखा।

वाल्मीकि नगर सांसद ने भी उनकी बात पर मोहर लगाते हुए इस पर पहल करने का आश्वासन दिया। मधेश के मुख्यमंत्री का वाल्मीकि नगर वीटीआर के भ्रमण; की सूचना परसा जिला के जनमत पार्टी के अध्यक्ष के द्वारा बिहार के वन तथा पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार को दिया गया था। वन मंत्री ने इसकी जानकारी वाल्मीकि नगर वीटीआर के वन संरक्षक को कराया। वन विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री के ठहरने का व्यवस्था वन विभाग के वाल्मीकि होटल में कराया गया है।

मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बताया की भारत-नेपाल का संबंध बेटी रोटी का है। दोनों देश ऐसा है, की जहां आने जाने के लिए न तो वीजा चाहिए और न ही पासपोर्ट, जैसे लोग अपने घर में आते जाते है वैसे ही दोनों देश के नागरिक एक दूसरे के यहां आते जाते है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा यूं तो पूरे बिहार में ही विकाश का कार्य किया गया है, लेकिन वाल्मीकि नगर वी टी आर के अंतर्गत किए गए विकास के कार्य की चर्चा को सुनकर उन्होंने वाल्मीकि वी टी आर के अवलोकन करने तथा यहां हुए विकास के कार्य को अपने प्रदेश में भी कराने के मकसद सेप वाल्मीकि नगर पहुंचे है। उन्होंने कहा कि नेपाल के किसानों की शिकायत है की उन्हें कम पानी उपलब्ध हो रहा है। इसलिए जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से मिलकर इसकी जानकारी लेंगे। वाल्मीक नगर की प्राकृतिक सुंदरता बहुत ही खूबसूरत है।

रोड कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नया अध्याय लिखेगा कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल :नितिन नवीन

23 जून को मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण

पटना, (एजेंसी) :बिहार सरकार में भाजपा कोटे से पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने रविवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन परियोजना के प्रथम चरण में एनएच-31 से राघोपुर को जोड़ने वाली पुल का लोकार्पण करेंगे।

पाथ निर्माण मंत्री नवीन ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से सहमति मिल गई है। नवीन ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राघोपुर दियारा के निवासियों के लिए 23 जून का दिन एक ऐतिहासिक दिन होगा। राघोपुर की जनता जो कई दशकों से पटना शहर में होकर भी पटना से दूर थी अब मात्र 5 मिनट में पटना शहर राघोपुर से इस पुल के माध्यम से आ जा सकेगी।

नवीन ने कहा कि मुख्यमंत्री सोमवार को इस परियोजना के पहले चरणझ एनएच-31 पर कच्ची दरगाह से राघोपुर तक के हिस्से का उद्घाटन करेंगे। यह हिस्सा पूर्ण रूप से बनकर तैयार है, जबकि राघोपुर से बिदुपुर तक का शेष कार्य अंतिम चरण में है जिसे अगले 3 माह में जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

नितिन नवीन ने कहा कि उद्घाटन के साथ ही कच्ची दरगाह से राघोपुर तक यातायात की शुरूआत हो जाएगी। इसके अलावा राघोपुर की मुख्य सड़क (पंसरिया चौक) को कनेक्टिविटी देने के लिए 17 करोड़ की राशि से संपर्क पथ का निर्माण भी जल्द ही किया जाएगा।

इस संबंध में मंत्री नवीन ने कहा कि यह पहला स्थायी पुल होगा जो राघोपुर को राजधानी पटना से जोड़ेगा। स्थानीय लोगों को मानसून से पहले बनाए जाने वाले पीपा पुल या नावों पर अब निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। हर साल बारिश में जब पीपा पुल हटा दिया जाता था, तब यह इलाका शेष राज्य से पूरी तरह कट जाता था। लेकिन अब इस पुल के शुरू होने से सालभर निर्बाध आवागमन संभव हो पाएगा।

तीन हजार करोड़ का लिया गया ऋण मंत्री ने बताया कि 19 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 9.76 किलोमीटर का हिस्सा गंगा नदी पर बना एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे ब्रिज है। इसकी चौड़ाई 32 मीटर है और इसे 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के अनुरूप डिजाइन किया गया है। पुल निर्माण में एशियन डेवलपमेंट बैंक से 3,000 करोड़ रुपये के ऋण तथा राज्य सरकार द्वारा लगभग 2000 करोड़ का व्यय किया जा रहा है।

नवीन ने कहा कि इस पुल के चालू होने से न सिर्फ महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि बिदुपुर, राघोपुर और पटना के बीच सुव्यवस्थित और तेज सड़क कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक राज्य के किसी भी कोने से राजधानी पटना को सिर्फ साढ़े तीन घंटे में जोड़ने का है, जिसमें यह पुल एक प्रमुख भूमिका निभाएगा।

पृष्ठ एक का शेष...

मार्च 2026 तक नक्सलवादमुक्त होगा देश....

और सूचना एजेंसियों ने सटीक रणनीति बनाई है, उसके आधार पर हम इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। हर वर्ष बारिश के मौसम में आराम करने वाले नक्सली इस बरसात में चैन की नींद नहीं सो पाएंगे क्योंकि हमारे सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी रहेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद के रास्ते पर भटक कर गए सभी युवाओं से हथियार डालकर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने की अपील की। युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें विकास यात्रा में जुड़ने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। कहा कि हिंसा के रास्ते पर चल रहे युवा सरकार पर भरोसा करें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। इस तरह वे अपने आप देश की विकास यात्रा के साथ जुड़ जाएंगे। कहा कि सरकार ने सरेंडर करने वाले नक्सलियों से जो वायदा किया है, उसे पूरा किया जाएगा और उससे अधिक सहायता करने का प्रयास भी किया जाएगा।

शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला....

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि अगली बार जब वे यहां आएंगे, तो बच्चों के साथ भोजन करेंगे।

राज्यपाल ने विकास भारती बिशुनपुर की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

आजसू पार्टी ने स्थापना दिवस बलिदान....

इसके लिए एक और लड़ाई छेड़ने की आवश्यकता है।

राज्य के 264 प्रखंडों से कार्यकर्ता आए

समारोह में झारखंड के 24 जिलों एवं 264 प्रखंडों से कार्यकर्ता भाग लेने पहुंचें। सभी जिलों तथा प्रखंडों में व्यापक तैयारी की गई थी।

बंगाल ओडिशा से भी आए कार्यकर्ता

समारोह में बंगाल के मेदिनीपुर, पुरुलिया और ओडिशा के कई इलाकों रायरंगपुर, बारीपाडा आदि से भी कार्यकर्ता पहुंचे।

शहीदों एवं महापुरुषों के चित्र लगे

समारोह स्थल टाना भगत इनडोर स्टेडियम के भीतर शहीदों और महापुरुषों के चित्र लगाए गए थे।

झंडा बैनर से सजी राजधानी

समारोह की तैयारी को लेकर रांची महानगर के कार्यकताओं ने पूरे शहर तथा खेलगांव को पार्टी के झंडा और बैनर से सजाया तथा वरिष्ठ नेताओं के कट आउट चौराहों पर लगाए। समारोह स्थल पर भी नेताओं के कट आउट लगाए गए थे।

महानगर में निकला

मोटरसाइकिल जुलूस विभिन्न मोहल्लों से महानगर कार्यकर्ता मोटरसाइकिल जुलूस की शक्ल में खेलगांव स्थित समारोह स्थल पहुंचे।

स्टेडियम में हो रहा था रक्तदान

समारोह स्थल पर ही रक्तदान शिविर लगाया गया था, जिसमें दर्जनों कार्यकताओं ने रक्तदान किया।

संक्षिप्त खबर

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : भारत सेवा श्रम संघ शाखा के पाथरा स्थित आवासीय विद्यालय में 19 वाँ जैक बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रविंद्र सोरेन 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है ।भारत सेवाश्रम संघ,के प्रणवानंद विद्या मंदिर पाथरा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अथितियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर-के की गई, संघ के सचिव स्वामी नित्यव्रतानंद ने आगत अतिथियों स्वागत व विद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराए। कार्यक्रम में स्वामी प्रज्ञानंद ने सम्बोधित करते हुए कहा की आप खूब मेहनत करें और सर्वोच्च अंक हासिल कर सफलता पाएँ । समारोह में स्वामी प्रज्ञानंद, चंदन साहा, शोभा साहा ,अरुणाव दे, अरुण कुमार दासगुप्त ,दोलन दासगुप्त ,राघवेंद्र मिश्र , अध्यापक अभिनंदन मुर्मू ,जयदेव दे ,चैतन कारोवा , बोध बोदरा , गोबिन्द यादव ,अरिजीत प्रामाणिक ,प्रणव भकत सुनाराम मुर्मू ,प्रशांत मुर्मू कानु टुडू उपस्थित थे ।

विधिक सेवा प्राधिकार ने किया शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार का कार्यक्रम बिंदापाथर पंचायत के पुतुलजोर,बिंदापाथर,प्रजा पटिया कोल पारा में किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा का कानूनी जानकारी दी गई तथा नशा मुक्त समाज बनाने की भी जानकारी दी। सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। एकल व्यक्ति को सरकार से मदद का प्रावधान है। इसकी जानकारी दी साथ ही सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित पीएलवी रोहित मिर्धा ,पीएलवी आनंद कुमार महतो ,पीएलवी मौसमी मुर्मू एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस पर खिलाड़ियों को किया जाएगा सम्मानित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के उपलक्ष्य पर जामताड़ा जिला ओलंपिक संघ के द्वारा 23 जून अंतरास्ट्रीय ओलिंपिक दिवस में जिला के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। जिले में करीब 19 खेल संघ के खिलाड़ी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे साथ ही जिला में बेहतर कार्य करने वाले सचिव को भी सम्मानित किया जाएगा।डॉ. डीडी भंडारी ने कहा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस हर साल 23 जून को मनाया जाता है। यह दिन खेल, स्वास्थ्य और एकजुटता का जश्न मनाने का दिन है। जिला में भव्य रूप से इस दिवस का आयोजन किया जाएगा। मौके पर नंदन सिंह, सरोज यादव, सूरज पासवान, भास्कर चंद , साहिब मंडल , सुमित ओझा, विष्णु सेन इत्यादि उपस्थित थे।

निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध मानव श्रृंखला बनाकर चलाया जागरूकता अभियान

हनुमान मंदिर से जोधाडीह मोड़ तक महिलाओं ने बनाया मानव श्रृंखला

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान के तहत रविवार को चास नगर निगम क्षेत्र में मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अभियान में महिला स्वयं सहायता समूह की लगभग 70 से 80 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हनुमान मंदिर से जोधाडीह मोड़ तक महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर हाथों में मादक पदार्थों के खिलाफ संदेश लिखी तख्तियां थामीं और मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने की शपथ ली। इस दौरान महिलाओं ने स्वयं एवं अपने परिवार को मादक पदार्थों से दूर रखने का संकल्प लिया और आम नागरिकों को भी इस दिशा में जागरूक करने का प्रण लिया। इस कार्यक्रम में नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक, सी.आर.पी. दीदी, पीआईयू एवं चास नगर निगम के अन्य पदाधिकारी व कर्मी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। यह जागरूकता कार्यक्रम चास नगर निगम की ओर से मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रोटरी बोकारो का वोकेशनल एक्सीलेंस अवाड्र्स समारोह सम्पन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा पॉल हैरिस सभागार, रोटरी परिसर में एक प्रेरणादायी, भावनाप्रवण और गरिमामय आयोजन वोकेशनल एक्सीलेंस अवाड्र्स का आयोजन किया गया। इस आयोजन में समाज के उन कर्मयोगियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने इस रोटरी वर्ष 2024-25 में क्लब के विविध जनकल्याणकारी प्रकल्पों को सफल बनाने हेतु अपने श्रम, समय एवं सेवा का निःस्वार्थ समर्पण किया। यह कार्यक्रम न केवल सेवा की भावना को सम्मान देने का एक प्रयास था, बल्कि समाज में निस्वार्थ कार्य करने वाले व्यक्तियों को सार्वजनिक मंच पर प्रोत्साहन प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रजनीश कुमार, बोकारो वन प्रमंडल पदाधिकारी थे। उन्होंने स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर लोगों को सम्मानित किया। मंच संचालन रोटेरियन मन्नू श्रीवास्तव ने किया। वहीं, मेजबानी की भूमिका क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अशोक तनेजा ने अत्यंत आत्मीयता एवं गरिमा के साथ निभाई। सेवा और रोटरी मूल्यों के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणास्त्रोत रहा है, और उनकी पहल पर आयोजित यह संध्या क्लब के लिए एक स्मरणीय आयोजन बन गई। इस अवसर पर 37 विशिष्ट स्वास्थ्यकर्मियों – जिनमें चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी सम्मिलित थे – को क्लब की ओर से प्रशंसा-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। ये वे व्यक्ति हैं जो किसी प्रचार या पुरस्कार की अपेक्षा किए बिना, मानवता और सेवाभाव के साथ समाज को बेहतर बनाने के प्रयासों में संलग्न हैं और रोटरी के सेवा प्रकल्पों में पूर्ण सहभागिता निभा रहे हैं। कार्यक्रम में बोकारो के अनेक गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ रोटेरियन, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधिगण एवं क्लब के लगभग सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा में चार चांद लगा दिए। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण संबोधन में कहा कि यह न केवल क्लब का उत्तरदायित्व, बल्कि गौरव का विषय है कि हमें ऐसे कर्मठ और समर्पित सेवाभावियों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ है, जिनकी सेवा रोटरी के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विशेष रूप से रोटेरियन अशोक तनेजा के प्रति कृतज्ञता प्रकट की, जिनके अथक प्रयास, सहयोग एवं प्रेरणा से यह आयोजन संभव हो सका। यह संपूर्ण आयोजन सेवा ही सर्वोपरि की रोटरी भावना का सजीव उदाहरण बनकर उपस्थित जनों के हृदय में सेवा, सम्मान एवं सद्भाव की अमिट छाप छोड़ गया।

आरपीएफ ने रोका धरनार्थियों को, जबरदस्ती जमीन पर बैठे, कोयला डंपिग यार्ड हटाने की मांग की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिंग यार्ड को हटाने की मांग को लेकर विगत पांच वर्षों से शांति पूर्वक आंदोलन कर रहे रसिकपुर और आसपास के ग्रामीणों द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा था लेकिन रविवार को धरना देने के सवाल पर आरपीएफ और धरनार्थियों के बीच जबरदस्त विवाद उत्पन्न हो गया एक ओर जहां आरपीएफ के इंचार्ज मनोज कुजूर धरनार्थियों से स्टेशन परिसर पर धरना देने से मना कर रहे थे वहीं दूसरी ओर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रवि शंकर मंडल ने नारा लगाते हुए जमीन पर बैठकर ही धरना देने लगे इस सवाल को लेकर धरनार्थी और आंदोलनकारियों के बीच जबरदस्त कहानी हो गई। यह बताते चलें कि जब से दुमका रेलवे स्टेशन पर कोयला डंपिंग यार्ड बनाया गया है आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया जिसको लेकर ग्रामीण लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं अभी तक सब ठीक-ठाक चल रहा था लेकिन अचानक आरपीएफ कर्मी धरनार्थियों से स्टेशन परिसर पर धरना देने से मना कर रहे थे इसी को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया नौबत यहां तक आ गई की जब धरनार्थी तीरपाल बिचछाने लगे तो आरपीएफ कर्मी जबरदस्ती उसे हटाने लगे इससे नाराज होकर सभी ग्रामीण नारेबाजी करते हुए जमीन पर ही बैठ गए। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब प्रदुषण रेलवे स्टेशन से फैल रहा है तो धरना हम कहां देंगे। आप प्रदुषण रोक देंगे तो हम भी धरना प्रदर्शन रोक देंगे। धरना प्रदर्शन करने के सवाल पर आरपीएफ इंचार्ज और स्टेशन प्रबंधक के बीच तालमेल का अभाव दिखा। जहां आरपीएफ इंचार्ज मनोज कुजूर ने कहा कि अगर धरना प्रदर्शन करना है तो रेलवे स्टेशन परिसर से बाहर निकल कर कीजिए उन्होंने स्टेशन प्रबंधक से भी बातचीत नहीं किया दूसरी ओर स्टेशन प्रबंधक टीपी यादव इस मामले को लेकर नरम रूख अख्तियार कर धरनार्थियों को समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के साथ मुन्नी हांसदा रैयतों के साथ आंदोलन के रूप रेखा तैयार करने में व्यस्त दिखी।

रैयतों ने कहा कि चन्द दलाल किस्म के शिक्षित ग्रामीण डब्ल्यू बी पी डी सी एल और बीजीआर कंपनी से मिलकर ग्रामीणों के साथ अन्याय कर रहे हैं इसका गंभीर परिणाम सरकार को भुगतना पड़ सकता है। उपस्थित रहे। रविशंकर मंडल, हेमंत श्रीवास्तव ,संजय मंडल, गोवर्धन मंडल, विमल मरांडी, मुन्नी हंसदा,म विष्णु यादव, अभय गुप्ता, मनोज पंडित ,एन एन पंडित ,डिस्को मंडल ,लालटू दे ,अमन सिंह मनोज हंसदा,लक्ष्मण सिंह मेलर गौतम कापरी,ध्रुव मंडल,भास्कर मंडल,भीम शर्मा,सुनील कापरी ,जिमी यादव, आशीष नायक, राजा मंडल, मानस सिंह मेलर,अर्जुन कापरी, ऋषि शर्मा, शत्रुघ्न कापरी, शैलेश कापरी, विजय सिंह, अरविंद शर्मा, लालटूस शर्मा ,अरविंद शर्मा, राजीव शर्मा, लखन शर्मा,टिंकू, शर्मा, महेश मरांडी,महेश शर्मा,श्याम टुडू,रिंकू यादव,मनोज गुप्ता,मिक्कू यादव,सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

पार्टी की स्वतंत्र शक्ति बढाओ सांप्रदायिक कार्पोरेट एजेंडा को परास्त करो : प्रकाश विप्लव

देशव्यापी हड़ताल को झारखंड में सफल बनाने की अपील

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : देश में सीपीएम ही एकमात्र राजनीतिक दल है जहां आंतरिक लोकतंत्र को पूरी तरह लागू किया जाता है। सीपीएम में नेता उपर से नहीं थोपे जाते बल्कि नीचे से चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा हर स्तर की कमिटी चुनी जाती है जो अपनी कमिटियों के सचिवों का निर्वाचन करते हैं। पार्टी प्रत्येक तीन वर्ष पर आयोजित होने वाले अपने अखिल भारतीय महाधिवेशन से तीन महीने पहले ही केंद्रीय कमिटी द्वारा स्वीकृत राजनीतिक प्रस्ताव का मसौदा जारी करती है जिसपर पार्टी के हर स्तर की कमिटियों में चर्चा कर संशोधन व सुझाव भेजे जाते हैं। इस मसौदे पर केवल पार्टी सदस्य ही नहीं कोई भी आम नागरिक अपने संशोधन या सुझाव भेज सकता है. इस बार राजनीतिक प्रस्ताव पर पूरे देश ही नहीं विदेशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों द्वारा लगभग 4 हजार से ज्यादा संशोधन और सुझाव भेजे गए जिनमें से कई संशोधन स्वीकार कर पार्टी महाधिवेशन ने राजनीतिक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। अब इस राजनीतिक - सांगठनिक प्रस्ताव के आलोक में पार्टी संघर्ष और आंदोलन का कार्यभार तय करेगी।

जामताड़ा जिले के पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कही. शिक्षण शिविर के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए डा. काशीनाथ चटर्जी ने बताया कि कम्युनिस्ट पार्टी दूसरी पार्टियों से अलग है जिसका मुख्य उद्देश्य है जनता की जनवादी क्रांति को कार्यरुप देना ताकि देश में सामाजिक - आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के माध्यम से मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण समाप्त किया जा सके। कम्युनिस्ट एक ऐसे समाज की परिकल्पना करते हैं जिसमें भूख, गरीबी, बेरोजगारी नहीं होगी और सभी के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की गारंटी होगी। यह समाजवादी व्यवस्था में ही संभव है जिसके लिए कम्युनिस्ट पार्टी सतत प्रयत्नशील है। प्रशिक्षण शिविर में दुमका जिले के सभी प्रखंडों से आए 131 कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रानी सोरेन और अखिलेश झा ने की मौके पर राज्य सचिवमंडल सदस्य एहतेशाम अहमद , जिला सचिव सुभाष हेम्ब्रम, सनातन देहरी, आदिवासी अधिकार मंच के देवी सिंह पहाड़िया, पीटर हेम्ब्रम समेत जिला कमिटी के अन्य साथी मौजूद थे।

प्रशिक्षण शिविर के बाद जिला कमिटी की बैठक कर दुमका जिला के जनमुद्दों को चिन्हित किया गया। जिसमें विस्थापन व कोयला परिवहन से हो रहे प्रदूषण के खिलाफ वर्षा के बाद प्रभावी आंदोलन की कार्ययोजना योजना बनाए जाने के लिए दुमका और पाकुड़ जिला कमिटी की संयुक्त बैठक करने का निर्णय लिया गया कि पार्टी द्वारा 30 जुन को संताल हूल की 169 वीं वर्षगांठ बड़े पैमाने पर मनाए जाने का फैसला लिया गया।

डीसी के निर्देश पर गरगा पुल के समीप चला विशेष सफाई अभियान

नगर निगम चास प्रशासन द्वारा सड़क एवं नालियों की भी हुई सफाई

बीएसएल टाउनशीप क्षेत्र में भी नगर प्रशासन ने चलाया सफाई अभियान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : डीसी अजय नाथ झा के निदेर्शानुसार नगर निगम चास द्वारा शनिवार को चीरा चास पांडेय पुल स्थित गरगा पुल किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस सफाई अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखना एवं नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करना रहा। नगर निगम चास के स्वच्छता दल द्वारा गरगा पुल किनारे जमा कूड़े-कचरे को साफ किया गया। साथ ही, वहां की नालियों में जमे कचरे एवं गाद की सफाई भी की गई, ताकि बरसात के मौसम में जल जमाव जैसी समस्याएं उत्पन्न नहीं हों।

स्वच्छता के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध,नागरिक करें सहयोग

डीसी ने कहा कि साफ-सफाई हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और बोकारो जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नगर निगम चास द्वारा शहरी क्षेत्र में नियमित सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें एवं सफाई कर्मचारियों के कार्य में सहयोग करें, ताकि बोकारो शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखा जा सके।

बीएसएल टाउनशिप में भी चला अभियान

उपायुक्त के निर्देश पर बीएसएल नगर सेवा प्रशासन द्वारा भी टाउनशिप क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विभिन्न सेक्टरों के नालियों की सफाई, कूड़ाझ कचड़ा का उठाव एवं सड़क किनारे झाड़ियों की साफ झ सफाई की गई है। आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

मिहिजाम की तरक्की को मिली नई उड़ान, हाईटेक सिटी बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

डॉ. इरफान अंसारी ने शिलान्यास कर मिहिजाम वासियों को दिया बड़ा तोहफा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के द्वारा मिहिजाम को हाईटेक सिटी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा राज्य योजना फंड से मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र में दो अति महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का भव्य शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मिहिजाम नगर परिषद के तत्वावधान में अमोई स्कूल के निकट हुआ, जहां भारी संख्या में जनता, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने इसे एक जनउत्सव का रूप दे दिया। इस अवसर पर मंत्री ने 4.70 करोड़ की लागत से बनने वाले फेबर ब्लॉक इंस्टॉलेशन एवं सोलर स्ट्रीट लाइट परियोजना का विधिवत शिलान्यास कर नगर को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष दाऊद अंसारी, पूर्व चेयरमैन कमल गुप्ता, झामुमो जिला उपाध्यक्ष कैलाश शाव, कांग्रेस नगर अध्यक्ष अरुण दास, पूर्व उपाध्यक्ष शांति देवी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा जिला इकाई द्वारा संगठनात्मक बैठक का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : भाजपा जिला इकाई द्वारा संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित थे साथ में राज्य के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं दुमका जिला चुनाव अधिकारी प्रकाश सेठ मौजूद रहे । बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की। मौके पर जिला एवं मंडल पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सक्रिय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आगामी संगठनात्मक

कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठन विस्तार की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। भाजपा जिला के प्रत्येक प्रखंड मुख्यालय में आक्रोश प्रदर्शन करेगी, राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ जनभावनाओं को मुखर किया जा सके। मरांडी ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, और हर कार्यकर्ता को जनसेवा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और विपक्ष के झूठे प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने का भी आह्वान किया। बैठक में मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू, प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परितोष सोरेन,सुरेश मुर्मू,अंजुला मुर्मू,अमिता रक्षित,शर्मिला सोरेन, अमरेंद्र सिंह,महामंत्री मनोज पांडे,पवन केसरी,जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद सिंह बिट्ठू,बबलू मंडल,पिंटू साह,मार्शल ऋषिराज टुडू, विवेकानंद राय,जिला मंत्री कालेश्वर लायक,जीतलाल राय,सोनी हेंब्रम, पिंटू अग्रवाल,गोपीनाथ दत्ता,सुजीत यदुवंशी,दीप्तांशु कोचगवे,रूपेश मंडल,ममता साह,श्रीधर दास,फारुख अनवर,रमेश मुर्मू,मृणाल मिश्रा,ओम केसरी,गायत्री जायसवाल,प्रवीण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीजीपीएस बोकारो ने शास्त्रीय भव्यता और पूर्व छात्रों की भागीदारी के साथ मनाया विश्व संगीत दिवस

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य केवल मनोरंजन के लिए नहीं हैं - वे आत्मा को ऊपर उठाने और उच्च चेतना को जगाने के पवित्र मार्ग हैं। इसी भावना के साथ गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5, बोकारो में विश्व संगीत दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय सुमधुर, सद्भाव की लय और सांस्कृतिक समृद्धि की भावना से गूंज उठा। युवा पीढ़ी में भारतीय संगीत के शाश्वत खजाने के बारे में जागरूकता और प्रशंसा पैदा करने के लिए इस समारोह का आयोजन अत्यधिक उत्साह और

संगीतमय उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 2022 बैच के स्कूल के पूर्व छात्रों - बी.टेक द्वितीय वर्ष के छात्र मंजीत कुमार और वर्तमान में कंप्यूटर साइंस में बी.टेक कर रहे हर्ष कुमार का प्रदर्शन था। दोनों ने अपनी असाधारण संगीत प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देवोम चक्रवर्ती के साथ मनजीत कुमार ने मोहन वीणा पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जबकि हर्ष कुमार ने भारतीय शास्त्रीय परंपरा में प्रतिष्ठित राग दरबारी के गहन स्वरों को गाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध

कर दिया। संपूर्ण प्रस्तुति जीजीपीएस बोकारो के संगीत शिक्षक संजीव मजूमदार के कलात्मक मार्गदर्शन में तैयार की गई थी। चंदनकियारी के छऊ केंद्र में पिछले दिनों आयोजित संगीत नाटक अकादमी कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को उनकी कलात्मक यात्रा के सम्मान में उनके सराहनीय प्रयासों और प्रदर्शन कलाओं के प्रति समर्पण के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस कार्यक्रम में जीजीपीएस बोकारो के प्राचार्य सौमेन चक्रवर्ती की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में, पूर्ण विकसित व्यक्तित्व के निर्माण में संगीत और सह-पाठयक्रम गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि दोनों ही समग्र विकास और भविष्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। स्कूल प्रबंध समिति के सम्मानित दिग्गजों - जीजीईएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह और जीजीईएस के सचिव एस.पी. सिंह ने इस तरह के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए भाग लेने वाले छात्रों, पूर्व छात्रों और उनके संरक्षक को अपनी सराहना व्यक्त की।

संपादकीय

एक और चेरनोबिल की आशंका

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान परमाणु हमले की नौबत नहीं आएगी। अमरीका ईरान के भूमिगत परमाणु कार्यक्रम पर इतना घातक हमला नहीं करेगा, जिससे परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो जाए और पर्यावरण में विकिरण फैल जाए। यदि ऐसा होता है, तो एक और चेरनोबिल दुर्घटना दुनिया को देखनी पड़ सकती है। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों का विध्वंस और करीब 2.2 लाख मौतों का इतिहास दुनिया को आज भी याद है। अमरीका ने अगस्त, 1945 में जापान के शहरों पर सबसे पहले एटम बम फेंके थे, जिनके नकारात्मक प्रभाव पीढ़ी-दर-पीढ़ी देखे गए। उस जनसंहारक हमले के 80 साल पूरे होने को हैं। मौजूदा इजरायल-ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका क्या होगी, यह बिल्कुल अस्पष्ट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ह्नअंतिम सेकंड में फैसला लेनेह्ल की बात कही है। वह अपने बयान बदलते रहे हैं। वह अहंकार की मुद्रा में हैं कि कोई नहीं जानता कि उनका फैसला क्या होगा? वैसे रूस और चीन के राष्ट्रपतियों ने आपस में फोनिक बातचीत करने के बाद अमरीका को चेतावनी दी है कि वह इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से न घुसे। इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। यह चर्चा लगातार जारी है कि अमरीका अपने विशेष ह्नबंकरफोड़ बमह्ल का इस्तेमाल कर ईरान के भूमिगत ह्नफोर्डूह्ल परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर सकता है। ऐसे बम और विमान सिर्फ अमरीका के पास ही हैं।

यह परमाणु कार्यक्रम जमीन के अंदर 90 मीटर की गहराई में चलाया जा रहा है। अमरीकी विशेष बम भी 60-62 मीटर की गहराई तक बंकर को तोड़ सकता है। हालांकि इजरायल ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों-नतांज, इस्फहान और फोर्डू-पर हवाई हमले किए हैं। उनमें से नतांज पर काफी नुकसान हुआ है, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को तबाह नहीं किया जा सका है। ह्नचेरनोबिलह्ल की स्थिति तब पैदा होगी, जब परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह कर दिए जाएंगे। ह्नचेरनोबिलह्ल परमाणु दुर्घटनाओं के इतिहास की सबसे अधिक घातक और खौफनाक दुर्घटना थी। यह सोवियत संघ के दौर में यूक्रेन के एक शहर में 26 अप्रैल, 1986 को हुई। उससे पैदा विकिरण से मुक्त करने और हादसे को अधिक बिगडऩे से रोकने में तत्कालीन 1.8 करोड़ सोवियत रूबल (करीब 5 खरब भारतीय रुपए) खर्च करने पड़े थे। हालांकि दुर्घटना से तुरंत 100 मौतें हुई थीं, लेकिन उसके प्रभाव जारी रहे, लिहाजा मौतों और बीमारियों को गिना नहीं जा सका। हिरोशिमा और नागासाकी के एटमी हमले ने पूरी दुनिया को सचेत कर दिया था, लिहाजा 1970 में ह्नपरमाणु अप्रसार संधिह्ल (एनपीटी) पर अधिकतर प्रमुख देश सहमत हुए थे। ईरान सबसे पहले हस्ताक्षर करने वाले देशों में था, लेकिन इजरायल ने आज तक संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शायद परमाणु हमले का खौफ और विध्वंस दुनिया देख चुकी थी, नतीजतन आज तक 9 देश ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। यह विश्लेषण इसलिए करना जरूरी समझा गया, क्योंकि इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को बिल्कुल ही नेस्तनाबूद करना चाहता है और अमरीका उसके पीछे खड़ा है। विश्व शांति या परमाणु अप्रसार अमरीका या इजरायल की बपौती या ठेकेदारी नहीं है। बेशक परमाणु हथियार खत्म करना, कम करना और भविष्य में बनने न देना एक अपरिहार्य शर्त हो सकती है, लेकिन क्या इजरायल और पाकिस्तान सरीखे देशों पर यह शर्त लागू नहीं होती? पर्यावरण खतरों के मद्देनजर परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग, स्वच्छ बिजली के लिए, दुनिया भर में होना लाजिमी है। भारत में भी परमाणु ऊर्जा के 22 रिएक्टर सक्रिय हैं और रूस के सौजन्य से निमार्णाधीन भी हैं। हम परमाणु शक्ति संपन्न देश भी हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों से बंधे हैं। ताकतवर देश मनमर्जी से किसी भी देश के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को इस आधार पर ध्वस्त नहीं कर सकते कि वह परमाणु बम बना रहा है और दुनिया के अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है। फिर तो स्वच्छ बिजली के लिए परमाणु ऊर्जा प्लांट लगेंगे ही नहीं और अंततः पर्यावरण का लक्ष्य बाधित होगा। अमरीका ने 1991 के ह्नखाड़ी युद्धह्ल के दौरान इराक में तुवैथा के दो ऑपरेशनल रिएक्टर तबाह कर दिए थे। लंबे 34 साल में क्या हासिल किया गया? क्या अमरीका ईरान को परमाणु बम बनाने से बिल्कुल रोक पाएगा? हमारा यही यक्ष-प्रश्न है। विश्व में शांति कायम रखने के लिए इस युद्ध को रोकना जरूरी है।

(चिंतन-मनन)

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती।कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है।आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है।आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है।इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता।त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है।साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

अतुल्य भारत, अजेय भारत: मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ.देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ. परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था। 2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया।

और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए।

यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र ह्नस्वह्ल को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया।

मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं।

चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी।

इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया।

पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था।

इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं झ्र इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा। पर्यटन एक संपूर्ण आयाम वाले मिशन के रूप में विकसित हुआ। ह्नएक विरासत अपनाएँह्ल योजना के तहत प्रमुख स्थलों का कॉर्पोरेट प्रबंधन शुरू हुआ, जबकि उड़ान योजना ने शिरडी, जीरो और मिनिकॉय जैसे दूर-दराज के स्थानों को हवाई मार्ग से जोड़ा। राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन ने टिकट बुकिंग, डेटा और यात्रा कार्यक्रमों का एक एकीकृत प्लेटफॉर्म में एकीकरण करना शुरू किया।

पूर्वोत्तर- जो कभी उपेक्षित था- मुकुट के एक रत्न के रूप में उभरा। एक्ट ईस्ट नीति और अवसंरचना पर विशेष ध्यान की वजह से अरुणाचल, सिक्किम और मेघालय जैसे राज्यों में पर्यटकों का आगमन 2014 और 2022 के बीच दोगुना हो गया। जीवंत गांव कार्यक्रम ने किबिथु और माना जैसे दूरदराज के इलाकों को ऐसे गंतव्यों में बदल दिया, जहाँ देशभक्ति का मिलन प्रकृति और विरासत से होता है।

पर्यटन का विचार भी आकांक्षापूर्ण हो गया। ह्लभारत में विवाहह्ल, राजस्थान और गोवा जैसे विवाह केंद्रों के लिए प्रोत्साहन, अभियान और अवसंरचना के समर्थन में तब्दील हो गया। इस बीच, चिकित्सा और कल्याण पर्यटन के लिए 2022 में 6 लाख से अधिक विदेशी मरीज आये, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी उपचार स्थलों में से एक बन गया।

2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता, सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था। दिल्ली तक सीमित रहने के बजाय, खजुराहो से कुमारकोम तक 60 से अधिक गंतव्यों में वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी हुई, जिनमें से प्रत्येक को स्थानीय कला, खान-पान और विरासत के साथ तैयार किया गया था। दुनिया भारत के साथ सिर्फ. संवाद नहीं कर रही थी - बल्कि इसे अनुभव भी कर रही थी।

लेकिन आंकड़ों के पीछे, असली परिवर्तन आध्यात्मिक था। भारत ने दुनिया से अपने स्मारकों को देखने के लिए अनुरोध करना बंद कर दिया। देश ने अपनी यादों को महसूस करने, अपनी शांति में स्वस्थ होने और अपनी विविधता का जश्न मनाने के लिए पूरी दुनिया को आमंत्रित किया।

इस नए भारत में, पर्यटन मौसमी नहीं है - यह सभ्यतागत है। यह वह स्थल है, जहाँ दर्शन का विकास से, जहाँ तीर्थयात्रा का प्रगति से और जहाँ त्योहार का अवसंरचना से मिलन होता है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने दुनिया का सिर्फ.स्वागत नहीं किया झ्र बल्कि उसे गले लगाया।

जैसे भिक्षु बोधि वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, जैसे तीर्थयात्री केदारनाथ की ठंडी हवा में मंत्रोच्चार करते हैं, जैसे दुल्हनें महलनुमा गुंबदों के नीचे विवाह करती हैं

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।ेलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने ह्नयूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्सह्ल नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद ह्नअंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समितिह्ल का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है। पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया।

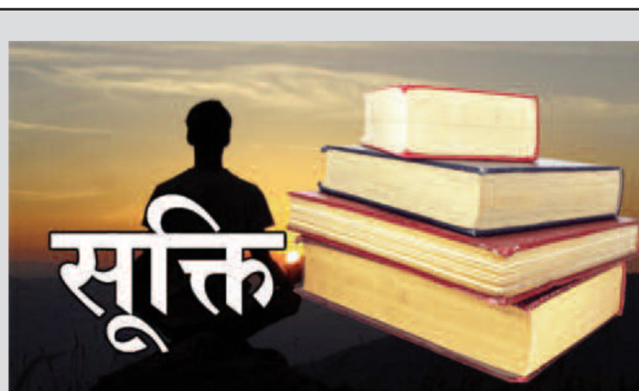

काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती।

- कालिदास

कीरति भनिति भूति भलि सो, सुरसरि सम सबकँह हित होई?

- तुलसीदास

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

–ललित गर्ग–

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है ह्नसद्भाव के माध्यम से उपचारह्ल, जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को ह्नफेटे डी ला म्यूजिकह्ल के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है ह्नसंगीत उत्सवह्ल। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्त्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में ह्नला फेते डे ला म्यूजिकह्ल, यूके में ह्नमेक म्यूजिक डेह्ल, इटली में ह्नफेस्टा डेला म्यूजिकाह्ल या पोलैंड में ह्नस्विएटो मुजिकीह्ल। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्त्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्त्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत ह्नसंगीत रत्नाकरह्ल ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा ह्नगीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यतेह्ल कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को ह्नदेशीह्ल कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस।

संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं।

अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है।

अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं।

कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

ऐसे मुस्कुराएगी गर्मियों में स्किन...

जी हां, गर्मियां जोर पकड़ रही है। घर से बाहर निकलना मानों मुसीबत को न्यौता देने हो गया है। गर्मियों में स्किन काफी नाजुक और सेंसिटिव हो जाती है। सूरज की तीखी किरणें, नमी की कमी व धूल-मिट्टी स्किन की रंगत कम कर देते हैं। आपकी खूबसूरत स्किन कैसे मौसम के इन थपेड़ों को सहने के बावजूद मुस्कुरा सकते हैं। जैसी स्किन, वैसी केयर। चेहरे की स्किन भी कई तरह की होती है इसलिए केयर के तरीके भी बदल जाते हैं।

ऑइली स्किन

ऑइली स्किन देखने में ऐसी लगती है जैसे चेहरे पर तेल लगाया हुआ हो। ऐसी स्किन को धोने के थोड़ी देर बाद तेल निकल आता है। इस तरह की स्किन पर लगया गया मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। ऐसी स्किन पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसी स्किन को खास ख्याल की जरूरत होती है। किशोरावस्था में ऐसी स्किन में कुछ ज्यादा ही चिकनाहट नजर आती है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम हो जाती है।

ऑयली स्किन की देखभाल

- फेस को कम से कम दिन में चार-पांच बाद धोएं।
- उसी मेकअप का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर ऑइली स्किन के लिए बनाया गया हो।
- ऐसी स्किन पर फेस-मास्क और पैक वही लगाएं, जो ऑइली स्किन के लिए ही बने हैं।
- अधिक मात्रा में चीनी, अधिक मसालेदार और ऑयली खाना न खाएं।
- मेकअप से पहले चेहरे पर ऐस्ट्रिनजेंट लगाएं।

घरेलू नुस्खे

- एक चम्मच शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर अपने चेहरे और गर्दन पर मलें। 10-15 मिनट बाद धो लें।
- दो चम्मच पपीते का गूदा, 10 बूंद नीबू के रस को डालकर अच्छी तरह मसलें। इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।
- मटर के दानों को छाया में सुखा कर पीस लें और शीशी में भरकर रखें। दो चूमच गुलाब जल में एक चम्मच मटर पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं।जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करने स्किन में ऑयल कुछ कम होता है।
- संतरा, माल्टा, तरबूज या पपीता इन सबका रस चेहरे पर लगाएं। इनमें से किसी का भी रस 10-15 मिनट लगा कर रखें और बाद में चेहरा धो लें। इससे स्किन पोर्स खुल जाएंगे और खून का दौरा बढ़ेगा।

नॉर्मल स्किन

ऐसी स्किन वालों का चेहरा काफी फ्रेश दिखता है। इस प्रकार की स्किन न तो ऑयली होती है और न ड्राई। ऐसी स्किन पर अगर कम मेकअप करें तो बेहतर होगा। अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम हफ्ते में एक दिन मेकअप फ्री रहें।

नॉर्मल स्किन की देखभाल

- नॉर्मल स्किन को हमेशा माइल्ड सोप (जैसे कि जॉनसन बेबी शॉप, डव, पीयर्स आदि) या फेशवॉश से साफ करें।
- चेहरे को धोते वक्त पानी का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- चेहरे की सफाई के लिए उसे धोने से पहले .लींजिंग लोशन या क्रीम लगाकर रुई से पोछें। जब भी बाहर से आएं तो चेहरे को साफ जरूर करें।
- जब मेकअप करें तो उसे सोने से पहले रिमूव जरूर करें।
- सर्दियों में और गर्मियों में नॉर्मल स्किन के लिए माकूल मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। आमतौर पर नॉर्मल स्किन के लिए ढेर सारे मॉइश्चराइजर आसानी से मिल जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

- तरबूज, कद्दू, खीरा और खरबूजे के बीज बराबर मात्रा में लेकर दूध में बारीक पीस लें और इसे मलाई के साथ फेस पर लगाएं। एक घंटे बाद धो दें।
- सरसों को बारीक पीस कर दूध या पानी में लेई-सी बना लें। इसके रोज लगाने से रंगत निखरती है।
- नहाते वक्त पानी में एक चूमच जैतून का तेल मिला देने से स्किन मुलायम होती है।

ड्राई स्किन

ऐसी स्किन पर खुश्की की वजह से सफेद-सफेद दाग निकलने लगते हैं। सही देखभाल की कमी से ऐसी स्किन वाले वक्त से पहले ही बूढ़े नजर आने लगते हैं। ड्राई स्किन पर मौसम का असर फौरन होता है। तेज हवा, धूप और ठंडे पानी से ऐसी स्किन को बचाना चाहिए। इस तरह की स्किन को ठंडे पानी से कम धोना चाहिए और साबुन का इस्तेमाल भी कम करना चाहिए। ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम गर्दन और शरीर के उन भागों पर भी लगाएं, जो दिनभर खुले रहते हैं।

ड्राई स्किन की देखभाल

- साबुन का इस्तेमाल न करें, वरना स्किन और सूखी हो जाएगी।
- बहुत देर एयर कंडिशनर और रूम हीटर का इस्तेमाल न करें।
- अधिक देर तक सूरज के सामने बैठना स्किन को सूखा और बेजान बनाता है।
- अल्कोहल वाले स्किन लोशन का इस्तेमाल न करें।

घरेलू उपाय

- हफ्ते में एक बार चेहरे की मालिश जरूर करें।
- हफ्ते में एक बार खरबूजे के रस से चेहरे को धोएं।
- स्किन साफ करने या मेकअप रिमूव करने के बाद स्किन टॉनिक जरूर लगाएं।
- मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
- चेहरे को .लीजिंग मिल्क से साफ करें और ऐस्ट्रिनजेंट लोशन का इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा ड्राई स्किन के लिए मिल्क सोप का इस्तेमाल करें और कोल्ड क्रीम जरूर लगाएं।

ड्राई स्किन के लिए उबटन

- एक चम्मच बादाम रोगन में 10 चम्मच ठंडा कच्चा दूध और एक चम्मच चीनी मिलाकर रुई के फाहे से पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें।
- एक अंडे की जर्दी (पीला हिस्सा) में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाएं, पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। 30- 35 मिनट बाद चेहरा धो दें।
- 50 ग्राम सोयाबीन या मसूर की दाल को रात भर भिगोकर रखें। सुबह छिलका उतार कर बारीक पीसिए। उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और 4-5 बूंदें बादाम रोगन की डालें। पेस्ट बनाकर फेस पर लगाएं। सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें। यह पेस्ट अगली बार इस्तेमाल करने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं।
- एक चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से ड्राई स्किन में चमक आने लगती है।
- एक छोटा चम्मच बारीक पिसी हुई मुल्तानी मिट्टी में एक छोटा चम्मच गुलाब जल और .लीजिंग मिल्क मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- चेहरे की स्किन अगर लू लगने से खुश्क हो गई है तो एक कप पानी में एक चम्मच मखखन डालकर गरम करें और चेहरे पर रुई के फाहे से लगाएं। ऐसा 10- 15 मिनट करें। फिर चेहरा सूखी रुई से पोंछ लें।

तरावट लाए तरबूज का शरबत

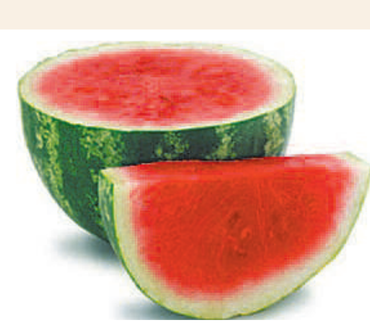

तरबूज का शरबत बहुत ही स्वादिष्ट होता है। यह हमें चिपचिपी गर्मी, धूप, लू, उमस, आदि में ठंडक देने का काम करता है। उत्तर भारत में तो लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं, लेकिन मुंबई में यह हर जगह मिलता है और लोग इसे बहुत पसंद भी करते हैं। तो आइये आज हम भी मुंबई का मशहूर तरबूज का शरबत बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री–

5 गिलास शरबत बनाने के लिये–

तरबूज – 2– 2.1/2 कि.ग्रा.

नींबू – 1

बर्फ के क्यूब्स – 1 कप

विधि–

तरबूज का शरबत बनाने के लिये सबसे पहले तरबूज को धोकर काटिये और फिर इसके मोटे हरे भाग को काट कर अलग कर दीजिये। अब लाल वाले भाग को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट कर मिक्सी में पीस लीजिये। थोड़ी देर बाद जब तरबूज का गूदा और रस

बिल्कुल घुल जाए तब इस जूस को छलनी में छान लीजिये।

अब इस जूस में नींबू निचोड़ कर अच्छे से मिलाइये और फिर इसे गिलासों में डाल दीजिये। ठंडा करने के लिये इसमें अपने अनुसार बर्फ डाल दीजिये और चाहें तो गिलास में शरबत के ऊपर 1–2 पोदीने की पत्तियाँ भी सजा दीजिये (यदि आप को इसमें मीठा कम लग रहा हो तो आप अपने स्वादानुसार इसमें चीनी मिला कर इसे और अधिक मीठा भी कर सकते हैं, लेकिन चीनी मिलाने के बाद यह जूस अपना वास्तविक स्वाद खो देता है)।

ठंडा–ठंडा तरबूज का शरबत तैयार है। अब इसे जितना मर्जी पीजिये और घर में सभी को पिलाइये।

यकीन मानिये इस शरबत को पीने के बाद आप बाजार में बिकने वाले बनाबटी रंग और स्वाद वाली रंगीन पानी की बोतलों को छुएंगे भी नहीं

जानिये आलू की खासियतें

भारत और विश्व में आलू विख्यात है और अधिक उपजाया जाता है7 आलू को हमेशा छिलके समेत पकाना चाहिए क्योंकि आलू का सबसे अधिक पौष्टिक भाग छिलके के एकदम नीचे होता है, जो प्रोटीन और खनिज से भरपूर होता है। आलू में स्टॉर्च, पोटाश और विटामिन ए व डी होता है।

यह अन्य सब्जियों के मुकाबले सस्ता मिलता है लेकिन है गुणों से भरपूर 7 आलू से मोटापा नहीं बढ़ता7 आलू को तलकर तीखे मसाले, घी आदि लगाकर खाने से

जो चिकनाई पेट में जाती है, वह चिकनाई मोटापा बढ़ाती है7 आलू को उबालकर अथवा गर्म रेत या राख में भूनकर खाना लाभदायक और निरापद है।

- आलू में विटामिन बहुत होता है।
- आलू को छिलके सहित गरम राख में भूनकर खाना सबसे अधिक गुणकारी है।
- भुना हुआ आलू पुरानी कब्ज और अंतड़ियों की सड़ांध दूर करता है7 आलू में पोटेशियम साल्ट होता है जो अम्लपित्त को रोकता है।
- चार आलू सेंक लें और फिर उनका छिलका उतार कर नमक, मिर्च डालकर नित्य खाएं। इससे गठिया ठीक हो जाता है।

हरा भाग खतरनाक

आलू के हरे भाग में सोलेनाइन विषैला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। आलू के अंकुरित हिस्से का भी प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आलुओं में प्रोटीन होता है, सूखे आलू में 8 .5 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

- आलू का प्रोटीन बूढ़ों के लिए बहुत ही शक्ति देने वाला और बुढ़ापे की कमजोरी दूर करने वाला होता है। आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी तथा फास्फोरस बहुतायत में होता है।
- आलू खाते रहने से रक्त वाहिनियां बड़ी आयु तक लचकदार बनी रहती हैं तथा कठोर नहीं होने पातीं।
- इसको छिलके सहित पानी में उबालें और गल जाने पर खाएं। यदि दो-तीन आलू उबालकर छिलके सहित थोड़े से दही के साथ खा लिए जाएं तो ये एक संपूर्ण आहार का काम करते हैं।
- आलू के छिलके ज्यादातर फेंक दिए जाते हैं, जबकि अच्छी तरफ साफ़ किये छिलके सहित आलू खाने से ज्यादा शक्ति मिलती है।

ऊर्जा का भंडार केला

भारत में केला हर जगह पाया जाता है और इसकी सबसे अच्छी किस्में भारत में ही होती हैं 7 भले ही रोज एक सेब खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं, लेकिन केला खाने से आप अपनी पूरी जिन्दगी स्वस्थ्य रह सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है।

तो आइए जानते हैं केला खाने का स्वास्थ्य लाभ –

1 - केला खिलाड़ियों का प्रिय फल है क्योंकि यह तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। सुबह नाश्ते में केला खाने से ऊर्जा बढती है और सूकरोज़, फ्रक्टोज़ और ग्लूकोज जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं। यदि आप दिन भर भूखे प्यासे रहते हैं, तो केवल केला ही खा लें देखिये अन्य फल के मुकाबले केले से तुरंत एनर्जी मिलेगी।

2- केले में प्रोटीन पाया जाता है, जो कि दिमाग को आराम देता है इसलिए डिप्रेशन दूर करने में सहायक है 7

3- दूध के साथ केला और शहद मिला कर पीने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

4- केले में रेशा पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक व कब्ज़ की बीमारी वाले लोंगो के लिये केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। अक्सर यात्रा के दौरान कब्ज की शिकायत हो जाती है। इसको दूर करने के लिये केला एक अच्छा विकल्प है 7

5- केला शरीर के खून में हीमोग्लोबिन को बढाता है। जिससे एनीमिया की शिकायत दूर हो जाती है।वे लोग जो एनीमिया से प्रभावित हैं, उन्हें अपने भोजन में केला शामिल करना चाहिये।

6 - केले में पोटैशियम पाया जाता है, जो उच्चरक्तचाप के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी होता है7 केला खाने से उच्चरक्तचाप

सामान्य बना रहता है 7

7- दो केले लगभग 100 ग्राम दही के साथ सेवन करने से दस्त व पेचिश में लाभ होता है 7

8 - केले पर चीनी और इलायची डालकर खाने से खट्टी डकारें आनी बंद हो जाती हैं।

स्वादिष्ट कसूंदी का उठाएं जायका

कसूंदी सॉस खाने में बेहद स्वादिष्ट व चटपटी लगती है। इसे आप पकौड़ों, पिज़्ज़ा, सैंडविच या किसी भी स्नैक्स के साथ खा सकते हैं। कसूंदी बनाना बेहद आसान है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। तो आइये आज कसूंदी बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री–

राई (काली सरसों) - 2 टेबल स्पून
पीली सरसों - 2 टेबल स्पून
कच्चे आम - 2 या 300 ग्राम (मीडियम आकार के)
अदरक - 2 इंच लंबा टुकड़ा
हरी मिर्च - 4-5
लाल मिर्च - 1/2 छोटी चम्मच
जीरा - 1 छोटी चम्मच
धनिया पाउडर - 2 छोटी चम्मच
चीनी - 1 छोटी चम्मच
सरसों का तेल - आधा कप
हींग - 1/4 छोटी चम्मच से कम
हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच
सिरका - एक चौथाई कप
नमक - 2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार)

विधि–

आम को धोकर छीलिये और गूदा निकाल कर काट लीजिये, राई और पीली सरसों को अच्छी तरह से साफ कर लीजिये, हरी मिर्च के डंठल हटा कर मिर्चों को धो लीजिये और अदरक को छील कर धोकर उसके टुकड़े कर लीजिये।

मिक्सर में राई, पीली सरसों, आम का गूदा, हरी मिर्च, अदरक के टुकड़े, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर व चीनी डालकर बारीक पीस लीजिये और यदि ये मसाले पीसते समय पानी की आवश्यकता लग रही हो तो 1-2 टेबल स्पून पानी मिलाकर सभी मसालों को अच्छी तरह पीस लीजिये।

अब कढ़ाई में तेल गर्म कीजिये और उसमें पिसे हुए मसाले डालकर धीमी गैस पर 3-4 मिनट तक अच्छी तरह भूनिये। जब मसालों से भुनने की महक आने लगे तो गैस बंद कर दीजिये और मसालों के इस मिश्रण में सिरका व नमक मिलाकर इसे किसी कांच के कंटेनर में भर कर धूप में रख दीजिये। 3-4 दिन बाद जब आप देखें कि कसूंदी के ऊपर तेल तैरने लगा है तो समझ लीजिये कि कसूंदी खाने के लिये तैयार है। अब इसे आप गरमा गरम पालक या गोभी आलू के पकौड़ों के साथ परोस कर खाइये और बची हुई कसूंदी को फ्रिज में रखकर 6 महिने तक कभी भी खाइये।

सुझाव – कसुंदी को कांच के कंटेनर में भरने से पहले उस कंटेनर को उबलते हुए पानी से अच्छी तरह धोकर सुखालें ताकि कसूंदी जल्दी खराब न हो और ज्यादा दिन तक चल सके।

23 June Page 8_Page 3.qxd 6/22/2025 9:07 PM Page 1

अमेरिका की एंट्री से इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव की स्थिति और बिगड़ी

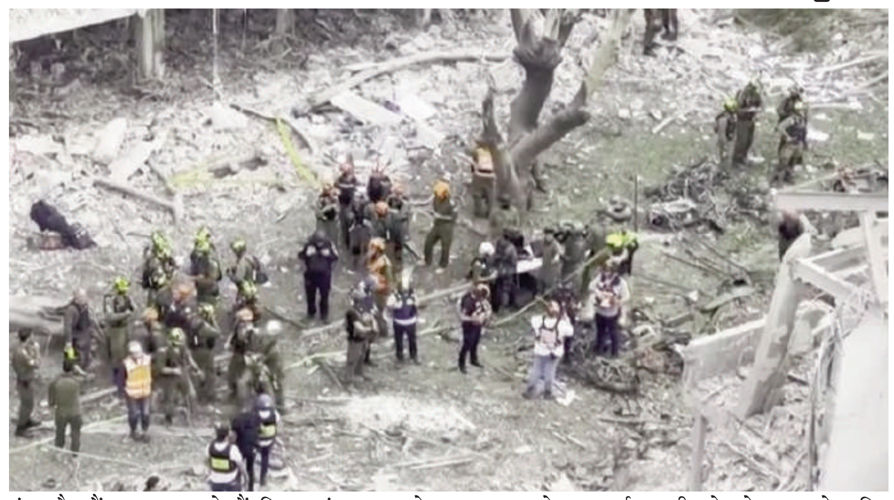

ईरान ने पलटवार करके इजरायल के तेल अवीव और हाइफा जैसे दस ठिकानों को निशाना बनाया

तेल अवीव, 22 जून (हि.स.)। इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव में अमेरिका की एंट्री से स्थिति और बिगड़ती दिख रही है। ईरान के परमाणु संयंत्रों पर शनिवार रात अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने पलटवार करते हुए तेल अवीव और हाइफा जैसे इजरायल के दस ठिकानों को निशाना बनाया। जिसमें कम-से-कम 86 लोग घायल हुए। ईरानी हमलों को देखते हुए इजरायली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इजरायल के एयरस्पेस को पूरी तरह से बंद कर दिया है।

रविवार सुबह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर पर अप्रत्याशित हमले के बारे में दुनिया को बताया। ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि फोर्दो, नतांज और इस्फहान समेत ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमलों को अंजाम दिया गया और सभी अमेरिकी विमान अब ईरान के वायु क्षेत्र से बाहर हैं।

पलटवार करने पर और बड़े हमलेः ट्रंप

ईरान के परमाणु संयंत्रों पर अमेरिका का यह हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे। जिसके बाद इजराइल ने अमेरिका की खुली सराहना की।

ताकत के माध्यम से शांतिः नेतन्याहू

दी टाइम्स आफ इजराइल के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार सुबह ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ₹ताकत के माध्यम से शांति₹ लाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ₹राष्ट्रपति ट्रंप और मैं अक्सर कहते हैं कि ताकत के माध्यम से शांति। पहले ताकत आती है, फिर शांति आती है। आज रात, राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका ने बहुत ताकत के साथ काम किया।

ईरान के पास सभी विकल्प खुले हैंः विदेश मंत्री अरागची

ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। अब्बास अरागची ने लिखा कि ईरान के पास अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की सुरक्षा के सभी विकल्प हैं।

ईरान का इजराइल पर पलटवार

अपने खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से भड़के ईरान ने कुछ घंटे के भीतर इजराइल पर ताबड़तोड़ मिसाइल हमला करते हुए तेल अवीव और हाइफा सहित करीब 10 ठिकानों को निशाना बनाया। दी टाइम्स आफ इजराइल के अनुसार ईरान के हमले में कम-से-कम 86 लोग घायल हुए हैं। ईरान के हवाई हमलों के दौरान इजराइल में चेतावनी सायरन बजने लगे और लोगों में अफरातफरी फैल गई। ईरान की ओर से हमला तेज किए जाने के बाद इजरायली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इजरायल के एयरस्पेस को पूरी तरह से बंद कर दिया। इजरायल की प्रमुख एयरलाइंस, एल अल इजरायल एयरलाइंस और अर्किया एयरलाइंस ने अगले नोटिस तक सभी बचाव और नियमित उड़ानों को निलंबित कर दिया है।

इजरायल ने 13 जून को ऑपरेशन राइजिंग लाइन लॉन्च कर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने इजरायल के कई शहरों पर जबर्दस्त अटैक किया। अब इस सैन्य टकराव में पिछली रात अमेरिका के शामिल होने के बाद क्षेत्र की स्थिति लगातार बिगड़ रही है जिस पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी चिंता जताई है।

संक्षिप्त खबरें

परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों पर ईरान ने कहा- दीर्घकालिक परिणाम होंगे

तेहरान, (एजेंसी) : ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है।ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) पर बेरुखी का आरोप लगाया। ईरान ने वैश्विक समुदाय से अमेरिकी हमलों की निंदा कर ईरान के रुख के समर्थन की अपील की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्दो, नतांज और इस्फहान को तबाह करने का दावा किया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। अब्बास अरागची ने लिखा कि ईरान के पास अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की सुरक्षा के सभी विकल्प हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि संघर्ष के तेजी से नियंत्रण से बाहर होने का जोखिम बढ़ रहा है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है।

इससे पहले रविवार सुबह ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि फोर्दो, नतांज और इस्फहान समेत ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमलों को अंजाम दिया गया और सभी विमान अब ईरान के वायु क्षेत्र से बाहर हैं।

अमेरिका ने ईरानी परमाणु केंद्रों पर बरसाए बम, ट्रंप ने कहा-ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए

वॉशिंगटन, (एजेंसी) : इजराइल और ईरान सैन्य संघर्ष में अमेरिका की भी एंट्री हो गई है। अमेरिका ने ईरान के तीन न्यूक्लियर साइट फोर्डो, नतांज और एस्फहान पर हमला कर उसे तबाह करने का दावा किया है। यह हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एक्स पोस्ट में ईरान के खिलाफ चलाए गए अमेरिकी सैन्य अभियान की जानकारी देते हुए लिखा कि अमेरिका ने ईरान के जिन तीन न्यूक्लियर साइट को निशाना बनाया है वो फोर्डो, नतांज और एस्फहान में हैं। ट्रंप ने लिखा,'हमने इन साइट्स पर एक साथ कई बम गिराए हैं। हमारे सभी लड़ाकू विमान सुरक्षित रूप से अमेरिका लौट आए हैं। मैं अमेरिका के जाबाजों को बधाई देता हूं। दुनिया में ऐसी दूसरी कोई सेना नहीं है जो यह कर सके।'

ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर चलाए गए सैन्य अभियान को लेकर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बहुत कोशिश की कि ऐसा कदम न उठाना पड़े, लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं था और अब ईरान को शांति के रास्ते पर लौटना चाहिए। ईरान के पास अब भी शांति के रास्ते पर लौटने का समय है, उसे यह युद्ध खत्त करना होगा। अगर ईरान ने पलटवार किया तो हम भी हमला करेंगे। शांति नहीं तो विनाश होगा। अभी सभी लक्ष्यों पर हमले नहीं किए गए हैं। हम ईरान के परमाणु संयंत्रों को पूरी तरह नष्ट कर देंगे।

कैलिफोर्निया की लेक टाहो पर नौका पलटने से 6 लोगों की मौत, दो घायल

लेक टाहो (कैलिफोर्निया), (एजेंसी) : कैलिफोर्निया की प्रसिद्ध लेक टाहो में रविवार को एक दर्दनाक नौका दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हुए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोस्ट गार्ड अधिकारियों के अनुसार डीएल ब्लिस स्टेट पार्क के पास यह हादसा उस समय हुआ जब 27 फुट लंबी नाव को अचानक आई तेज लहरों ने पलट दिया। यह क्षेत्र पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है, लेकिन रविवार दोपहर तेज हवाओं और ऊंची लहरों ने स्थिति खतरनाक बना दी। एल-डोराडो काउंटी शेरिफ कार्यालय (ईडीएसओ) ने बताया कि मौके पर पहुंचे बचाव दल ने छह शव बरामद किए, जबकि दो लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईडीएसओ की ओर से जारी बयान में कहा गया, ह्लउनकी खोज और बचाव टीम, साथ ही डाइव टीम, अगले दिन सुबह फिर तलाश अभियान में लौटेगी।ह्व फिलहाल मृतकों की पहचान की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, क्योंकि परिजनों को सूचित किया जाना बाकी है।

उत्तराखंड में बंधक बनाए 35 नेपाली नागरिकों को मुक्त कराया गया, आज होगी वापसी

काठमांडू, (एजेंसी) : भारत के उत्तराखंड में कई दिनों से बंधक बना कर रखे गए 35 नेपाली नागरिकों को सकुशल रिहा कराया गया है। इन युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बंधक बनाया गया था। रविवार को इन युवकों को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेपाल वापस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।उत्तराखंड के काशीपुर में स्थानीय पुलिस ने छापा मारकर एक ही स्थान से 35 युवकों को मुक्त कराया गया। नई दिल्ली में नेपाली दूतावास ने कहा कि इन युवकों को बंदी बनाए जाने की सूचना के बाद मुक्त कराया गया। दूतावास ने गुरुवार को उत्तराखंड पुलिस और किन इंडिया नामक संगठन की मदद से उन्हें बचाया। इन सभी को शनिवार को दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास लाया गया।दूतावास ने कहा है कि उत्तराखंड पुलिस ने घटना से संबंधित कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। दूतावास के उपप्रमुख डा. सुरेन्द्र थापा ने कहा कि इस मामले की उत्तराखंड पुलिस आगे की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को नेपाल भेजने की व्यवस्था की गई है।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.62 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 22 जून (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। टॉप 10 में शामिल 4 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान बजाज फाइनेंस को हुआ।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और इंफोसिस के मार्केट कैप में 1,62,288.06 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 26,932.78 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई।

16 जून से 20 जून के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 54,055.96 करोड़ रुपये उछल कर 11,04,469.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 50,070.14 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,82,033.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,503.91 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 15,07,281.79 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 8,433.06 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,73,751.09 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 8,012.13 करोड़ रुपये उछल कर 10,18,387.76 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 3,212.86 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,10,399.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 17,876.42 करोड़ रुपये कम होकर 5,62,175.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 4,613.06 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,42,577.89 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 3,336.42 करोड़ रुपये कम होकर 5,41,557.29 करोड़ रुपये के स्तर पर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 1,106.88 करोड़ रुपये घट कर 5,92,272.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,82,033.60 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,07,281.79 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,42,577.89 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 11,04,469.29 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,18,387.76 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,10,399.75 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,73,751.09 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,92,272.78 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,62,175.67 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,41,557.29 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

तेहरान पर इजराइली हवाई हमले में हिज्बुल्ला नेता का पूर्व अंगरक्षक और इराकी गुट का कमांडर मारा गया

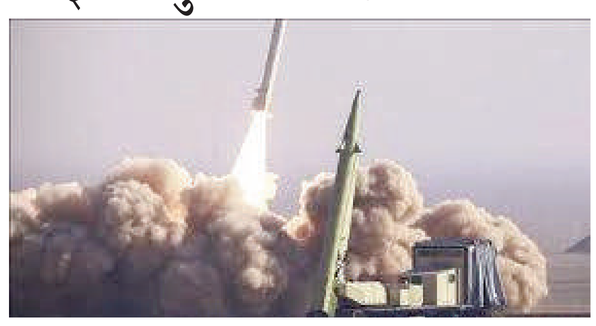

तेहरान/बेरूत, (एजेंसी) : ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक इजराइली हवाई हमले में लेबनानी सशस्त्र संगठन हिज्बुल्ला का एक वरिष्ठ सदस्य अबू अली खलील मारा गया। वह संगठन के दिवंगत प्रमुख हसन नसरल्लाह का अंगरक्षक रह चुका था। खलील के साथ ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट ₹कतायब सय्यद अल-शुहदा₹ के सुरक्षा प्रमुख की भी मौत हुई है।

लेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने बताया कि अबू अली खलील इराक की धार्मिक यात्रा पर थे, जहां उनकी मुलाकात कतायब समूह के नेता से हुई। दोनों साथ में तेहरान पहुंचे और वहीं इजराइली हमले में खलील के बेटे समेत मारे गए।

कतायब सय्यद अल-शुहदा ने एक बयान जारी कर इस हमले और दोनों सदस्यों की मौत की पुष्टि की है।

इस बीच, बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियेह में गम का माहौल है। यहां छोटे हथियारों से हवाई फायरिंग और ट्रेसर राउंड छोड़े गए, जो शोक जताने का पारंपरिक तरीका है।

उल्लेखनीय है कि हसन नसरल्लाह की मौत भी इजराइल द्वारा बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर किए गए हवाई हमले में हुई थी। पिछले नौ दिनों से ईरान और इजराइल के बीच टकराव लगातार जारी है। इजराइल का दावा है कि ईरान परमाणु हथियारों की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जबकि तेहरान ने बार-बार इस आरोप को नकारते हुए कहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं चाहता।

अगले सप्ताह प्राइमरी मार्केट में होगी जबरदस्त हलचल, 17 नए आईपीओ की लॉन्चिंग

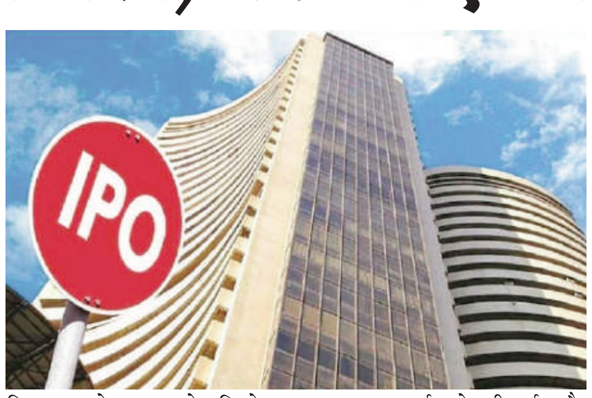

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सोमवार 23 जून से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में जबरदस्त हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 17 नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज और कल्पतरु समेत 6 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 23 जून को ही समय एजेसी ज्वेल का 15.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 90 से 95 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 24 जून को कल्पतरु लिमिटेड का 1,590 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 380 से 400 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 36 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इसी दिन एलेनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेस का 852.53 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 387 से 414 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

24 जून को ही मेनबोर्ड के एक और आईपीओ के रूप में ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स का 119 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में भी 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 67 से 71 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 211 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

मेनबोर्ड के इन आईपीओ के अलावा इसी दिन श्री हरे-कृष्णा स्पॉन्ज आयरन का 29.91 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 56 से 59 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इसी दिन श्री आईकॉन फैसिलिटेटर्स का 19.11 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 26 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 से 91 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी। इसके अलावा अब्राम फूड का 13.99 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 26 जून को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस फिक्स किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 27 जून को होगा। इसके बाद 1 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 25 जून को एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का 12,500 करोड़ रुपये का मेगा इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 700 से 740 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 20 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इसी दिन मेनबोर्ड की एक और कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का 540 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 77 से 82 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 182 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग होगी। 25 जून को ही सुपरटेक ईवी का 29.90 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 87 से 912 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

इसी दिन सनटेक इंफ्रा सॉल्यूशन्स का 44.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 27 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 81 से 86 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 30 जून को होगा। इसके बाद 2 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग होगी।

आठवीं आल कामरूप जिला तैराकी प्रतियोगिता संपन्न

गुवाहाटी, (एजेंसी) :असम तैराकी संघ के अधीन आल कामरूप जिला तैराकी संघ के तत्वावधान में आयोजित आठवीं आल कामरूप जिला तैराकी प्रतियोगिता रविवार को गुवाहाटी स्थित डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक कॉम्प्लेक्स में भव्य रूप से संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में कामरूप महानगर और कामरूप ग्रामीण जिलों के कुल 250 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

सुबह 8 बजे से आरंभ हुई इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कुल 82 इवेंट्स में भाग लिया।

प्रतियोगिता के समापन पर विजयी छात्र-छात्राओं को असम तैराकी संघ के महासचिव भास्कर रंजन दास, प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त तैराक फारिहा जमान, आल कामरूप जिला तैराकी संघ के सचिव नवज्योति गोगोई, प्रशिक्षक बाबुल गुरुंग, मोमी बर्मन, डेविड चेतिया, रविंद्र मोदक और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: संघर्षरत भारतीय महिला टीम को बेल्जियम से मिली 0-2 की हार

एंटवर्प, (एजेंसी) : भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को बेल्जियम के खिलाफ 0-2 की हार के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 की अंक तालिका में नौवें स्थान पर फिसल गई है। मेजबान टीम के लिए अम्ब्रे बालेनगिएन (40') और लिएन हिलेवार्ट (43') ने गोल किए, जिससे बेल्जियम ने अंक तालिका में तीसरा स्थान बरकरार रखा।

शनिवार को 1-5 की करारी हार के बाद भारत ने इस मुकाबले की शुरूआत आक्रामक इरादों के साथ की। पहले क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया गया, लेकिन गोल में तब्दील नहीं हो सका। वहीं, बेल्जियम को मिले एक पेनल्टी स्ट्रोक को भारत की वीडियो रेफरल के जरिए लॉन्ग कॉर्नर में बदल दिया गया, जिससे भारत राहत में रहा।

दूसरे क्वार्टर में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में भारतीय फॉरवर्ड्स ने गति और साहस के साथ अटैकिंग की कोशिशें तेज कीं। हाफ टाइम तक मुकाबला बराबरी पर था – भारत के पास दो और बेल्जियम के पास एक पेनल्टी कॉर्नर था। दोनों टीमों की सर्कल एंट्रीज भी लगभग समान (भारत 8, बेल्जियम 10) थीं।

लेकिन तीसरे क्वार्टर में खेल का रुख बदल गया। बेल्जियम ने एक पेनल्टी कॉर्नर पर बालेनगिएन के पहले प्रयास को भारतीय गोलकीपर सविता ने रोक तो लिया, लेकिन रिबाउंड पर बेल्जियम ने गोल कर बढ़त ले ली। कुछ ही मिनटों में एक और पेनल्टी कॉर्नर पर हिलेवार्ट ने सटीक डिफ्लेक्शन के साथ स्कोर 2-0 कर दिया।

चौथे क्वार्टर में भारत ने वापसी की भरपूर कोशिश की। दीपिका, ज्योति, नेहा, सलीमा, नवनीत और रुतुजा ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सका। भारत ने मैच में 22 सर्कल एंट्रीज कीं – जो बेल्जियम के बराबर थीं – लेकिन कन्वर्जन की कमी ने टीम को एक और हार थमा दी।

भारत ने इस सीजन अब तक सिर्फ दो जीत हासिल की है और टीम को अब रिलिगेशन से बचने के लिए अगली सीरीज में चीन के खिलाफ दोनों मैच जीतना जरूरी होगा। टीम के सामने अब मनोबल और रणनीति दोनों की कड़ी परीक्षा है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी) : हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे।

रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

उत्तर मध्य रेल प्रयागराज मंडल की लगातार चौथी शानदार जीत

प्रयागराज,(एजेंसी) : प्रयागराज जिला हॉकी एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रथम हफीजुल्लाह मेमोरियल हॉकी लीग जो 15 से 25 जून तक मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज मे चल रही है, शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर मध्य रेल प्रयागराज मण्डल की हॉकी टीम अपना चौथा मैच जीत कर लीग तालिका में सबसे ऊपर जगह बना लिया है। रविवार को लीग का चौथा मैच एमआईसी और उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के माध्य खेला गया। जिसमे उत्तर मध्य रेल की टीम शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए मैच 2-1 से जीत लिया। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजेश कुमार ने दो गोल किए वही एमआईसी के खिलाड़ियों ने मात्र 1 गोल पेनाल्टी कारनर पे किया। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मैच बहुत रोमांचक रहा। उत्तर मध्य रेलवे टीम की इस जीत से फाइनल में पहुंचने रास्ता बन गया है। उत्तर मध्य रेल के कोच पंकज गोस्वामी की रणनीति से रेलवे का प्रदर्शन सराहनी रहा। वह लगातार अपनी टीम को बाहर से खिलाड़ियों को दिशा निर्देश देते रहे। उत्तर मध्य रेल का मैच सोमवार को मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के मध्य खेला जाएगा।

रूट ने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

लीड्स (एजेंसी) :इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हालांकि 28 रन ही बनाये पर उन्होंने एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। वह रिकार्ड है भारतीय टीम के खिलाफ अपनी धरती पर सबसे अधिक 1602 रन बनाने का। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन ने साल 2011 में अंतिम बार इंग्लैंड का दौरा किया था और उनके नाम यहां 1575 रन हैं। अब 14 साल बाद अब जाकर उनका यह रिकॉर्ड कोई खिलाड़ी तोड़ पाया है। रूट ने अपनी इस पारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में श्रीलंका के सनत जयसूर्या को भी पीछे छोड़ दिया है। रूट अपनी इस 28 रनों की पारी से भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इस सूची में तीसरे और चौथे नंबर पर भारत के ही राहुल द्रविड़ 1376 और सुनील गावस्कर 1152 रन हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट के नाम अब 21,053 रन हो गए हैं। वहीं इस सूची में सचिन तेंदुलकर 34357 रनों के साथ नंबर एक पर हैं।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने 4 देशों के टूनार्मेंट में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से जीत दर्ज की

बर्लिन, (एजेंसी) : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने बर्लिन के टीसी 1899 ब्लाउ वीस स्टेडियम में 4 देशों के टूनार्मेंट में अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए शारदानंद तिवारी (15वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (36वें मिनट) और आमिर अली (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल (55वें मिनट) ने किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरूआत मजबूती से की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ के बाकी समय में दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन गोल नहीं आया। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके अपनी लय को बनाए रखा। 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाह ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए एक महत्वपूर्ण फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को और मजबूत किया। इसके कुछ ही देर बाद 43वें मिनट में आमिर अली ने गोल करके भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया।

मैच के अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के गोल की बदौलत एक गोल करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि, वे दो और गोल नहीं कर सके और भारतीय टीम ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय टीम का अगला मैच 24 जून को इसी स्थान पर स्पेन से होगा।

शिमला में आयोजित राज्य ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में ऑकलैंड हाउस स्कूल की लड़कियों का दबदबा

धर्मशाला, (एजेंसी) : पांचवीं हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रैपलिंग (कुश्ती) चैंपियनशिप रविवार को इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें ऑकलैंड हाउस स्कूल की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपना दबदबा बनाया है। ऑकलैंड हाउस की रुद्रांशी शर्मा ने 25 किलोग्राम से कम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अन्य लड़कियों ने भी विभिन्न वजन वर्गों में स्वर्ण पदक हासिल किए, जिनमें स्वर्णाजली (26 किग्रा), मायरा (27 किग्रा), काव्या (28 किग्रा), वराही (30 किग्रा), योकशिता (34 किग्रा) और यतिका (35 किग्रा) शामिल हैं।

स्कूल के कोच अजय कुमार ने बताया कि यह चैंपियनशिप हिमाचल प्रदेश ग्रैपलिंग समिति द्वारा आयोजित की गई थी। 21-22 जून को दो दिनों तक चले इस आयोजन में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्गों में रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिले।भारत की ग्रैपलिंग समिति से संबद्ध और भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त इस चैंपियनशिप में राज्य भर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन भारतीय कुश्ती संघ के तत्वावधान में हुआ, जो इसके राष्ट्रीय महत्व को दशार्ता है।

प्रतियोगिता के समापन पर प्रतिभागियों को उनकी समर्पण और कौशल के लिए योग्यता और भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह चैंपियनशिप न केवल ग्रैपलिंग को एक खेल के रूप में बढ़ावा देने में सफल रही, बल्कि युवा पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच भी प्रदान किया, जिसने हिमाचल प्रदेश की राष्ट्रीय खेलों में बढ़ती प्रमुखता को और मजबूत किया।

एएफसी महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए तैयार भारतीय टीम, पहले मैच में मंगोलिया से सामना

चियांग माई (थाईलैंड), (एजेंसी) : भारतीय सीनियर फुटबाल महिला टीम सोमवार को थाईलैंड के चियांग माई में अपने एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 क्वालीफायर अभियान की शुरूआत करने के लिए तैयार है। टीम अपना पहला मैच मंगोलिया के खिलाफ खेलेगी।

यह प्रमुख प्रतियोगिता पिछले कई सालों में ब्लू टाइग्रेस के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी। वहीं जब 2022 में टूनार्मेंट की मेजबानी की, तो कोविड-19 मामलों और चोटों के कारण टीम को टूनार्मेंट से हटना पड़ा था। ऐसे में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री और टीम जब 16 जून को थाईलैंड पहुंचीं, तो उनका एकमात्र लक्ष्य क्वालीफायर के जरिए एएफसी महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करना है।

भारतीय टीम क्वालीफायर के ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना सोमवार को मंगोलिया से, फिर 29 जून को तिमोर लेस्ते से, 2 जुलाई को इराक से और 5 जुलाई को मेजबान थाईलैंड से होगा। ग्रुप विजेता मार्च 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले फाइनल टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई करेगा। एएफसी महिला एशियाई कप 2026 फीफा महिला विश्व कप ब्राजील 2027 के लिए क्वालीफायर के रूप में भी काम करेगा।

थाईलैंड के अलावा भारत ने इससे पहले ग्रुप बी के अन्य तीन प्रतिद्वंद्वियों का सामना कभी नहीं किया है।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) की ओर से जारी बयान में मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने कहा, ?मंगोलिया, तिमोर लेस्ते और इराक के बारे में हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने हाल ही में कोई मैच नहीं खेला है। हम थाईलैंड के बारे में थोड़ा जानते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि चियांग माई में पहले आने से हमें मौसम की स्थिति के अनुकूल होने और समय के अंतर को समायोजित करने में बहुत मदद मिली है। यहां का मौसम बेंगलुरु की तुलना में थोड़ा अधिक नम है। प्रशिक्षण मैदान बहुत अच्छा है और हम आगामी मैचों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

भारतीय टीम-गोलकीपर : एलंगबाम पंथोई चानू, मोइरांगथेम मोनालिशा देवी, पायल बासुदे।डिफेंडर : हेमम शिल्की देवी, किरण पिस्दा, मार्टिना थोकचोम, नगंगबाम स्वीटी देवी, फंजौबाम निर्मला देवी, पूर्णिमा कुमारी, संजू, सोरोखैबम रंजना चानू।मिडफील्डर : अंजू तमांग, ग्रेस डांगमेई, कार्तिका अंगमुथु, नोंगमैथेम रतनबाला देवी, प्रियदर्शिनी सेलादुरई, संगीता बासफोर।फॉरवर्ड : लिंडा कोम सर्टो, मालविका पी, मनीषा कल्याण, प्यारी शाशा, रिम्पा हलदर, सौम्या गुगुलोथ।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स (एजेंसी) : भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, ह्यइसमें कुछ गलत नहीं है । वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ह्यअगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं।

वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, ह्यऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नहीं था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की।

इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, ह्यमैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

पंच पीर बाबा मेले के अवसर पर हुए विशाल दंगल में हजारों की संख्या में जुटे दर्शक

रामगढ, (एजेंसी) : भारत-पाक सीमा से सटे नेगा गांव में पंच पीर बाबा के पावन मेले के अवसर पर एक विशाल दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन में 13वीं वाहिनी के कमांडेंट शिव गोपाल शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने फीता काटकर दंगल का विधिवत शुभारंभ किया।

इस आयोजन में लगभग 2500 से अधिक ग्रामीण और खेलप्रेमी उपस्थित रहे। दंगल में स्थानीय क्षेत्र के पहलवानों के अलावा हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आए दिग्गज पहलवानों ने भी जोर-आजमाइश की। दंगल में छोटे-बड़े कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले जिन्हें दर्शकों ने तालियों और जयघोष के साथ सराहा।

मुख्य अतिथि शिव गोपाल शुक्ला ने इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना का संचार करते हैं।

एफआईएच प्रो हॉकी लीग में बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प (एजेंसी) :बेल्जियम ने भारतीय हॉकी टीम को यहां चल रही एफआईएच पुरुष प्रो हॉकी लीग 2024-25 में 6-3 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया। बेल्जियम ने शुरूआत में ही दो गोल दागकर भारतीय टीम पर दबाब बना दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने दिलप्रीत सिंह के 36वें मिनट और मनदीप सिंह के 38वें मिनट में किए गए गोलों से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 56वें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दिला दी पर इसके बाद बेल्जियम ने अंतिम क्षणों में तीन गोल के साथ ही मुकाबला 6-3 से जीत लिया। बेल्जियम की ओर से आर्थर वैन डोरेन ने पहले और 54वें, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 28वें, रोमन डुवेकोट ने 49वें, थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने 53वें और टॉम बून ने 59वें मिनट में गोल किये।बेल्जियम को मैच की शुरूआत में ही दो पेनाल्टी कॉर्नर मिले। भारतीय टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा ने अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स की ड्रैग-फ्लिक को रोक दिया पर आर्थर वैन डोरेन ने रिबाउंड पर गोलकर अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने बराबरी पर आने के लिए जमकर प्रयास किये। बेल्जियम की ओर से हेंड्रिक्स ने मध्यांतर से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर की शुरूआत शानदार तरीके से की पर बेल्जियम ने भारतीय टीम की रणनीति विफल कर दी। अंतिम दस मिनटों में खेल रोमांचक हो गया और विक्टर फाबर्ट के पर पर थिब्यू स्टॉकब्रोक्स ने गोल दाग दिया। वहीं इसके बाद सर्किल के अंदर से आर्थर वान का जबरदस्त शॉट अमित रोहिदास से टकराकर नेट में जा लगा और स्कोर 5-2 पहुंच गया। अमित ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारतीय टीम की ओर से तीसरा गोल दागा पर तब तक देर हो गयी थी। अंतिम क्षणों में टॉम बून ने गोल कर बेल्जियम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त खबरें

बिग बॉस 19 में दिख सकते हैं फेमस यूट्यूबर लक्ष्य चौधरी

लक्ष्य चौधरी एल्विश के अच्छे दोस्त हैं

मुंबई (एजेंसी) : सलमान खान होस्टेडेड फेमस कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 19 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में शो को लेकर हर दिन नई अपडेट आ रही है। अब तक शो में हिस्सा लेने को लेकर भी कई चर्चित नाम सामने आ चुके हैं। इसी बीच अब एक और नाम सामने आ रहा है, जो सिस्टम हिलाकर रख देगा। सलमान खान के शो बिग बॉस से जुड़े अपडेट्स शेयर करने वाले इंस्टाग्राम पेज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में जानकारी दी गई है कि यूट्यूबर लक्ष्य चौधरी को बिग बॉस 19 के लिए अप्रोच किया गया है। पोस्ट में लिखा है, लक्ष्य, एल्विश के साथ बिग बॉस ओटीटी 2 में एंट्री करने वाले थे लेकिन उनकी एंट्री कैंसिल हो गई थी। ऐसे में अगर लक्ष्य शो का हिस्सा बनते हैं तो बाकी कंटेस्टेंट के लिए कड़ा कॉम्पिटीशन हो सकता है। बता दें, लक्ष्य चौधरी, एल्विश के अच्छे दोस्त हैं। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट लिस्ट में लक्ष्य चौधरी के अलावा डिनो जेम्स, सुंदूस मौफकीर के अलावा ममता कुलकर्णी, मुनमुन दत्ता, अपूर्वा मखीजा, राज कुंद्रा, राम कपूर, गौतमी कपूर, मून बनर्जी, शशांक व्यास, अरहान अंसारी, डेजी शाह, खुशी दुबे, नील मोटवानी, शरद मल्होत्रा का नाम सामने आ चुके हैं। बता दें कि यह रियलिटी शो इस साल जुलाई, 2025 से दस्तक देगा।

जरुरी नहीं कि पड़ोसी से हमेशा बेहतर संबंध रहें: जयशंकर

नई दिल्ली(एजेंसी) : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों के मामले में हर समय सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बिना अधिक विवरण साझा किए जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ काम करने से आपको लाभ होगा और भारत के साथ काम न करने की एक कीमत चुकानी पड़ेगी।

संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा, कुछ लोगों को इसे समझने में अधिक समय लगता है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर समझते हैं। बेशक इसका एक अपवाद पाकिस्तान है, क्योंकि उसने अपनी पहचान सेना के तहत परिभाषित की है और उसमें शत्रुता का भाव है। इसलिए यदि आप पाकिस्तान को एक तरफ रख दें, तो यह तर्क हर जगह लागू होगा। जयशंकर ने शनिवार रात अपने एक्स हैंडल पर लगभग एक घंटे की बातचीत का लिंक साझा किया। विदेश मंत्री से एक रणनीतिक विशेषज्ञ के साथ बातचीत में पिछले 11 वर्षों में अमेरिका और चीन के रुख में आए बदलावों के बारे में भी पूछा गया और पूछा गया कि नयी दिल्ली इस बदलाव को कैसे देखती है। जयशंकर ने कहा, जहां तक अमेरिका का सवाल है, हां, उसके बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल है, इसलिए एक व्यवस्थित स्तर पर, आप इसे यथासंभव अधिक से अधिक संबंधों के साथ स्थिर करते हैं। उन्होंने कहा, यदि आपको चीन के सामने खड़ा होना है, तो हम काफी कठिन दौर से गुजर चुके हैं, इसलिए क्षमताओं को बेहतर बनाना महत्वपूर्ण है।

महिला पायलट यौन शोषण मामले में कैब ड्रायवर समेत 3 पर मामला दर्ज

मुंबई,(एजेंसी) : मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। घटना 19 जून की रात की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला पायलट ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहते हैं, जबकि वह घाटकोपर में रहती है।पुलिस के मुताबिक महिला का आरोप है कि कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो अन्य पुरुषों को कैब में बैठा लिया। उनमें से एक पीछे की सीट पर महिला के पास बैठा था। उसने महिला को गलत ढंग से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उस शख्स ने महिला को धमकाया। इस दौरान कैब ड्राइवर ने कुछ नहीं कहा। आगे कुछ दूरी पर पुलिस की चेकिंग चल रही थी। यह देखकर दोनों पुरुष कैब से उतरकर भाग गए। घर पहुंचने पर महिला ने ड्राइवर से उन पुरुषों को कैब में बैठाने की वजह पूछी तो ड्राइवर ने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन सुबह जब महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई, तब दंपती ने घाटकोपर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसरोवर की झील में स्नान पर प्रतिबंध है

देहरादून (एजेंसी) :चीन ने 5 साल बाद मानसरोवर यात्रा के लिए रास्ता खोल दिया है। चीन ने मानसरोवर यात्रियों के लिये इस बार कड़ी गाइडलाइन तैयार की है। मानसरोवर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को चीन ने चेतावनी है। यात्री पवित्र झील में स्नान नहीं करेंगे। पवित्र झील का जल बोतल में भरकर ला सकते हैं।

चीन के सुरक्षाकर्मी भारतीय श्रद्धालुओं के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लगातार चेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के ऊपर चीन द्वारा कड़ी निगाहें रखी जा रही है। मानसरोवर के लिए पहला जत्था नाथुला दर्रे से रवाना हो चुका है। उत्तराखंड के लिपूलेख दर्रे से जाने वाला पहला जत्था 30 जून को दिल्ली से रवाना होगा। 4 जुलाई को टनकपुर पहुंचेगा। यहां से चीन के ताकलाकोट के लिए रवाना होगा। यह जत्था एक रात के लिए नाभीटांग में रुकेगा। इसके बाद चीन के अधिकारी यात्रियों की निगरानी और देखरेख करेंगे। यहां से करीब तीन किलोमीटर की यात्रा पैदल होती है।

पहले भी प्लेन में आई थी दिक्कत, गड़गड़ाहट की आवाज आई और हड़कंप मच गया

नई दिल्ली,(एजेंसी) : अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले भी कंपनी के विमान में गंभीर गड़बड़ी की शिकायत आई थी। उस वक्त प्लेन हजारों फीट की ऊंचाई पर थी, जब विमान के इमरजेंसी डोर से अचानक अजीब से आवाज आने लगी। पास बैठे पैसेंजर को जब यह आवाज सुनाई दी तो उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी क्रू मेंबर्स को दी। इस दौरान पैसेंजर्स के बीच खलबली मच गई। आशंकाओं से घिरे यात्रियों की हवाइयां उड़ने लगीं। क्रू मेंबर्स की चिंताएं भी बढ़ गई थीं। गनीमत रही कि किसी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई।

कश्मीर में वंदे भारत ट्रेन चलने से हवाई उड़ानों की संख्या में आई कमी

ट्रेन में 25 जुलाई तक वेटिंग, किराया कम होने से लोग कर रहे पसंद

श्रीनगर(एजेंसी) :कटरा से श्रीनगर के बीच शुरू वंदे भारत को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। 7 जून को शुरू दो जोड़ी ट्रेनें 25 जुलाई तक फुल हैं। अब हर दिन बुकिंग की मांग बढ़ रही है। आईआरसीटीसी के रिजर्वेशन पोर्टल पर 25 जुलाई से पहले इनमें लंबी वेटिंग या नो रूम है। इसके बाद सीटें खाली हैं, हालांकि रिजर्वेशन लगातार हो रहे हैं।

इन ट्रेनों ने घाटी में आवागमन का नया विकल्प दिया है, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों को राहत मिली है। इस ट्रेन का विमान से किराया कम होने से बड़ी संख्या में पर्यटक ट्रेन से जाना पसंद कर रहे हैं। इससे हवाई उड़ानों की संख्या आधी रह गई है। पहलगाम हमले से एक दिन पहले 21 अप्रैल को श्रीनगर से 104 उड़ानें थीं। इनसे 19,641 यात्रियों ने सफर किया था लेकिन 22 अप्रैल और उसके बाद ट्रेन सेवा शुरू होने से उड़ानें घटी हैं। फिलहाल रोज 48 से 52 फ्लाइट्स हैं। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 19 जून को 4,293 यात्री पहुंचे और 3,724 ने उड़ान भरी। विमानों में 15 फीसदी तक सीटें खाली रहीं। एक एयरलाइन कंपनी के अधिकारी ने कहा कि ट्रेन के कारण उड़ाने और यात्री कम हुए हैं। विमानन कंपनियों ने फिलहाल 50 फीसदी उड़ानें कम कर दी हैं। पहले दिल्ली-श्रीनगर विमान किराया 12 से 15 हजार रुपए था। हालांकि, वंदे भारत शुरू होने के बाद 6 से 8 हजार रुपए रह गया है। बता दें पीएम मोदी ने 6 जून को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के टिकट रेल की वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं। ट्रेन में दो ट्रैवल क्लास हैं। चेयरकार का किराया 715 रुपए और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपए है। हफ्ते में 6 दिन दो ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच चलेंगी। अभी ये ट्रेनें सिर्फ बनिहाल में रुकेंगी, अन्य स्टॉपेज पर फैसला बाद में किया जाएगा।

योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी: अखिलेश यादव

अखिलेश ने सरकार पर किया वार... फिर खोला चुनावी पिटारा

लखनऊ(एजेंसी) : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हाल ही में अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर कड़ी आलोचना की और कई मुद्दों पर अपनी विचार रखे। अखिलेश ने कहा कि योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी। अगर स्कूलों को मर्ज कर दूर-दूर किया गया तो बेटियों को पढ़ाई में बहुत दिक्कत होगी। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हर जिले से भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए सरकारी कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के जरिए अपना निजी फायदा करने में लगे हुए हैं। अगर उनकी पार्टी 2027 में सरकार बनती है तो वे ई-रिक्शा और तांगा फ्री करने का वादा करेंगे। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाए। मीडिया इस पर सवाल नहीं कर सका इसलिए सरकार ने हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा कि कोई भाजपाई गाय का दूध नहीं पीता। इन्हें गोबर से प्यार है, गोबर गिफ्ट में दें तो बहुत अच्छा लगेगा। योगा को लेकर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग केवल दिखावे के लिए योगा कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जो भाजपा वाले सिंदूर यात्रा निकाल रहे थे, वे झांसा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के मामलों में हम सब एक हैं और फौज के साथ हैं। उन्होंने बताया कि ह्यसिंदूरह्ण शब्द का मतलब है ह्यपापह्ण और ह्यदूरह्ण। उनका कहना था कि भाजपा की ये यात्रा अपनी कमियां छिपाने की कोशिश थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव मकरन्द नगर स्थित पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता के शोरूम भी गए और वहां के कारोबारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे कारोबारियों की मदद करेंगे।

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश, बालासोर में सुवर्णरेखा नदी में आई बाढ़

मध्यप्रदेश-गुजरात समेत 19 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी) :मौसम विभाग ने रविवार को मध्यप्रदेश, यूवी समेत देश के 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, बिहार, बंगाल, झारखंड, कर्नाटक, केरल, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर में यलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में शनिवार शाम से जोरदार बारिश हो रही है। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो गए हैं। नदी का जलस्तर 10.36 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गया है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं को वहां जाने से रोक दिया गया है। गुना में फतेहगढ़ की कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई, इसमें तीन युवकों की मौत हो गई। राजस्थान के जोधपुर में बरसात के कारण पुलिया पर पानी के बीच कार निकाल रहे एक शख्स की कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से कारोबारी और उनके समधी-समधन की मौत हो गई।सोमवार 23 जून को हिमाचल, उत्तराखंड, यूपी, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं अकेले मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, बिहार, सिक्किम, बंगाल, कर्नाटक और केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।24 जून को गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, बिहार, छत्तीसगढ़, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। सिक्किम, बंगाल, पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, यूपी, ओडिशा, झारखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, विदर्भ, बंगाल, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मुंबई और चेन्नई में सीबीआई की छापेमारी, 800 करोड़ का भ्रष्टाचार, जेएनपीए के पूर्व मुख्य प्रबंधक समेत चार पर एफआईआर

मुंबई, (एजेंसी) : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने खुलासा किया है कि जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक, निजी व्यक्तियों और संस्थाओं ने 800 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार और वित्तीय धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने मुंबई और चेन्नई में पांच जगहों पर छापेमारी कर कार्रवाई भी की है। जेएनपीए के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार मडभवी (पीपी डब्ल्यूडी), टीसीई के परियोजना निदेशक देवदत्त बोस, मेसर्स टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (मुंबई), मेसर्स बोसकलीस्मीट इंडिया (मुंबई) और मेसर्स जान दे नुल ड्रेजिंग (चेन्नई) और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जेएनपीए के तत्कालीन अधिकारियों और दो निजी कंपनियों ने अपराध की साजिश रची थी। इसमें दो कंपनियां भी शामिल थीं। सीबीआई ने इस मामले में जून 2022 में प्रारंभिक जांच शुरू की थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी कंपनियों को न्हावा शेवा में जेएनपीटी में जहाजों के लिए मार्ग की गहराई बढ़ाने का ठेका दिया गया था। इस परियोजना के लिए एक निजी परामर्श कंपनी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया गया था।

झूठे दावों के आधार पर भुगतान की गई राशि

परियोजना के चरण-1 में, मार्ग की गहराई बढ़ाई गई और गाद निकाली गई। इस दौरान झूठे दावों के आधार पर 365.9 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। पहले चरण में, यह काम 2010 से 2014 के बीच और दूसरे चरण में 2012 से 2019 के बीच किया जाना दिखाया गया था। दोनों चरणों में 2012 से 2014 के बीच रखरखाव की अवधि समान थी। फिर भी, उस अवधि के दौरान 438 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का भुगतान किया गया था। इससे, सीबीआई जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि बड़ी मात्रा में धन का भुगतान किया गया था, जबकि वास्तव में पहले चरण में कोई अतिरिक्त खुदाई या गाद हटाने का काम नहीं किया गया था। इस मामले में गहन जांच चल रही है।

कुछ और लोग रडार पर

इस मामले में सीबीआई ने मुंबई और चेन्नई में पांच जगहों पर छापेमारी की। इनमें जेएनपीए के एक अधिकारी का घर, एक कंसल्टिंग कंपनी का दफ्तर और निजी कंपनियों के दफ्तर शामिल हैं। इन छापों में कैपिटल ड्रेजिंग प्रोजेक्ट से जुड़े दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और सरकारी अधिकारियों द्वारा किए गए निवेश के सबूत जब्त किए गए। सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कुछ और लोग भी सीबीआई के रडार पर हैं और सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि सीबीआई जांच में क्या खुलासा होता है।

75 साल पुराने पेड़ों की देखभाल करने वालों को मिल रही पेंशन

हरियाणा सरकार ने शुरू की है प्राण वायु देवता योजना वृक्षों का हो रहा संरक्षण

चंडीगढ़,(एजेंसी) : हरियाणा सरकार ने 75 साल से ज्यादा पुराने पेड़ों की देखभाल के लिए ह्यप्राण वायु देवता योजनाह्ण शुरू की थी। इसके तहत इस साल भी आवेदन लिए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत पेड़ों के मालिकों को हर साल 3000 रुपए की पेंशन दी जाती है, ताकि इन विरासत वृक्षों का संरक्षण और रखरखाव हो सके।

इस योजना की शुरूआत 2021 में तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर ने की थी। इसका उद्देश्य राज्य के ऐतिहासिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने पेड़ों को संरक्षित करना था। इन्हें ह्यविरासत वृक्षह्ण का दर्जा दिया जाता है। वन विभाग के मुताबिक वर्तमान में प्रदेश में करीब 4000 पेड़ इस योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। करनाल के वन अधिकारी ने बताया कि विभाग इस संख्या को और बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने पेड़ पर्यावरण के लिए उपयोगी हैं, ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। इन्हें संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सरकार का मानना है कि इस पहल से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और आमजन को भी पेड़ों की महत्ता का अहसास होगा। साथ ही यह योजना लोगों को प्राकृतिक धरोहरों को सहेजने के लिए प्रेरित भी कर रही है। इस योजना से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ पेड़ की उम्र का प्रमाण और भूमि स्वामित्व के दस्तावेज भी अनिवार्य हैं। हरियाणा सरकार की यह पहल देशभर में अनूठी है, जो पेड़ों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि प्राणवायु देवता के रूप में सम्मान दे रही है।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

बैठक में भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर सकती है घोषणा

नागपुर (एजेंसी) :राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ। हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है।

तीन साल से चल रही ड्रग्स की फैक्ट्री, कोरियर से होते थे सप्लाई

गुरुग्राम(एजेंसी) : दिल्ली पुलिस ने ड्रग्स बनाने और सप्लाई करने वाले बड़े नेटवर्क को ध्वस्त किया है। बीते तीन सालों से महरौली में ड्रग्स की फैक्ट्री चलाने नाइजीरियन को गिरफ्तार किया गया है। इसका नेटवर्क नेपाल तक फैला हुआ था। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीम ने 18 और 19 जून को 6 नाइजीरियन को ड्रग्स तस्करी के आरोप में दिल्ली से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने नाइजीरिया से कोकीन बनाने की तकनीक सीखी और फिर दिल्ली आकर ड्रग्स बनाकर अवैध कारोबार को शुरू किया। बता दें कि अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीम ने नेपाल निवासी बिमल पहाड़ी को पहले गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में इस ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा हुआ। इसके बाद नाइजीरियन नागरिकों को पकड़ा गया। इंस्पेक्टर नरेंद्र शर्मा ने बताया कि उनकी टीम इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में कई अन्य व्यक्तियों के इस गिरोह से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस उन सभी कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। यह गिरफ्तारी न केवल दिल्ली में चल रहे ड्रग्स के कारोबार पर एक बड़ी चोट है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के गठजोड़ को तोड़ने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है। इस फैक्ट्री में तैयार होने वाली ड्रग्स का 90 फीसदी हिस्सा डार्क वेब के जरिए पड़ोसी देश नेपाल भेजा जा रहा था। शेष 10 फीसदी ड्रग्स दिल्ली और एनसीआर के उच्च वर्ग के ग्राहकों को बेची जाती थी। वे हर सप्ताह अपने फोन नंबर बदल देते थे और हर बार नए नंबर से अपने ग्राहकों और सप्लायरों से संपर्क करते थे, ताकि उनकी लोकेशन और पहचान ट्रैक न हो सके। बातचीत के लिए एन्क्रिप्टेड ऐप का इस्तेमाल होता था। अपराध शाखा प्रभारी नरेंद्र शर्मा ने बताया कि जांच में सामने आया है कि ड्रग्स की बिक्री और वितरण के लिए डार्क वेब का इस्तेमाल किया जा रहा था। विशेष कोडवर्ड्स और एन्क्रिप्टेड चैट से ग्राहकों से संपर्क साधा जाता था। दिल्ली-एनसीआर में ड्रग्स की खेप पहुंचाने के लिए मिजोरम की एक महिला और प्रतिष्ठित कोरियर सर्विस का इस्तेमाल किया जाता था। भुगतान भी सीधे नकद में न लेकर कोरियर सर्विस के माध्यम से ही लिया जाता था।

11_Page 3.qxd 6/22/2025 10:06 PM Page 1

वार्ड नंबर 41 के रमजानपुर, आलमनगर व शास्त्रीनगर की जनता गंदगी झेलने को विवश

बारिश ने बढ़ाई लोगों की मुसीबतें, नरकीय जिंदगी गुजारने को मजबूर

बिश्वजीत चटर्जी

जोरापोखर। धनबाद नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वार्ड नंबर 41 के जामाडोबा रमजानपुर, आलमनगर एवं शास्त्री नगर का पूरा इलाका नगर निगम की उपेक्षा और लापरवाही का जीता जागता उदाहरण बन चुका है। यहां की जनता बारिश आते ही नारकीय जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। बारिश आते ही बारिश का पानी जमा होकर घुटनों तक आ जाता है। लोगों के घरों में पानी घुस जाता है। चारों ओर कचरे का अंबार लग जाता है। नालियां पूरी तरह जाम हो जाती है। पूरा इलाका जल-जमाव और बदबूदार दलदल में तब्दील हो जाता है। आलमनगर और रामजानपुर के बीचों-बीच कई फीट ऊंचे कचरे का अंबार लग चुका है और यही कचरा बरसात के पानी के साथ मिलकर दलदल में तब्दील हो चुका ह। जिसमें अगर कोई पुरुष, महिला अथवा छोटा बच्चा फिसलकर गिर जाए तो सीधा कचरे में समा जाए। स्थानीय लोगों की मानें तो घरों में बने शौचालयों की जमीन तक धंसने लगी है। कई शौचालयों का उपयोग असंभव हो गया है। कचड़ा भर जाने के कारण मुख्य मार्ग पर बहता गंदा पानी न केवल दुकानदारों को

बल्कि राहगीरों को भी परेशान कर रहा है। दुकानों की बिक्री प्रभावित हो रही है। ग्राहक इस रास्ते से गुजरना नहीं चाहते हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश आने से पहले टाटा कंपनी अपने स्तर से नाले की सफाई करवा दिया करते थे पर अब टाटा कंपनी ने भी हाथ खींच लिया है। जिससे स्थिति और भयावह हो गई है। अब न तो नगर निगम और न ही कोई निजी संस्था इस क्षेत्र की सुध लेने आती है। पिछले कई सालों से बारिश के मौसम में यही स्थिति देखने को मिलती है। गंदा पानी घरों के अंदर घुस जाता है, जिससे घर-घर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। नगर निगम के अधिकारी केवल दौरा कर आश्वासन देकर चले जाते हैं। बाद में न तो कोई अधिकारी दिखाई देता है और न ही कोई सफाई कर्मी। पूरे साल इस क्षेत्र में मच्छरों का आतंक बना रहता है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा लगातार मंडराता रहता है।लेकिन नगर निगम के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। यह स्थिति न

सिर्फ नगर निगम की उदासीनता को उजागर करता है बल्कि आम जनता के जीवन को खतरे में डालने वाली गंभीर समस्या की ओर इशारा भी करता है।नगर प्रबंधक विश्वनाथ भगत से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि यहां की समस्या का जल्द ही निराकरण हो जायेगा। यहां एक बड़ा नाला बनाने की अनुमति मिल चुकी है। फंड नहीं होने के कारण काम रुका पड़ा है। जल्द ही यहां पर नाले का निर्माण किया जायेगा। जिससे यहां की समस्या स्थाई रूप से समाप्त हो जाएगी।अब देखना यह होगा कि निगम के अधिकारी अपना दिया हुआ आश्वासन पूरा करते हैं या यह इलाका यूं ही डूबता और सड़ता रह जाता है। नाराज जनता अब आंदोलन की तैयारी कर रही है। उनका का कहना है कि अब कोई इसकी करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

संक्षिप्त खबरें

एडवा सिंदरी नगर कमेटी की बैठक संपन्न, जुलाई-अगस्त में सम्मेलन कराने पर बनी सहमति

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरीः अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (एडवा) सिंदरी नगर कमेटी की बैठक रविवार को रंगामाटी, सिंदरी में संपन्न हुई। बैठक की शुरूआत में कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादी हमले में हुई हत्या, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए निर्दोष नागरिकों, अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों, गाजा में मारे गए फिलिस्तीनी नागरिकों और ईरान-इजरायल युद्ध के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक मिनट का मौन रखा गया। बैठक में सिंदरी नगर कमेटी का सम्मेलन जुलाई-अगस्त माह में आयोजित करने पर सहमति बनी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष रानी मिश्रा ने की। इसमें सचिव मिठू दास, संयुक्त सचिव रंजू देवी, सविता सिंह, उर्मिला टुडू, सोनाली, चंपा, रोजी स्वैन, पानू मोदक, प्रभाती मोदक, नमिता, चायना देवी, सिया, कांति देवी और सुनीता मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

सुरुंगा राजपूत समाज का कमिटी गठन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः सुरूंगा गांव में रविवार को बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज जोन टू सुरुंगा एवं परसबनिया कमिटी का गठन किया गया। अध्यक्ष उदय कुमार देव, उपाध्यक्ष नरेश सिंह, सचिव किशोर सिंह, सह सचिव राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष सीटू देव, प्रवक्ता अंशु कुमार देव, सलाहकार सदस्य अनिरुद्ध देव, तारा प्रसाद देव, संगठन मंत्री विशाल देव, अध्यक्षता प्रभाष सिंह ने किया। मौके पर शिरीष कुमार सिंह, पशुपतिनाथ देव, महेंद्र कुमार देव, गौतम सिंह, संदीप देव, कन्हैया लाल सिंह, गौतम देव, प्रभाकर देव, संदीप देव आदि मौजूद थे।

बलियापुर में भाजपा की बैठक

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः भाजपा बलियापुर प्रखंड कमेटी की बैठक रविवार को पर्जन्य बीएडे कॉलेज में हुई ।पूर्वी अध्यक्ष मंडल पश्चिम मंडल अध्यक्ष और सिंदरी नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार अफसर शाही के खिलाफ मंगलवार को आक्रोश रैली बलियापुर हाई स्कूल मैदान से निकल कर प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया ।बैठक भाजपा नेत्री तारा देवी, संतलाल प्रमाणिके, निताई रजवार, प्रकाश बाउरी, विश्वजीत मुखर्जी बिरंची सिंह, अरविंद पाठक, संजय महतो आदि मौजूदे थे।

परसबनिया में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः परसबनिया में दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता न्यू जनता क्लब आमटांड़ के द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें आरआर क्लब न्यू परघा ने आठ विकेट से सिंदरी को हराया। मुख्य अतिथि परसबनिया पंचायत के पंचायत समिति सदस्य रोहित कुमार महतो ने विजेता उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।

सड़क दुघर्टना में युवक घायल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः हीरक रोड आमझर के समीप रविवार शाम को सड़क दुर्घटना में आमझर गांव निवासी मनोरंजन गोप घायल हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। घायल को इलाज के लिए बलियापुर सीएचसी मे भर्ती किया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज कर धनबाद शहर निर्मल महतो अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है कि घायल साइकिल से बलियापुर बाजार आम खरीदने के लिए निकला था। अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से घायल हो गया।

सड़क दुघर्टना में सिंगियाटांड़ के सलीम अंसारी की मौत

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुरः सिंगियाटांड़ निवासी सलीम अंसारी का सड़क दुघर्टना में मौत हो गई। घटना की खबर पाकर परिजन घटनास्थल गोविंदपुर जीटी रोड में पहुंचे। घटना की खबर पाकर गांव में मातम पसर गया है। वे 55 वर्ष के थे।

मृतक गोविंदपुर जीटी रोड पर रांगाबांध के पास चारपहिया वाहन ने बाइक सवार सलीम अंसारी को जोरदार टक्कर मारा जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक अपनी बाइक गोविंदपुर जंगलपुर से घर वापस आ रहा था। परिवार में उनकी पत्नी नूरेसा बीबी, तीन पुत्र, दो पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बड्स गार्डन स्कूल में उत्साहपूर्वक मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

धनबादःअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बड्स गार्डेन स्कूल, दलूडीह ,राजगंज में भी योग दिवस मनाया गया ।जिसमें विद्यालय के सभी बच्चे शिक्षक ,शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी शामिल हुए ।सर्वप्रथम विद्यालय के बच्चों को योग के संबंध में प्राचार्य ,प्रमोद चौरसिया ने सम्बोधित किया तत्पश्चात योग शिक्षक मुकेश कुमार के द्वारा बच्चों को योग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई और योग कराया गया।इस समय बच्चे और शिक्षक व शिक्षिकाऐं काफी प्रसंन्न और उत्साहित नजर आ रहे थे।

टाल सीजन 4 का दूसरा ऑडिशन 6 जुलाई को धनबाद में

सिंदरी/धनबाद : टाल सीजन 4 का दूसरा ऑडिशन 6 जुलाई को धनबाद में पूर्वी भारत की प्रतिष्ठित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता टाल सीजन 4 का दूसरा ऑडिशन 6 जुलाई 2025 को धनबाद में आयोजित किया जाएगा। यह ऑडिशन ग्लोबल आर्ट स्टूडियो, अशोक विहार कॉलोनी, अनिल ट्रेडर्स के पास, भुइफोड़, धनबाद में संपन्न होगा।

प्रतियोगिता का आयोजन जमशेदपुर स्थित साई गुरुकुल द्वारा किया जा रहा है।जिसका उद्देश्य पूर्वी भारत के उभरते हुए कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। इस ऑडिशन में भाग लेने वाले प्रतिभागी नृत्य, गायन और मॉडलिंग जैसी विधाओं में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।प्रतियोगिता की श्रृंखला में जमशेदपुर, रांची, बोकारो और कोलकाता जैसे शहरों में भी ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक शहर में चयनित

प्रतिभागियों को अंतिम राउंड के लिए जमशेदपुर आमंत्रित किया जाएगा।टाल सीजन चार का ग्रैंड फिनाले 10 अगस्त 2025 एक्सएलआरआई जमशेदपुर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन से प्राप्त आय वृद्धाश्रम में समाज सेवा हेतु समर्पित की जाएगी।ऑडिशन 6 जुलाई को धनबाद में पूर्वी भारत की प्रतिष्ठित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता टाल सीजन 4 का दूसरा ऑडिशन 6 जुलाई 2025 को धनबाद में आयोजित किया जाएगा। यह ऑडिशन ग्लोबल आर्ट स्टूडियो, अशोक विहार कॉलोनी, अनिल ट्रेडर्स के पास, भुइफोड़, धनबाद में संपन्न होगा।

प्रतियोगिता का आयोजन जमशेदपुर स्थित साई गुरुकुल द्वारा किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य पूर्वी भारत के उभरते हुए कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। इस ऑडिशन में भाग लेने वाले प्रतिभागी नृत्य, गायन और मॉडलिंग जैसी विधाओं में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।प्रतियोगिता की श्रृंखला में जमशेदपुर, रांची, बोकारो और कोलकाता जैसे शहरों में भी ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक शहर में चयनित प्रतिभागियों को अंतिम राउंड के लिए जमशेदपुर आमंत्रित किया जाएगा।टाल सीजन चार का ग्रैंड फिनाले 10 अगस्त 2025 एक्सएलआरआई जमशेदपुर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन से प्राप्त आय वृद्धाश्रम में समाज सेवा हेतु समर्पित की जाएगी।

मारवाड़ी पट्टी स्थित एक घर में हुई लाखों की चोरी

पुलिस ने कई स्थानीय युवकों को पूछताछ के लिए थाना लायी

भौरा : ओपी क्षेत्र के मारवाड़ी पट्टी स्थित एक घर में बीते मंगलवार को हुई लाखों के चोरी मामले में भौरा पुलिस ने स्थानीय कई युवकों को पूछताछ के लिए रविवार को थाना लेकर आई है। पूछताछ के दौरान भौरा बाजार निवासी शहनवाज नामक युवक ने कई तरह की जानकारी पुलिस को दी है।पीड़िता गृहस्वामी स्वर्गीय पवन कुमार अग्रवाल की पत्नी मीरा देवी ने लिखित जानकारी थाना को दी थी। थाना ने छानबीन के दौरान उनके घर से चोरी गई बैटरी, गैस सिलेंडर, लैपटॉप, चांदी एवं सोने के कई तरह के सामानों की बारामदगी होने की चर्चा पूरे क्षेत्र में है।बैटरी दुकानदार शाहनवाज,सोना चांदी दुकानदार गोविंद को पुलिस ने अभी तक नहीं छोड़ा है। इन लोगों से पुलिस अभी भी पूछताछ कर रही है। वही इस चोरी की घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाओं का बाजार भी गर्म है।पूर्व 39 के पार्षद शिवकुमार यादव ने कहा कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं जो हो रही है इसका मुख्य कारण है क्षेत्र में अवैध ढंग से शराब व गांजा की बिक्री खुलेआम कई जगहों पर हो रही है। जिसके चपेट में आकर कई युवा बर्बाद हो रहे हैं।नशा करने के लिए इस तरह के चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इन अवैध कारोबार को अगर नहीं रोका गया तो आगे भी इससे अधिक घटना होने की संभावना है।

पुलिस इस मामले में कार्रवाई करें जिससे युवा लड़कों का भविष्य के साथ अवैध कारोबारों पर भी अंकुश लग सके। वहीं इस मामले में थाना प्रभारी रंजीत राम ने कहा कि अभी हम इस मामले में कुछ नहीं बोल सकते हैं।अभी हम जांच कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि इस चोरी में शामिल सभी लोगों पर सबूत के साथ ठोस कार्रवाई हो ताकि आगे चलकर वह इस तरह की कोई घटना ना दुहरा सके। वहीं इस चोरी की घटना के बाद स्वर्गीय पवन कुमार अग्रवाल की पत्नी मीरा अग्रवाल काफी दहशत में है।

जलापूर्ति सुचारू रूप से नहीं करने के विरोध स्वरूप व्यापारियों ने काला बिल्ला लगाकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया

झरिया : व्यवसायियो ने रविवार को झमाडा के द्वारा गत सप्ताह से जलापूर्ति सुचारू रूप से नहीं करने को लेकर काला बिल्ला लगाकर पूरे झरिया शहर का भ्रमण किया।कहा कि लाखों आबादी में हाहाकार मची हुई है। और झमाडा प्रबंधक घोर निद्रा में सोई है। उन्हें जनता के कष्टों से कोई मतलब नहीं है।हर वर्ष मानसून आना सुनिश्चित है तो इसका स्थाई समाधान क्यों नहीं किया जाता है।दिशा की बैठक दिशाहीन और जनहित के विपरित है।कहा कि प्रबंधन कोई वैकल्पिक व्यवस्था करके जलापूर्ति सुनिश्चित करे। नहीं तो झरिया की जनता बाध्य होकर चरण बद्ध आंदोलन करेगी। कार्यक्रम में उपेन्द्र गुप्ता, शिवचरण शर्मा, श्रीकांत अंबष्ट, उमाचरण रजवार, सत्यनारायण भोजगढ़ीया, पूर्व पार्षद अनूप साव, अमित साव(दीपू), राजेश श्रीवास्तव, नवीन केशरी, अजीत ओझा,राकेश जालान, प्रकाश शर्मा, पालिंद्र कुमार,सनोज साव, रोशन कुमार, सज्जाद अंसारी, घनश्याम रजक, मो.इम्तियाज, जगदीश साव, अशोक रवानी, राजा राम,मो.फैयाज, मो. सहजाद, अनील गुप्ता, दिलीप कुमार साव, पिंटू वर्मा, आदि थे।

सागर कुमार के खाते से हुई 45000 की फर्जी निकासी

झरिया : झरीया थाना के क्षेत्र दुखहरणी मंदिर के समीप रहने वाला सागर कुमार के खाते से 45 हजार की फर्जी निकासी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित सागर कुमार ने रविवार को झरिया थाना में लिखित शिकायत की है। अपने शिकायत में पुलिस को बताया है कि मेरे मोबाइल नंबर पर एक मैसेज आया जिस मैसेज में फ्लिपकार्ट का ऑफर लिखा हुआ था। जैसे ही मैंने वह लिंक खोला तो मेरा मोबाइल काम करना बंद कर दिया। आधे घंटे के बाद मोबाइल मेरा काम करना चालू किया तब देखा कि मेरे मोबाइल नंबर पर 45000 रुपया का निकासी का मैसेज आया है। जब तक बैंक जाता तब तक मेरे खाते से पैसा निकल चुका था। सागर फेरी का काम करता है। झरिया पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर छानबीन कर रही है।

अपर्णा पब्लिक स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबादःअपर्णा पब्लिक स्कूल में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें छात्रों-शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।योग प्रशिक्षक पीयूष वर्णवाल और सलोनी सिन्हा के द्वारा विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केकेएस सिन्हा, केके सिंह, मोहिनी सिन्हा,रेणु कौशल ,प्राचार्य डॉ.अनुपम नायक शामिल थे।मुख्य अतिथि केकेएस सिन्हा ने कहा कि योग करने से एकाग्रता बढ़ती है , आपके कर्म में दक्षता एवं कौशल में भी बढ़ावा मिलता है उन्होंने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना भी की।विद्यालय निर्देशक केके सिंह द्वारा यह घोषणा की गई कि योग को अब से दैनिक गतिविधियों में शामिल किया जाएगा।प्राचार्य डॉ. अनुपम नायक ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि यह एक जीवन शैली है जो मानसिक शांति, अनुशासन और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।उन्होंने सभी छात्रों को प्रतिदिन योग करने की प्रेरणा दी।

सोमवार सुबह से बहाल होगी जलापूर्ति, झरिया एवं आस पास के लोगों को मिलेगी राहत

जोरापोखर। रविवार झरिया एवं आस पास के लोगों के लिए राहत की खबर लेकर आई। जामाडोबा स्थित जल संयंत्र केन्द्र से जलापूर्ति व्यवस्था फिर से बहाल कर दी गई है और सोमवार सुबह तक झरिया एवं आस पास के लोगों को पानी मिलना शुरू हो जाएगा। लगातार हो रहे बारिश के कारण दामोदर नदी में तेनुघाट से पानी छोड़ा गया जिससे दामोदर नदी का जल स्तर बढ़ गया था जिस कारण जामाडोबा जल संयंत्र केन्द्र के इंटेक वेल में जलकुंभी भर गया जिससे जलापूर्ति बाधित हो गई थी।

रविवार को जल स्तर कम होने के बाद इंटेक वेल की सफाई की गई एवं जल भंडारण कार्य दोबारा शुरू किया गया।अब 9 एमजीडी और 12 एमजीडी जल गृह में जल संग्रह कर पाथरडीह के 18 इंच पाइप लाइन के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है। रविवार को भौरा क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बहाल कर दी गई। जबकि झरिया जल मीनार में 30 इंची पाइपलाइन से पानी भेजा जा रहा है।जल संयंत्र केन्द्र के अधिकारी आशुतोष राणा ने बताया कि पाथरडीह लाइन को पूरी तरह चालू कर दिया गया है एवं झरिया में जल भंडारण का कार्य प्रगति पर है। यदि बिजली की आपूर्ति निरंतर बनी रही तो सोमवार सुबह से झरिया में जल वितरण प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मनोहरटांड़ में किया जा रहा है विद्यालय भवन का निर्माण

सिंदरी:रविवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय मनोहरटांड भावथान में विद्यालय भवन का निर्माण किया जा रहा है।वार्ड 53 के पार्षद प्रतिनिधि गणेश महतो एवं ग्रामीणों ने गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने को लेकर ठीकेदार से वार्ता की ठीकेदार ने कहा गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा।स्थानीय लोगों के रोजगार के मुद्दे पर कहा कि आवस्यकता के अनुसार श्रमिक रखा जाता है।

Page 12_Page 3.qxd 6/22/2025 10:25 PM Page 1

चिरकुंडा के वृंदावन सोसायटी के बंद आवास से 45 लाख की नगदी व जेवरात की चोरी, पुलिस छानबीन में जुटी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा :अनुमंडल के चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत वृंदावन सोसाइटी के बंद आवास से लगभग 35 लाख रुपए की चोरी की खबर सामने आयी ही.घटना की जानकारी उस वक्त लगी जब मकान मालिक अविनाश कुमार के ससुर महेश साव ने मकान में लगा हुआ ताला खोला और अंदर गए तब पता चला कि मकान में चोरी हुई है.जिसमें लगभग 20 लाख रुपए नगद व 15 लाख के

जेवरात एवं दो डायमंड की अंगूठी है. सभी सामान व नगद चोर खिड़की के रास्ते घुसकर चोरी को अंजाम दिया हैं. घटना की सूचना मिलते ही चिरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेकर छानबीन करने में जुट गई है.बताया जाता है कि मकान मालिक अविनाश कुमार घर में ताला बंद कर पिछले एक महीने से इलाज के लिए अपने गांव गए हुए थे, इसी दौरान चोरों ने मौका पाकर घटना को अंजाम दिया.

अब सवाल यह भी उठना लाजमी है कि वृंदावन सोसायटी के सभी घर एक चार दिवारी के अंदर है, जिसमें 24 घंटे सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं. बावजूद इस तरह की घटना को चोरों ने चोरी का अंजाम कैसे दिया.क्षेत्र में लगातार चोरी हो रही पुलिस के लिए चुनौती बनता जा रहा है और चोर बड़े आराम से घटना को अंजाम दे रहे हैं. पुलिस अब हर बिंदु पर जांच कर रहीं हैं.

संक्षिप्त खबर

माहुरी वैश्य मंडल कतरास ने छात्र- छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह से किया सम्मानित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरासः माहुरी वैश्य मंडल कतरास के तत्वावधान में रविवार को माहुरी समाज भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. प्रतिभा सम्मान समारोह का उद्घाटन उद्योगपति मदन गुप्ता, प्रो शंकर प्रसाद गुप्ता, डॉ रघुनंदन गुप्ता, अधिवक्ता अवधेश गुप्ता ने मां मथुरासिनी के तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया. प्रतिभा सम्मान समारोह में 10 वीं के छात्रा श्रेया गुप्ता,शिवम गुप्ता, श्रेया कंधवे सहित 17 छात्र व 12वीं के समृद्धि गुप्ता, निशी गुप्ता, आस्था कुमारी गुप्ता सहित 16 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया.मौके पर समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता, सचिव नीरज गुप्ता, संजय गुप्ता, चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज कुमार गुप्ता, पंकज कुमार गुप्ता, रंजीत गुप्ता, सतीश चंद्र भदानी, दिलीप गुप्ता, प्रकाश राम गुप्ता, रजनीश सेठ, राजेश कुमार गुप्ता,सिप्पी गुप्ता, प्रिंस गुप्ता, रेनू सेठ,दीप्ति गुप्ता, रिंकू गुप्ता, अर्चना गुप्ता, चंचला गुप्ता, नरेश गुप्ता, रिंकू गुप्ता, डबली गुप्ता, शालिनी गुप्ता आदि उपस्थित थे. मंच का संचालन माहुरी महिला समिति के अध्यक्ष शिखा गुप्ता एवं सतीश भदानी ने किया.

निचितपुर हाल्ट में ओवरब्रिज नहीं रहने से रेल पटरी पर गिरा 18 वर्षीय युवक, अस्पताल जाने के क्रम में मौत

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : धनबाद गोमो रेल मार्ग के निचितपुर रेलवे स्टेशन में रविवार को अजीबों एक घटना घटी. इसके कारण अफरा तफरी मच गई. बताते है कि रविवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे गोमो का एक परिजन निचितपुर रेलवे स्टेशन में उतरा. स्टेशन में ओवर ब्रिज नहीं रहने के कारण बड़काखाना सवारी गाड़ी से उतर कर परिजन ऑटो पकड़ने के लिए स्टेंड की ओर जाने लगे, इस दौरान उक्त परिजन का एक सदस्य गिट्टी में चोट लगकर लड़खड़ा गया.जिसके बाद किसी तरह वह स्टेंड तक पहुंचा, जहां अचेत होकर गिर पड़ा.जिसके कारण स्टेशन परिसर में अफरा तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई. परिजनों ने स्थानीय नर्सिंग इलाज के लिए ले गए। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र भेज दिया गया ,जाते जाते रास्ते में उसने दम तोड़ दिया. युवक का उम्र अठारह वर्ष के करीब लोग बताया है.लोगों ने कहा स्टेशन में ओवर ब्रिज नहीं रहने का कारण घटना बता रहे है. यात्रियों ने स्टेशन में ओवरब्रिज बनाने का मांग किया है.

मानव के अधिकार की रक्षा हमारी पहली प्राथमिकता : डॉ. बालेश्वर

मानवाधिकार सहयोग संघ एडीसीए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुशवाहा ने अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

भूलीः भूली बी ब्लॉक में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर मानवाधिकार सहयोग संघ एडीसीए के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने माल्यार्पण किया. डॉ बालेश्वर प्रसाद कुशवाहा का स्थानीय संगठनों के सदस्यों ने अंगवस्त्र और माला पहना कर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी.मौके पर डॉ कुशवाहा ने कहा कि मानव के अधिकार की रक्षा पहली प्राथमिकता होगी. झारखंड की संस्कृति यहां के प्रकृति की रक्षा के साथ आमलोगों के संवैधानिक अधिकार के रक्षा को लेकर कार्य किया जाएगा. संघ ने जो दायित्व सौंपा है उसका पालन किया जायेगा.सद्भावना एनजीओ के सचिव रंजीत कुमार उर्फ बिल्लू ने कहा कि डॉ कुशवाहा के मानवाधिकार सहयोग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बनने से धनबाद के कई ज्वलंत मुद्दे राज्य स्तर पर उठाने और धनबाद की आमलोगों के अधिकारों की रक्षा की पहल होगी। ऐसी अपेक्षा धनबादवासियों को है. नागरिक संघर्ष मोर्चा बाघमारा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि जन मुद्दों को लेकर डॉ कुशवाहा पहले भी मुखर रहे हैं और मानवाधिकार सहयोग संघ के माध्यम से लोगों के अधिकारों की रक्षा को लेकर भी बेहतर प्रयास करेंगे.मौके पर प्रियव्रत सिंह, अधिवक्ता बीसी सरकार, मानव अधिकार प्रोटेक्शन के जिला सचिव जगदीश प्रसाद राय, उमेश ठाकुर , जितेंद्र कुमार , संजय सिंह, अमरजीत कुमार सत्यम, राम दुलार राय, किरण देवी, इंदु देवी, अमरदीप कुमार पासवान, वीरेंद्र कुमार, नीरज कुमार साव, विनोद कुमार आदि मौजूद थे.

गुवाहाटी में बाघमारा के डॉ. मुकेश कुमार राय को 'शिक्षा अवॉर्ड्स से किया गया सम्मानित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमाराः गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में लीड स्कूल ग्रुप के द्वारा आयोजित ‘शिक्षा अवॉर्ड्स 2024-25 के भव्य समारोह में संस्कार ज्ञानपीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल को शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए बाघमारा के एक विद्यालय के निदेशक डॉ मुकेश कुमार राय को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर ज्ञानपीठ के निदेशक प्रबंधन नीरजा राय भी उपस्थित रही. इस अवॉर्ड समारोह में लीडस्कूल ग्रुप के ईस्ट जोन से 75 विद्यालयों को नामित किया गया था. ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पाठ्यक्रम उपलब्ध करता है. यह सम्मान लीड स्कूल समूह के सह संस्थापक एवं सीईओ सुमीत मेहता एवं दीपक हरिहरन के द्वारा प्रदान किया गया. इस अवसर पर डॉ. राय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व को साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने इसे अपनी विद्यालय की पाठ्यचर्या में समाहित कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सार्थक प्रयास किए हैं. संस्कार ज्ञानपीठ स्कूल को उंचाइयों तक पहुंचाने में डॉ. राय की दूरदर्शिता और नेतृत्व की विशेष भूमिका रही है. विद्यालय के छात्र आज शिक्षा, खेल, कला, विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं. यह सफलता लीड स्कूल के सहयोग से संभव हो पाई है, जिन्होंने व्यावहारिक एवं नवाचार से युक्त शिक्षण पद्धति को अपनाने में मार्गदर्शन प्रदान किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ईस्ट जोन एक्सलेंस निदेशक स्वेता बोरदोलोई, ईस्ट जोन निदेशक बारिद मुखर्जी, झारखंड प्रभारी आशीष कुमार, संतोष पांडे , पूर्वोत्तर राज्य प्रभारी सौविक शाहा आदि मौजूद थे. मुकेश राय ने बताया कि यह गौरवशाली पल पूरे संस्कार ज्ञानपीठ परिवार के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा. यह सम्मान न केवल डॉ. राय की उपलब्धियों का प्रतीक है, बल्कि संस्था के समर्पण और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की पहचान भी है.

धनबाद कांग्रेस कार्यालय में जिला युवा कांग्रेस की प्रेसवार्ता आयोजित

◆ झारखंड प्रदेश में ब्लॉक विधानसभा, जिला स्तर पर सदस्यता व पूर्ण संगठनात्मक चुनाव जल्द : हसन जैदी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : जिला कांग्रेस कार्यालय में धनबाद जिला युवा कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की युवा शाखा ने घोषणा की है कि झारखंड प्रदेश में ब्लॉक विधानसभा, जिला और पूरे राज्य स्तर पर अपनी सदस्यता और पूर्ण संगठनात्मक चुनाव आयोजित करने जा रही है.युवा कांग्रेस के जिला कोऑर्डिनेटर हसन जैदी ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस में पहले ही पार्टी के आंतरिक चुनाव का एक दौर आयोजित किया जा चुका है. भारत के किसी भी राजनीतिक दल ने अपनी किसी भी संगठन के लिए आंतरिक पार्टी चुनाव आयोजित नहीं किए हैं. यह भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा लिया गया ऐतिहासिक कदम है.यह राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष का दृष्टिकोण है, जब वह कांग्रेस पार्टी की युवा शाखाओं भारतीय युवा कांग्रेस और राष्ट्रीय छात्र संघ के प्रभारी थे. झारखंड प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि भारत एक नए युग की शुरूआत देख रहा है, जब पार्टी के युवा राजनीतिक नेता अपने सदस्यता से सीधे तौर पर चुने जाएंगे. नेताओं को नामांकित करने के बजाय चुनाव प्रक्रिया में बदलाव भारतीय राजनीति में इतिहासिक विकास है। यह सच्ची लोकतंत्र की क्रियावली होगी. जिलाध्यक्ष अध्यक्ष कुमार गौरव ने कहा कि झारखंड प्रदेश में युवा कांग्रेस के नेतृत्व में चुनाव सभी ब्लॉक, विधानसभा, जिला और राज्य इकाई स्तर पर आयोजित किए जाएंगे. इस प्रयास से पार्टी का उद्देश्य राज्य के हर कोने में युवा कांग्रेस संगठन को जड़ों तक सशक्त बनाना है.चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए संगठन ने युवा कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण से निवेदन किया है कि वह युवा कांग्रेस चुनावो को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित कराए. इसके लिए जोनल और राज्य स्तर पर रिटर्निंग ऑफिसर की एक टीम नियुक्त की गई है.युवा कांग्रेस का नामांकन अभियान 27 जून से 03 जुलाई तक चलेगा.उसके बाद सदस्यता प्रक्रिया 15 जुलाई शुरू होगी. इस चुनाव में भाग लेने के लिए 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है.

भारतीय युवा कांग्रेस की सदस्यता चुनाव प्रक्रिया या आप कैसे युवा कांग्रेस के नेता बन सकते हैं और चुनाव जीत सकते हैं उसके बारे में अधिक जानकारी के लिए आप निम्नलिखित माध्यमों से भारतीय युवा कांग्रेस से संपर्क कर सकते हैं.इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष बृजेन्द्र प्रसाद सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह जोगी, दिनेश सिंह, युवा कांग्रेस के जिला कॉर्डिनेटर हसन जैदी, जिला अध्यक्ष कुमार गौरव, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष गोपाल कृष्ण चौधरी, उपाध्यक्ष तबरेज खान, महासचिव आदित्य आनन्द, विक्की कुमार, गुलाम मुक्तका, सोनू यादव, अभीषेक, नीरज दास, कैलाश दास, विशाल महतो, रवि सिंह, यूसुफ अंसारी, अयांश गुप्ता, कायदे आजम, देवेंद्र पासवान, उपस्थित थे.

टुंडी प्रखंड के दुर्गा रायडीह में जनकल्याणकारी योजनाओं का किया गया आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत रविवार को टुंडी के रतनपुर पंचायत स्थित जनजातीय बहुल क्षेत्र दुर्गा रायडीह गांव में एक शिविर आयोजित किया गया.टुंडी बीडीओ विशाल कुमार पांडेय ने दीप जलाकर शिविर का उद्घाटन किया. टुंडी बीडीओ ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर बताया कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह एवं अनुसूचित जनजाति बहुल गांवों में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है. टुंडी बीडीओ ने इस अवसर पर कई लाभुकों के बीच मनरेगा जॉब कार्ड,जाति प्रमाण पत्र, पेंशन स्वीकृति पत्र,आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड बांटें.स्थानीय मुखिया गरीबन बीबी ने ग्रामीण के कई समस्याओं को जिले के वरीय पदाधिकारियों से अविलंब बात करने की बात कहीं. शिविर में चिकित्सा विभाग के द्वारा जाँच शिविर में बारह लोगों का शुगर जांच किया गया. मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पांडेय ,मुखिया गरीबन बीबी , प्रभारी पनन पदाधिकारी ओम प्रकाश दास, प्रभारी अंचल निरीक्षक इजहार अहमद खान , पंचायत सेवक नीरज सिन्हा, पर्यवेक्षिका सुनीता मरांडी, पंसस भगीरथ महतो , शहादत अंसारी, आजाद अंसारी , तापस मुखर्जी, शहजाद अंसारी, शिक्षिका कमर जहां,विभिन्न विभाग के कर्मचारी के अलावा सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग

निरसा थाना क्षेत्र के पीठकियारी गांव बना साइबर अपराधियों का हॉट स्पॉट

साइबर लूट से गांव में लगातार बन रहे आलीशान मकाने

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : निरसा थाना अंतर्गत पीठकियारी गांव लगातार साइबर क्राइम का हॉट स्पॉट बनता जा रहा है. लगातार हो रही कार्रवाई के बाद भी साइबर अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा है. फिलहाल स्थिति इस प्रकार की बन गई है प्रतिदिन किसी न किसी राज्य की पुलिस की दबिश वहां पड़ ही जाती है. लेकिन साइबर अपराधी इतने बेखौफ हो गए है कि वे पुलिस कार्रवाई के बाद भी लगातार साइबर क्राइम को अंजाम दे रहे है.आपको बताते चले की पीठकियारी गांव में दर्जनों से अधिक युवाओं के उपर साइबर अपराध का मामला चल रहा है.लेकिन फिर उनके मन में किसी प्रकार का भय नहीं है. इसका मुख्य कारण है कम समय में बहुत ही

अधिक संपति का अर्जित कर लेना.आसपास के ग्रामीणों की माने तो आज से कुछ वर्ष पूर्व पीठकियारी गांव में कुछ मकानों को छोड़कर सिर्फ कच्ची घर हुआ करते थे, लेकिन अवैध रूप से कमाई गई संपति से लोगो ने महल खड़ा कर लिया.

आपको बताते चले की साइबर अपराधियों द्वारा अर्जित किए गए पैसे का मुख्यत निवेश घरों में जमीन लेने में सोने के आभूषण गाड़िया जो की किसी अन्य के नाम पर रजिस्टर्ड करवाई गई. और कई ने तो उन पैसों से बड़ी बड़ी दुकानें और मॉल खड़ी कर ली है.

धनबाद रेलवे स्टेशन के समीप से पुलिस ने घेराबंदी कर 28 पैकेट गांजा के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः शनिवार को धनबाद रेलवे स्टेशन से गांजा तस्करी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है. धनबाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने प्रेसवार्ता में बताया कि धनबाद एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि भुवनेश्वर से आ रही स्पेशल ट्रेन संख्या-02831 से दो संदिग्ध व्यक्ति गांजा लेकर धनबाद पहुंचने वाले हैं.गुप्ता सूचना के आधार पर धनबाद थाना प्रभारी आर एन ठाकुर के नेतृत्व में जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर प्लेटफॉर्म संख्या 5 से संदिग्धों का पीछा करते हुए उन्हें सुलभ शौचालय के पास रोका गया. पूछताछ और तलाशी में दोनों व्यक्तियों के ट्रॉली बैग से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया

गया.गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सावन कुमार (26 वर्ष) और शंभू पासवान (25 वर्ष) के रूप में हुई है. दोनों बिहार के नालंदा जिले के सारे थाना क्षेत्र के ओंदा गांव के रहने वाले हैं. इनके पास से दो अलग-अलग ट्रॉली बैग में 1-1 किलो के 28 पैकेट गांजा बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 28 किलो और बाजार मूल्य लगभग 4.20 लाख रुपये आंका गया है. आरोपियों ने बताया कि ये खेप उड़ीसा से लेकर बनारस ले जाई जा रही थी.इस कार्रवाई में थाना प्रभारी के अलावा सुजीत कुमार सिंह, ललित रंजन भगत, कुंदन कुमार, आभाष चन्द्र (आरपीएफ), कैलाश प्रसाद महतो (जीआरपी) और सशस्त्र बल शामिल थे.

मायुमं धनबाद कोल सिटी शाखा ने आयोजित किया रक्तदान व नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

52 यूनिट रक्त संग्रहित, 55 लोगों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान महा-उत्सव एवं रक्तदाता सम्मान पखवाड़ा के तहत मारवाड़ी युवा मंच,धनबाद कोल सिटी शाखा एवं झरिया समृद्धि शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शास्त्री नगर, धोबाटांड़, धनबाद के भवन परिसर में रक्तदान व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का विधिवत उद्घाटन शाखा के मार्गदर्शक सह झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण गोयल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष नरेश केजरीवाल एवं प्रांतीय सहायक मंत्री राजीव सांवतिया की उपस्थिति में संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया. तत्पश्चात दोनों ही शाखा के पदाधिकारियों व युवा सदस्यों द्वारा शिविर में पधारे सभी अतिथियों को पौधा,अंग वस्त्र एवं प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत और सम्मानित किया. इस शिविर में कुल 55 लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया.वहीं अत्यंत जोश और उमंग दिखाते हुए दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए आग्रही वीर रक्त वीरांगनाओं ने बढ़ चढ़कर उत्साह

पूर्वक हिस्सा ले मानवता की मिसाल पेश की एवं जिनसे संग्रहित कुल 52 यूनिट रक्त को एस. जेस. ब्लड सेंटर को सुपुर्द कर दिया गया. इन वीर रक्तदाताओं में कई दानी ऐसे भी थे जिन्होंने अपने जीवन का प्रथम रक्तदान किया. जिनमें सुश्री आयुषी वसिष्ठ, स्वाति अग्रवाल, दीनानाथ मंडल, नीरज गुप्ता आदि थे. इनके अलावा झरिया शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर साह ने भी शिविर में अपने जीवन का 38 वां रक्तदान कर यह संदेश प्रेषित किया कि युवाओं को इस महादान में बढ़ - चढकर हिस्सा लेना चाहिए. सभी रक्तदाताओं को उनके अप्रतिम योगदान को नमन और साधुवाद करते हुए प्रशंसा पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया.शिविर में पधारे अतिथियों ने अपने अभिवादन में बताया कि हर धर्म मानवीय मूल्यों की वकालत करता है और रक्तदान करने से मानव जीवन बचता है. उन्होंने आगे बताया कि मारवाड़ी युवा मंच की शाखाएं निरंतर पूरे भारतवर्ष में रक्तदान शिविर आयोजित करता रहता है, और हमारा संकल्प व लक्ष्य आने वाले दिनों में अधिकाधिक रक्तदान शिविर लगाने पर है जिससे आम जनमानस को रक्त के लिए कभी भी जूझना ना पड़े और जरूरत पड़ने पर हर जरूरतमंद को आसानी से रक्त उपलब्ध करवाया जा सके. कार्यक्रम उपरान्त सदैव रक्तदान के क्षेत्र में सेवा के लिए तत्पर एस. जेस. ब्लड बैंक के निर्देशक आशुतोष झा जिन्होंने हमारी शाखा को जब कभी किसी भी जरूररतमंद के लिए रक्त की आवश्यकता पड़ी, बिना एक क्षण गंवाएं उनको तत्काल रक्त उपलब्ध करवा उत्कृष्ट सहयोग प्रदान किया.

जिसके लिए उन्हें दोनों ही शाखा द्वारा संयुक्त रूप से अंग वस्त्र, पौधा एवं प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. इस शिविर को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष आशीष बंसल, सचिव रवि अग्रवाल, रक्तदान संयोजक नवदीप गोयल, सुशील मित्तल, अभिषेक अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, गौरव गर्ग, मोनी अग्रवाल, सुमिता केजरीवाल, श्वेता अग्रवाल वहीं झरिया समृद्धि शाखा से पूर्व शाखा अध्यक्ष अनिता अग्रवाल, वर्तमान अध्यक्ष जया अग्रवाल, उपाध्यक्ष अर्चना अगर, सचिव निशा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक पायल मित्तल, कोषाध्यक्ष शिल्पा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, अनु अग्रवाल एवम अन्य शाखा सदस्यों के अलावा एस. जेएस.ब्लड बैंक के निर्देशक आशुतोष झा एवं उनकी पूरी टीम का अभूतपूर्व योगदान रहा.

महुदा इंटर महाविद्यालय के द्वारपाल ने कॉलेज सचिव पर मारपीट की शिकायत महुदा पुलिस से की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : महुदा इंटर महाविद्यालय के द्वारपाल गौतम कुमार महतो ने महुदा थाना में लिखित शिकायत देकर महाविद्यालय के सचिव दीपनारायण शर्मा पर गाली गलोज कर मारपीट करने का आरोप लगाया है.आवेदन में बताया है कि पिछले सात माह से मेरा वेतन बकाया है और मेरा पुत्री भी बीमार है. बकाया वेतन मांगने के लिए मैं सचिव के चेंबर में गया.मुझे देखते ही वह आक्रोशित होकर गाली गलौज करने लगा. जब मैं उसे गाली गलौज करने से रोका तो मुझे मारपीट कर धक्का देकर नीचे गिरा दिया और घसीटते हुए चेंबर से बाहर निकाल दिया.

इससे पूर्व भी बाघमारा सीओ द्वारा कॉलेज में जांच करने के दौरान सच्चाई बोलने पर स्पष्टीकरण मांगा गया था. उन्होंने थाना प्रभारी से सचिव पर कार्रवाई की मांग किया है.इस संबंध में महाविद्यालय के सचिव दीपनारायण शर्मा से पुछने पर कुछ भी बताने से इंकार किया. इस संबंध में थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद ने बताया कि शिकायत मिला है। शिकायत के आधार पर जांच पड़ताल कर कार्रवाई किया जायेगा.इसके पूर्व शनिवार को भी कर्मियों द्वारा बकाया वेतन की मांग किये जाने पर कॉलेज में विवाद हुआ था. विवाद के बाद दोनो पक्ष महुदा थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.